हिन्दी दैनिक

पटना (बिहार) तथा लुधियाना (पंजाब) से एक साथ प्रकाशित

रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना, बुधवार | 16 अप्रैल 2025 | वर्ष : 03 अंक : 103 | पृष्ठ - 12 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

ब्रीफ न्यूज

जम्मू कश्मीर को फिर से राज्य का दर्जा मिलने की उम्मीद:उमर अब्दुल्ला,

एजेंसी

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने मंगलवार को कहा कि उन्हें उम्मीद है कि जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा फिर से मिलेगा। अगस्त 2019 में, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने भारतीय संविधान के अनुच्छेद 370 को निरस्त कर दिया, जिससे जम्मू-कश्मीर को दिया गया विशेष दर्जा प्रभावी रूप से समाप्त हो गया और राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों- जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में विभाजित कर दिया गया। उमर अब्दुल्ला ने यहां संवाददाताओं से कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री ने हाल ही में जम्मू और श्रीनगर का दौरा किया। मेरी उनसे अच्छी मुलाकात हुई। मुझे उम्मीद है कि जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा फिर से मिलेगा। पिछले सप्ताह केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जम्मू-कश्मीर का दौरा किया और वर्तमान कानून-व्यवस्था परिदृश्य का आकलन करने के लिए केंद्र शासित प्रदेश में एक उच्च स्तरीय सुरक्षा समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की।

क्या सम्राट होंगे सीएम के बिहार सीएम उम्मीदवार? हरियाणा के सीएम के दावे

नीतीश की 'सम्मानजनक विदाई' की चर्चा तेज, अब आयी सम्राट की सफाई

डॉ. अंबेडकर समग्र सेवा अभियान के शुभारंभ पर बोलते हुए चौधरी ने दोहराया कि आगामी विधानसभा चुनाव नीतीश के नेतृत्व में लड़ा जाएगा। उन्होंने कहा, वह अगले कार्यकाल के लिए भी मुख्यमंत्री के रूप में काम करना जारी रखेंगे।? उन्होंने कहा कि नीतीश के नेतृत्व में एनडीए सरकार राज्य को आगे ले जाएगी।

एजेंसी

पटना: राजद नेता तेजस्वी यादव द्वारा जेडी(यू) सुप्रीमो और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की बिहार के भावी सीएम पर टिप्पणी को गंभीरता से लेने के लिए कहने के कुछ घंटों बाद, उपमुख्यमंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता सम्राट चौधरी ने सोमवार को स्पष्ट किया कि नीतीश अगले कार्यकाल के लिए एनडीए गठबंधन का नेतृत्व करना जारी रखेंगे। डॉ. अंबेडकर समग्र सेवा अभियान के शुभारंभ पर बोलते हुए चौधरी ने दोहराया कि आगामी विधानसभा चुनाव नीतीश के नेतृत्व में लड़ा जाएगा। उन्होंने कहा, "वह अगले कार्यकाल के लिए भी मुख्यमंत्री के रूप में काम करना जारी रखेंगे।" उन्होंने कहा कि नीतीश के नेतृत्व में एनडीए सरकार राज्य को आगे ले जाएगी।

क्या सम्राट चौधरी एनडीए के बिहार सीएम चेहरे होंगे? क्या बोले नेता जी

इस साल के अंत में होने वाले बिहार विधानसभा चुनावों से पहले नीतीश कुमार के राजनीति से सम्मानजनक तरीके से बाहर निकलने की चचाओं के बीच, बिहार के उप-मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने दोहराया था कि कुमार आगामी चुनावों में भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए का चेहरा होंगे। यह हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी द्वारा सम्राट चौधरी को बिहार के भावी सीएम के रूप में पेश किए जाने के बाद आया है।

एनडीए सरकार एकजुट है और सीएम नीतीश कुमार के नेतृत्व में विधानसभा चुनाव लड़ेगी?

चौधरी ने कहा, "एनडीए सरकार एकजुट है और सीएम नीतीश कुमार के नेतृत्व में विधानसभा चुनाव लड़ेगी। वह बिहार में एनडीए का चेहरा हैं और रहेंगे।" उन्होंने गांवों के विद्युतीकरण, सड़क संपर्क और रोजगार सृजन के लिए लगातार प्रयासों का उल्लेख करते हुए नीतीश कुमार के विकास कार्यों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, "अगर लोग हमें पांच साल और देते हैं, तो हम ऐसे अवसर पैदा करेंगे जो काम की तलाश में बिहार छोड़ने वाले सभी लोगों को वापस लाएंगे।" हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी ने यह बयान देकर राजनीतिक हलचल मचा दी है कि अगला बिहार चुनाव सम्राट चौधरी के नेतृत्व में लड़ा जाएगा।

हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी ने क्या कहा था?

हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी ने रविवार को गुड़गांव में एक कार्यक्रम के दौरान चौधरी को बिहार के भावी सीएम के तौर पर पेश करके विवाद खड़ा कर दिया था। सैनी ने कहा, "बीजेपी का विजय अभियान हरियाणा से बिहार तक जारी रहना चाहिए। बिहार में विजय का परचम सम्राट चौधरी के हाथों फहराया जाएगा।" सैनी की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए तेजस्वी यादव ने सोमवार को कहा, "जेडीयू को इस टिप्पणी पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। सैनी बीजेपी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य हैं। ऐसा लगता है कि उन्होंने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व द्वारा तय किए गए फैसले का खुलासा कर दिया है, लेकिन सार्वजनिक नहीं कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, "अब यह स्पष्ट हो गया है कि बीजेपी नीतीश को सीएम पद पर बने रहने नहीं देना चाहती है।

मुंबई से निकल रहे थे अमित शाह, अचानक एकनाथ शिंदे से क्यों करनी पड़ी अर्जेंट मीटिंग

एजेंसी

महाराष्ट्र: महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और शिवसेना अध्यक्ष एकनाथ शिंदे द्वारा मुंबई में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात कर अपनी विभिन्न शिकायतें उठाने की कोशिश ने भाजपा नीत महायुति में हलचल मचा दी है। सूत्रों का कहना है कि इससे सत्तारूढ़ खेमे में खलबली मचने के संकेत मिल रहे हैं। पिछले सप्ताहांत शाह के महाराष्ट्र दौरे के दौरान शिंदे ने मुंबई के सह्याद्री गेस्ट हाउस में शाह से मुलाकात की। यह आमने-सामने की मुलाकात थी, क्योंकि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस नागपुर के दौरे पर थे। वहीं उपमुख्यमंत्री और एनसीपी प्रमुख अजित पवार अपने बारामती निर्वाचन क्षेत्र में थे। आधिकारिक तौर पर, भाजपा और एनसीपी दोनों ने शाह के साथ शिंदे की मुलाकात को शिष्टाचार भेंट बताया। इस चर्चा के बीच कि शिंदे ने अजित पवार के खिलाफ शाह से शिकायत की और अपनी विभिन्न शिकायतें बताईं, शिवसेना प्रमुख ने कहा कि हमारे बीच कोई मनमुटाव नहीं है। सब कुछ ठीक है। उन्होंने कहा कि अमित शाह एनडीए और महायुति के नेता हैं। मेरी उनसे मुलाकात राज्य और मुंबई में चल रही विभिन्न विकास परियोजनाओं के बारे में उन्हें जानकारी देने के लिए थी। अजित पवार ने भी इसी तरह की बात कही, उन्होंने सुझाव दिया कि शिंदे शाह से शिकायत करने के बजाय उनसे बात करेंगे। हालांकि, शिवसेना सूत्रों ने कहा कि यह एक गंभीर चर्चा थी। पार्टी के एक नेता ने कहा कि जाहिर है, शाह और शिंदे मौसम और क्रिकेट पर बात नहीं करने जा रहे हैं। यह राजनीति और सरकारी कामकाज पर एक गंभीर चर्चा होनी चाहिए। सूत्रों ने बताया कि शिवसेना अपने सहयोगियों से कई मुद्दों पर नाराज है।

'इतिहास को इतिहास ही रहने देना चाहिए', सपा नेताओं के बयान पर बोले अखिलेश यादव

एजेंसी

नई दिल्ली: समाजवादी पार्टी के विधायक इंद्रजीत सरोज के भारत के मंदिरों पर दिए गए बयान पर समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने कहा कि मैंने उनका बयान नहीं सुना है, मैंने रामजी लाल सुमन का बयान भी नहीं सुना है लेकिन मैं पार्टी में कहूंगा कि इतिहास से जुड़ा कोई सवाल नहीं उठाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मैं चाहता हूं कि अगर इतिहास की चीजें हमें अच्छा रास्ता नहीं दिखा सकती हैं, अगर यह हमें सकारात्मक रास्ते पर नहीं ले जा सकती हैं, अगर यह हमें सकारात्मक दिशा नहीं दे सकती हैं, तो इतिहास को इतिहास ही रहने देना चाहिए। इतिहास पर चर्चा नहीं होनी चाहिए। समाजवादी पार्टी के विधायक इंद्रजीत सरोज के भारत के मंदिरों पर दिए गए बयान पर समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने कहा कि मैंने उनका बयान नहीं सुना है, मैंने रामजी लाल सुमन का बयान भी नहीं सुना है लेकिन मैं पार्टी में कहूंगा कि इतिहास से जुड़ा कोई सवाल नहीं उठाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मैं चाहता हूं कि अगर इतिहास की चीजें हमें अच्छा रास्ता नहीं दिखा सकती हैं,

महागठबंधन में शामिल होंगे चिराग के चाचा पशुपति पारस? इशारों-इशारों में दिया बड़ा संकेत

एजेंसी

पटना: राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी अब भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) का हिस्सा नहीं है। पार्टी प्रमुख और पूर्व केंद्रीय मंत्री पशुपति कुमार पारस ने सोमवार को घोषणा की। इसके साथ ही उन्होंने संकेत दिया कि उनकी पार्टी बिहार में अब राजद के नेतृत्व वाले महागठबंधन में शामिल हो सकती है। पशुपति कुमार पारस ने तेजस्वी यादव और मल्लिकार्जुन खड़गे के बीच आज हुई बैठक को काफी सफल बताया है। इसका मतलब साफ है कि वह महागठबंधन में शामिल हो रहे हैं।पशुपति कुमार पारस ने कहा कि यह एक अच्छी शुरूआत है। हमारी राय है कि इस महीने के अंत तक क्ठउक्क्अ गठबंधन के

लोगों को बुलाया जाए और एक योजना के तहत वे बिहार भर के 38 जिलों में एकजुट होकर लोगों के बीच जाएं और अपनी बात रखें। अगस्त तक हमारी पार्टी की योजना बिहार के जिलों में जाकर संगठन को मजबूत करने और समर्थकों की समस्याओं का समाधान करने की है। निश्चित रूप से एनडीए गठबंधन को हराने के लिए क्ठउक्क्अ गठबंधन को मजबूत करना होगा और सभी छोटी पार्टियों को साथ लाना होगा। बिहार में लोग बदलाव के मूड में हैं। हमने देखा है कि दलित समुदाय एनडीए गठबंधन से नाराज है। इससे पहले सोमवार को घोषणा करते हुए पारस ने कहा कि दलित पार्टी होने के कारण उनकी पार्टी को अन्याय का सामना करना पड़ा और एनडीए की बैठकों में बिहार में भाजपा और जेडीयू के प्रदेश अध्यक्षों ने उनकी पार्टी का कोई जिक्र नहीं किया। पारस ने कहा, "मैं 2014 से एनडीए के साथ हूं। आज मैं घोषणा करता हूं।

शरबत जिहाद पर तेज हुआ विवाद, गुरु रामदेव के खिलाफ दिग्विजय सिंह ने थाने में दर्ज कराई शिकायत

एजेंसी

नई दिल्ली: कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने मंगलवार को योग गुरु रामदेव के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के लिए पुलिस से संपर्क किया और उन पर शरबत जिहाद पर अपने कथित बयान के जरिए धार्मिक नफरत फैलाने का आरोप लगाया। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि सिंह द्वारा दर्ज की गई शिकायत की जांच की जाएगी। मध्य प्रदेश से राज्यसभा सदस्य सिंह ने भोपाल के टीटी नगर पुलिस स्टेशन का दरवाजा खटखटाया और मांग की कि भारतीय न्याय संहिता

और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 196 (1) (ए) और 299 के तहत मामला दर्ज किया जाए।धारा 196 धर्म, जाति, भाषा या क्षेत्र के आधार पर समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देने पर रोक लगाती है, जबकि धारा 299 जानबूझकर और दुर्भावनापूर्ण कृत्यों को संबोधित करती है जिसका उद्देश्य किसी भी तरह से दुश्मनी को बढ़ावा देना है। सिंह ने रामदेव के एक्स अकाउंट के जरिए कथित तौर पर जारी किए गए एक वीडियो को फ़्लैग किया, जिस पर उन्होंने आरोप लगाया कि इसका उद्देश्य पतंजलि आयुर्वेद के उत्पादों की बिक्री बढ़ाने के लिए लोगों में धार्मिक भावनाओं को भड़काना था। सिंह ने कहा कि रामदेव ने पतंजलि के गुलाब शरबत का विपणन करते हुए दावा किया था कि शरबत बेचने वाली एक कंपनी आय का इस्तेमाल मदरसे और मस्जिद बनाने में करती है।

ये बदले की राजनीति के अलावा कुछ नहीं, नेशनल हेराल्ड केस में ED के एक्शन पर भड़की कांग्रेस

एजेंसी

नई दिल्ली: कांग्रेस ने मंगलवार को नेशनल हेराल्ड मामले में पार्टी नेताओं सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के आरोपपत्र की आलोचना की। इसे राजनीतिक प्रतिशोध बताते हुए पार्टी नेता जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह पर विपक्ष को डराने के लिए सरकारी एजेंसियों का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। जयराम रमेश ने नेशनल हेराल्ड की संपत्ति जब्त करने को कानून के शासन के रूप में एक राज्य

प्रायोजित अपराध बताया। जयराम रमेश ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि सोनिया गांधी, राहुल गांधी और कुछ अन्य लोगों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल करना प्रधानमंत्री और गृह मंत्री द्वारा बदले की राजनीति और धमकाने के अलावा कुछ नहीं है, जो पूरी तरह से पागल हो चुका है। कांग्रेस और उसके नेतृत्व को चुप नहीं कराया जाएगा। सत्यमेव जयते। यह टिप्पणी ईडी द्वारा दिल्ली की एक विशेष अदालत में सोनिया गांधी, राहुल गांधी, सैम पित्रोदा, सुमन दुबे और अन्य के खिलाफ अभियोजन शिकायत दर्ज करने के तुरंत बाद आई है। अदालत 25 अप्रैल को दलीलें सुनेगी और तय करेगी कि आरोपों पर संज्ञान लिया जाए या नहीं। प्रवर्तन निदेशालय ने नेशनल हेराल्ड अखबार से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया है।

रेवंत रेड्डी का आरोप,

कांग्रेस सरकार के खिलाफ जहरीला अभियान चला रही भाजपा और बीआरएस

प्रखंड संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

नई दिल्ली: मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने मंगलवार को भाजपा और बीआरएस पर आरोप लगाया कि वे मिलकर एचसीयू भूमि मुद्दे को लेकर तेलंगाना में कांग्रेस सरकार के खिलाफ जहरीला अभियान चला रहे हैं। सीएलपी की बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि विपक्ष एचसीयू की जमीनों पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल कर झूठा अभियान चला रहा है। यहां तक ??कि प्रधानमंत्री मोदी भी इस अभियान पर यकीन करते हैं और कहते हैं कि बुलडोजर भेजे जा रहे हैं रेवंत रेड्डी ने कहा कि विपक्ष ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल करके एचसीयू की जमीन पर झूठा प्रचार किया। विपक्ष के अभियान को सच मानते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने भी बुलडोजर चला दिया। भाजपा और बीआरएस मिलकर जनता की सरकार के खिलाफ जहरीला अभियान चला रहे हैं। पार्टी और सरकार की प्रतिष्ठा बढ़ेगी तभी हमारा भविष्य अच्छा होगा। उन्होंने कहा कि कल तक बंडी संजय कुमार और जी किशन रेड्डी हमारी सरकार की आलोचना करते थे।

जल्द सीट बंटवारे पर फोकस, पिछली गलतियों से सबक... खड़गे-तेजस्वी की बैठक पर इन मुद्दों पर रहा जोर

एजेंसी

नई दिल्ली: बिहार में महागठबंधन के घटक दलों की गुरुवार को पटना में बुलाई गई बैठक से पहले राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के वरिष्ठ नेता तेजस्वी यादव ने मंगलवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से मुलाकात की। सूत्रों के अनुसार, बैठक के बाद यह संदेश स्पष्ट किया गया कि पिछले विधानसभा चुनावों में गठबंधन द्वारा की गई गलतियों को न दोहराएं और सुनिश्चित करें कि सीटों का बंटवारा जमीनी वास्तविकताओं पर आधारित हो।सूत्रों ने बताया कि यादव जल्द से जल्द सीट बंटवारे पर बातचीत शुरू करने और साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने के इच्छुक हैं। बिहार विधानसभा के नेता

प्रतिपक्ष नहीं चाहते कि बातचीत और उम्मीदवार का चयन आखिरी समय तक लटका रहे। जबकि कांग्रेस के सूत्रों ने कहा कि दोनों पक्षों का मानना ??है कि सीट बंटवारा जमीनी हकीकत के आधार पर होना चाहिए। यादव का जोर दिलचस्प है क्योंकि राजद का मानना ??है कि 2020 में कांग्रेस को 70 सीटें देना एक गलती थी।कांग्रेस ने पांच साल पहले जिन 70 सीटों पर चुनाव लड़ा था, उनमें से सिर्फ. 19 सीटें जीती थीं, जो कि महागठबंधन के घटक दलों में सबसे खराब स्ट्राइक रेट है। आरजेडी ने अपने उम्मीदवार उतारे सीटों में से आधी सीटें जीतीं (144 में से 75), और सीपीआई (एमएल) लिबरेशन ने अपने उम्मीदवार उतारे 19 सीटों में से 12 सीटें जीतीं। पिछले साल के लोकसभा चुनाव में आरजेडी को सिर्फ. चार सीटें मिलीं, जबकि कांग्रेस तीन और सीपीआई (एमएल) लिबरेशन दो सीटें जीतने में कामयाब रही।आगामी बिहार विधानसभा चुनाव की तैयारियों पर चर्चा के लिए कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व के साथ बैठक के बाद, राजद नेता तेजस्वी यादव ने मंगलवार को कहा कि विपक्षी गठबंधन एकजुट है और बिहार को आगे ले जाने के लिए पूरी तरह तैयार है। मीडिया से बात करते हुए यादव ने कहा कि गठबंधन सहयोगियों के साथ एक और बैठक 17 अप्रैल को पटना में होगी। उन्होंने कहा कि बिहार में एनडीए सरकार के 20 साल बाद भी सबसे गरीब राज्य है,

भाजपा प्रदेश कार्यालय में 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत स्नेह मिलन' कार्यशाला का आयोजन, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल हुए सम्मिलित

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- 'एक भारत–श्रेष्ठ भारत' कार्यशाला का राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुग, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने किया उद्घाटन
- 'एक भारत–श्रेष्ठ भारत' सिर्फ एक नारा नहीं है, यह एक महान विचारधारा है : डॉ. दिलीप जायसवाल
- हमें एकता के सूत्र में बांधने का मंत्र है 'एक भारत–श्रेष्ठ भारत' : डॉ. दिलीप जायसवाल

पटना, 15 अप्रैल। बिहार भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय में आज 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत स्नेह मिलन' कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्घाटन भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुग और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने किया।

कार्यशाला में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने कहा कि 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' सिर्फ एक नारा नहीं है, यह एक महान विचारधारा है। उन्होंने कहा कि यह सही अर्थों में वह मंत्र है जो पूरे देश को एकता के सूत्र में बांधे रखती है।

उन्होंने कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत को श्रेष्ठ बनाने के संकल्प को लेकर सिद्धि तक पहुंचाने में जुटे हुए हैं। उन्होंने राष्ट्रीय विरासत को दुनिया के पटल पर लाने का काम किया। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत विश्वगुरु बनने की ओर अग्रसर है। विकसित भारत हमारा सपना है। आने वाले दिनों में दुनिया को रास्ता दिखाने वाले भारत को विकसित बनाने के लिए भाजपा अग्रसर रहेगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि आज भाजपा सशक्त भारत का आधार बन चुकी है। उन्होंने कहा कि जब हम सशक्त होंगे तभी श्रेष्ठ होंगे।

भाजपा अध्यक्ष डॉ. जायसवाल ने कहा कि हमारे पूर्वजों ने इसी सपने को लेकर राष्ट्रभक्ति का बीज रोपित किया था। आज हम एक भारत श्रेष्ठ भारत बनाने को लेकर अपने पूर्वजों के सपने को साकार करने के रास्ते पर चल पड़े हैं। उन्होंने भरोसा जताते हुए कहा कि भाजपा के कार्यकताओं की निष्ठा, सेवा और राष्ट्र निर्माण के संकल्पों के प्रति दृढ़ संकल्प यह विश्वास देता है कि हम भारत को श्रेष्ठ बनाएंगे। उन्होंने कहा कि हम सभी भारतीय एक हैं और सभी का इस देश के विकास में योगदान है। ऐसी स्थिति में सामाजिक समरसता कैसे बनी रहे और विचार राष्ट्रवादी बने रहें, इसी दृष्टि को लेकर भाजपा आगे बढ़ रही है।इस कार्यशाला में बिहार भाजपा के सह प्रभारी दीपक प्रकाश, प्रदेश संगठन महामंत्री भीखू भाई दालसनिया, केंद्रीय मंत्री सतीशचंद्र दूबे, मंत्री संजय सरावगी, प्रदेश महामंत्री मिथिलेश तिवारी सहित प्रदेश के पदाधिकारी, विभिन्न प्रकोष्ठों के पदाधिकारी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बिहार जमीयत-उल-रईन ने मनाया रईन दिवस

जमीयत-उल-रईन बच्चों की उच्च शिक्षा के लिए मदद ढूंढने की कोशिश कर रहा है: डॉ. फरमान

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना (प्रेस विज्ञप्ति) बिहार में जमीयत-उल-रईन के प्रदेश अध्यक्ष डॉ फरमान अली की अध्यक्षता में राईन दिवस मनाया गया। इस अवसर पर जमीयत-उल-रईन के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि 15 अप्रैल 1950 से राईन दिवस मनाया जा रहा है, जो निरंतर जारी है। इसे पहली बार 1950 में पंजाब में मनाया गया था, तब से रेइन दिवस पूरे भारत में मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि राईन समुदाय के कल्याण और भलाई के लिए संगठन पूरे भारत में काम कर रहा है अ'' क्ल्र्ग्रि जमीयत-उल-राईन के नाम से पूरे देश में एक आंदोलन चलाया जा रहा है। इसी को देखते हुए बिहार में जमीयत-उल-रईन बिहार के नाम से एक संगठन चलाया जा रहा है।जो एक पंजीकृत संगठन है।इसके अध्यक्ष डॉ. फरमान अली राईन एवं समिति के

पदाधिकारियों ने 13 अप्रैल 2025 को बेगो सराय शाहपुर कमाल से फ्टीेल्ल फुंर् अभियान की शुरूआत की, जो फ्टीेल्ल फुंर् अभियान के नाम से पूरे बिहार में चलाया जा रहा है।यह बिहार के हर जिले का दौरा करेगा।जिसका नारा होगा राईन को बढ़ाओ मिल्लत को बचाओ डॉ. फरमान अली ने कहा कि हमारी संस्था का मिशन हर जिले जिले में जाकर राईन भाईचारे की खुशहाली और खुशहाली सुनिश्चित करना है और दहेज जैसी बुराइयों से बचने की कोशिश करना, बच्चों की शिक्षा कैसे हो, बच्चों को उच्च शिक्षा दिलाने में कैसे मदद मिले और बच्चों को सुविधाएं कैसे मिलें, इस पर चर्चा करना है। संगठन पटना, बिहार में एक बड़े संस्थान के बारे में सोच रहा है, जो बच्चों को बेहतर तालीम के लिए तैयार कर सके और उन्हें उच्च शिक्षा प्राप्त करने में सक्षम बना सके। और यह समुदाय के लोगों को जोड़ने के लिए संपर्क अभियान चला रहा है और संवेदनशील लोगों से इस संगठन से जुड़ने की अपील करता है। उन्होंने समुदाय के लोगों से आग्रह किया कि वे अपने और अपने बच्चों के नाम के आगे तथा आधार कार्ड में अपनी जाति (रईन) लिखें। डॉ. फरमान अली ने आगे कहा कि धर्मनिरपेक्ष पार्टियां मुसलमानों के नाम पर हमारे समुदाय को धोखा देने की कोशिश कर रही हैं। जिस कार्य से हमारे समुदाय के लोगों को बचाने की जरूरत है। हमारा समाज ऐसी पार्टियों का समर्थन करेगा जो राईन, पसमांदा को हिस्सा देगी। अन्यथा हमारा समाज आगामी बिहार विधानसभा चुनाव में जहां भी समाज की आबादी 30 हजार से ऊपर होगी, वहां अपना उम्मीदवार खड़ा करेगा और उसे जिताने के लिए संगठन पूरी ताकत लगा देगा। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में ऑल इंडिया जमीयत-उल-रईन के महासचिव मुहम्मद शकील राईन, मुहम्मद राशिद, मुहम्मद मुश्ताक राईन, मुहम्मद अख्तर राईन, इंजीनियर नईम राईन और कई अन्य लोगों ने भाग लिया।

'जब तहजीब की पेशानी राख होने लगे एक अदबी इंकलाब की पुकार

जौवाद हसन
(स्वतंत्र पत्रकार)

- विरोध एक हक है, और हक अदा करना इबादत है।
- मगर जब इबादत में हुजूम का शोर घुल जाए, और हक की सदा में आग का अलाव सुलगने लगे झ तो फिर दुआ नहीं, बद्दुआ बरसने लगती है।
- हक तलवार नहीं, तहरीर मांगता है।
- इख्तिलाफ पत्थर से नहीं, इल्म से पेश किया जाता है।
- मुर्शिदाबाद की वो सड़के जो कभी तहजीब की सैरगाह हुआ करती थीं, आज लपटों से पूछ रही हैं झ
- क्या मेरा कुसूर सिर्फ.इतना था कि मैंने तुम्हारे कदमों को सहारा दिया?
- भाइयों, बेटों, रहनुमाओं झ हम इस वक़्त एक ऐसे मोड़ पर खड़े हैं जहां हमारी एक लरजती चीख, मुल्क के दूसरे कोने में किसी मासूम की कब्र खोद सकती है।
- हमारी एक जलती हुई सड़क, किसी बेगुनाह के घर को मलबा बना सकती है। हमारी एक गलती, किसी काबिल नौजवान के लिए रोजगार के दरवाजे बंद कर सकती है।
- हुकूमत को आपके सवालों से डर नहीं लगता झ वो आपकी बेवकूफि यों से फायदा उठाती है। आपकी एक तस्वीर झ जिसमें आप पत्थर उठाए खड़े हैं झ उन्हें वो सबूत दे देती है जिसकी उन्हें तलाश होती है।
- एक ट्वीट, एक वीडियो, एक झूठी रिपोर्ट झ और फिर FIR, गिरफ़्तारी, मुनाफि क ी का ठप्पा और पूरी मिल्लत सवालों के घेरे में।
- क्या आप भूल गए कि जब आप चिल्लाते हैं,तो कैमरे आपका मकसद नहीं, सिर्फ.आपकी चीख दिखाते हैं? जब आप मार्च करते हैं,
- तो अखबार आपके दर्द को नहीं, आपके कदमों की आवाज को 'उपद्रव' कहकर छापते हैं ।जब आप सड़कों पर आते हैं,
- तो अदालतें नहीं, एंकर चीखते हैं झ
- देखिए, यही हैं वो जो अमन के दुश्मन हैं...₹
- मगर आप दुश्मन नहीं हैं झ आप वो लोग हैं जिनके बुजुर्गों ने इस जमीन को दुआओं से सींचा है।
- आप वो हैं जिन्होंने मस्जिदों से पहले मदरसे बनाए,
- ताकि कलम पहले चले, तलवार बाद में ।आपकी तहजीब में ताज नहीं, तकवा था ।आपकी पहचान में चीख नहीं, चिराग था ।तो फिर आज आप किसके कहने पर अपनी ही मिट्टी को जलाने पर आमादा हैं?
- हमें सड़कों पर जरूर निकलना है,
- मगर नफरत के नारे लेकर नहीं झ मोहब्बत के इरादे लेकर। हमें विरोध जरूर करना है,मगर वो विरोध ऐसा हो कि जब कोई हमें सुने, तो अपना सर झुका ले –क्योंकि हमारे अल्फाज में तल्खी नहीं, तामीर हो ।आज वक़्फ की जमीनें हमारी मुंतज़िर हैं
- मगर उन्हें बचाने के लिए हमें अपनी तहजीब की छत को गिरवी नहीं रखना ।आज हमारी मीरास पर दस्तक है झ
- मगर दरवाजा खोलने से पहले हमें देखना होगा कि कौन दस्तक दे रहा है हमारा जमीर या हमारा गुस्सा?
- भाइयों,जब तक हमारी आवाज में इल्म नहीं होगा,
- हमारा विरोध सिर्फ.भीड़ रहेगा ।जब तक हमारे रवैये में सलीका नहीं होगा, हमारी बात सिर्फ.बवाल समझी जाएगी ।और जब तक हम अपने इख्तिलाफ को अदब की जुबान में नहीं ढालेंगे,
- हमारी नाराजगी सिर्फ.एक ₹खतरा₹ मानी जाएगी।
- आज हमसे ज्यादा ज़िम्मेदारी उस बच्चे पर हैजो दूर कहीं किसी उर्दू स्कूल में अलिफ, बे, ते सीख रहा है झ क्योंकि हमारी एक गलती, उसकी पूरी ज़िंदगी का नक़्शा बदल सकती है।
- इसलिए उठिए,मगर रौशनी लेकर झ क्योंकि अंधेरे में लड़ने वाला सिर्फ.रास्ता नहीं खोता, अपना चेहरा भी गुम कर देता है ।चलिए,मगर उस सलीके से कि हम जब बोलें तो जमाना थम जाए, जब चलें तो तारीख भी अपना रास्ता मोड़ ले।
- हम वो लोग हैं जिनके खिलाफ साज़िशें हैं झ मगर हमारे पास दुआएं हैं ।हम वो लोग हैं जिनपर ताले लगाए जा रहे हैं झ मगर हमारे पास चाबियां हैं ।हम वो लोग हैं जिनकी सूरतें मिट्टी में सनी जा रही हैं मगर हमारी सीरत अब भी सितारों से बात करती है।
- तो आइए,इस बार विरोध ऐसा हो जो इतिहास की किताबों में मिसाल बन जाए,न कि चार्जशीट में सबूत।
- हम शोर से नहीं, शऊर से लड़ेंगे ।हम आग से नहीं, आवाज से जीतेंगे ।हम गुस्से से नहीं, गरिमा से सच्चाई को ज़िंदा रखेंगे क्योंकि हम वो हैं, जिन्होंने तहजीब को विरासत की तरह संभाला है और अब वक्त है कि हम उसे विरासत की तरह आगे बढ़ाएं।

तेजस्वी का अति पिछड़ा-दलित प्रेम का हुआ पदार्फाश- डॉ भीम सिंह

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना/ 15 4 25: बिहार भाजपा उपाध्यक्ष राज्यसभा सांसद डॉ भीम सिंह ने राजद नेता तेजस्वी यादव पर अत्यंत पिछड़ी तथा अनुसूचित जातियों के नेताओं को कमतर समझने का आरोप लगाया है. उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव आज दिल्ली में कॉंग्रेस नेता राहुल गांधी तथा खडगै से मिलने गए. वे अपने साथ संजय यादव और मनोज झा को लेकर गए. उन्होंने किसी अत्यंत पिछड़ी या अनुसूचित जाति के नेता को इस उच्च स्तरीय बैठक में ले जाने के लायक नहीं समझा. इससे स्पष्ट होता है कि उनके द्वारा अत्यंत पिछड़ी या दलित जातियों के लिए मन में कोई सम्मान का भाव नहीं है. डॉ सिंह ने कहा कि लालू जी अत्यंत पिछड़ी

तेजस्वी यादव आज दिल्ली में कॉंग्रेस नेता राहुल गांधी तथा खडगे से मिलने गए. वे अपने साथ संजय यादव और मनोज झा को लेकर गए. उन्होंने किसी अत्यंत पिछड़ी या अनुसूचित जाति के नेता को इस उच्च स्तरीय बैठक में ले जाने के लायक नहीं समझा

जातियों की खिल्ली उड़ाते हुए कहा करतेथे ' अत्यंत पिछड़ा किस चिड़िया का नाम है'. तेजस्वी ने अपने आचरण से सिद्ध कर दिया है कि]-२ के मामले में वे अपने पिता के नक्शे कदम पर चल रहे हैं, जो अत्यंत निंदनीय है

बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर विचार गोष्ठी का आयोजन

प्रखंड संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
अब्दुल कादिर

ताजपुर / समस्तीपुर : - - - जिले के ताजपुर नगर परिषद क्षेत्र के डॉ0 लोहिया कपूर्री विश्वेश्वर दास महाविद्यालय में आज दिनांक 15.04.2025 को बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया।जिसकी अध्यक्षता माननीय प्राचार्य डॉ. प्रभात रंजन 'कर्ण' ने किया। कार्यक्रम का संचालन सुश्री कामिनी भारती ने किया।

मौके पर वक्ताओं ने अंबेडकर जी के जीवन दर्शन को रेखांकित किया, और विद्यार्थियों को उनका अनुकरण करने के लिए प्रोत्साहित किया। अंबेडकर जी ने गरीब, दलित, किसान और स्त्रियों के हक अधिकार की बात की ।इस कार्यक्रम में सम्मानित शिक्षक डॉ. जगदीश प्रसाद वैश्यंत्री ,डॉ. विनीता कुमारी, श्री निशिकांत जायसवाल, श्री,

, डॉ. राशदा अमजदी, डॉ.हरिमोहन प्रसाद, डॉ . अखिलेश कुमार, डॉ.कुमारी सुषमा सरोज, डॉ शशि प्रभा, डॉ. सुलेखा, डॉ. दुर्गा पटवा, डॉ. शहनाज आरा, डॉ. कल्पना कुमारी, डॉ ज्ञानवती झा, और डॉ.हुस्न आरा, आदि मौजूद रहें। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों में रवि कुमार, गौरव कुमार प्रतिभा कुमारी, हादी इकबाल , विश्वनाथ कुमार, आयुष राज, प्रियशी कुमारी, सुरभि कुमारी, नदीमुर रहमान, और सुमित कुमार आदि ने अपना वक्तव्य दिया ।साथ ही बड़ी संख्या में शिक्षकेत्तर कर्मी एवं विद्यार्थी भी मौजूद रहे।

रेवंत रेड्डी का आरोप,

अभियान चला रही भाजपा और बीआरएस

प्रखंड संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

कांग्रेस सरकार के खिलाफ जहरीला मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने मंगलवार को भाजपा और बीआरएस पर आरोप लगाया कि वे मिलकर एचसीयू भूमि मुद्दे को लेकर तेलंगाना में कांग्रेस सरकार के खिलाफ जहरीला अभियान चला रहे हैं।सीएलपी की बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि विपक्ष एचसीयू की जमीनों पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल कर झूठा अभियान चला रहा है।यहां तक ??कि प्रधानमंत्री मोदी भी इस अभियान पर यकीन करते हैं और कहते हैं कि बुलडोजर भेजे जा रहे हैं रेवंत रेड्डी ने कहा कि विपक्ष ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल करके एचसीयू की जमीन पर झूठा प्रचार किया।विपक्ष के अभियान को सच मानते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने भी बुलडोजर चला दिया।भाजपा और बीआरएस मिलकर जनता की सरकार के खिलाफ जहरीला अभियान चला रहे हैं। पार्टी और सरकार की प्रतिष्ठा बढ़ेगी तभी हमारा भविष्य अच्छा होगा। उन्होंने कहा कि कल तक बंडी संजय कुमार और जी किशन रेड्डी हमारी सरकार की आलोचना करते थे। अब प्रधानमंत्री मोदी भी मैदान में उतर आए हैं।

रेड्डी ने दावा किया कि तेलंगाना में लोगों की सरकार द्वारा कई बड़ी योजनाएं शुरू करने के बाद मोदी को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अनुसूचित जाति का वर्गीकरण मोदी के लिए एक बड़ी बाधा बन गया है। तेलंगाना के विकास मॉडल पर पूरे देश में बड़ी बहस हो रही है। यही वजह है कि बीजेपी और बीआरएस ने मिलकर तेलंगाना में कांग्रेस सरकार के लिए मुश्किलें खड़ी कर दी हैं रेवंत रेड्डी ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा लागू की गई कल्याणकारी योजनाओं को लोगों तक पहुंचाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, हमारी सरकार ने कुछ समस्याओं का स्थायी समाधान दिखाया है, जिनका समाधान कई सालों से नहीं हो पाया था।

दो दिवसीय अखंड अष्टयाम का हवन पूजन और शोभायात्रा से समापन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक के गोला मंडी अवस्थित प्राचीन महावीर मंदिर में आयोजित दो दिवसीय अखंड अष्टयाम का हवन पूजन और भव्य शोभायात्रा से समापन किया गया। जिसमें बिहार सरकार के पूर्व पर्यटन विभाग के मंत्री नारायण प्रसाद शामिल हुए और पूजा अर्चना किए। महावीर मंदिर में आयोजित दो दिवसीय अखंड अष्टयाम में आचार्य काशी नाथ तिवारी ने यजमान पवन कुमार और धर्मपत्नी प्रियंका देवी की मौजूदगी में विधि विधान से पूजा-अर्चना कर दो दिवसीय अखंड अष्टयाम का शुभारंभ कराया। अखंड अष्टयाम में संत नारद बाबा भी पहुंचे। वहीं मौके पर भाजपा मंडल अध्यक्ष दुर्गेश कुमार गुप्ता, रामबालक साह, श्री कांत साह , प्रहलाद प्रसाद, उमाशंकर प्रसाद, लाल साहेब, मथुरा प्रसाद, बच्चा लाल प्रसाद, रोहित कुमार, पुलकित कुमार समेत अन्य मौजूद रहें ।इस कार्यक्रम के तहत मंदिर परिसर में भक्तों ने 24 घंटे लगातार हरे रामा हरे कृष्णा के मंत्र का जाप किया। इस दौरान हवन के बाद रोजाना विशाल भंडारे का आयोजन भी हुआ। वहीं भगवान राम की झांकी का नगर भ्रमण भी निकाला गया।

24 को मधुबनी आयेंगे प्रधानमंत्री, समस्तीपुर से मधुबनी दस हजार जदयू कार्यकर्ता जाएंगे,

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। केंद्रीय पंचायती राज एवं केंद्रीय मत्स्यपालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने कहा कि आगामी 24 अप्रैल 2025 को पंचायती राज दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मधुबनी में आगमन होने जा रहा है। जनसभा की तैयारियों को लेकर समस्तीपुर के जननायक कपूर्री सभागार में एनडीए द्वारा आयोजित बैठक में शामिल हुए। इस अवसर पर उपस्थित एनडीए साथियों से अपील किया कि वे अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचकर उन्हें इस ऐतिहासिक जनसभा में भाग लेने का अपील किया गया। जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष सह राज्यसभा सांसद संजय कुमार झा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की आगामी 24 अप्रैल को झंझारपुर (मधुबनी) में होने वाली विशाल जनसभा की तैयारियों को लेकर एनडीए कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित किया तथा बूथ स्तर तक व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाकर अधिक से अधिक संख्या में लोगों को जनसभा में पहुंचने के लिए आमंत्रित करने का आह्वान किया। केंद्रीय राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि 24 अप्रैल को मधुबनी में आयोजित प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का ऐतिहासिक कार्यक्रम होगा और समस्तीपुर से अधिक से अधिक एनडीए कार्यकर्ता की भागीदारी सुनिश्चित होगी। समस्तीपुर सांसद शांभवी चौधरी ने कहा कि समस्तीपुर लोकसभा क्षेत्र से एनडीए कार्यकर्ता साथी की मजबूत उपस्थित होगी। इस अवसर पर जिला के प्रभारी मंत्री श्रवण कुमार, केंद्रीय राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर, मंत्री एवं कार्यक्रम प्रभारी नितीन नवीन, मंत्री अशोक चौधरी, मंत्री महेश्वर हजारी, जदयू के महासचिव सह मुख्यालय प्रभारी चंदन सिंह, विधायक विरेन्द्र पासवान, राजेश सिंह, विधान पार्षद डॉ तरुण चौधरी, देवेश कुमार आदि ने भी संबोधित किया। इस बैठक की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष नीलम सहनी ने किया एवं संचालन जदयू जिलाध्यक्ष डॉ दुर्गेश राय ने किया। धन्यवाद ज्ञापन संयुक्त रूप से हम जिला अध्यक्ष धीरज ठाकुर एवं रालोमो जिला अध्यक्ष विनोद चौधरी ने किया। इस अवसर पुर्व सांसद अश्वमेघ देवी, पुर्व विधायक शील राय, मंजू कुमारी, राजकुमार राय, विद्यासागर सिंह निषाद, उपेंद्र कुशवाहा, राम सुमिरन सिंह, प्रो तकी अख्तर, सुबोध सिंह, दीपक मंडल, संतोष कुमार सह, शिव शंकर महतो, अब्दुस समद खां, अफजाल अहमद उर्फ उजाले, मो तौहीद अंसारी उर्फ नन्हें, संजीत कुमार कुशवाहा आदि मौजूद थे।

आईओसीएल के सीएसआर निधि से महराजगंज 5 पंप का होगा अधिष्ठापन

वरिष्ठ संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
शकील हैदर

- माननीय सांसद महराजगंज की उपस्थिति में एमओयू पर हुआ हस्ताक्षर

इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, उत्तर प्रदेश लघु उद्योग लिमिटेड और जिला प्रशासन सारण के बीच मंगलवार को एक एमओयू साइन हुआ. इसके तहत महाराजगंज लोकसभा क्षेत्र के तहत सारण में अवस्थित विभिन्न विधानसभा क्षेत्र में 280 हैंडपंप स्थापित किया जाएगा. इसकी जानकारी देते हुए महाराजगंज सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल ने कहा कि इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन ने आम लोगों के हित में शानदार पहल करते हुए चापाकल अधिस्थापित करने का निर्णय लिया है. इसमें सहयोग करने वाले तीनों संस्था धन्यवाद के पात्र है. उन्होंने महाराजगंज लोकसभा क्षेत्र में किए जा रहे विकास कार्यों की भी चर्चा करते हुए कहा कि केंद्र सरकार लगातार विकास योजनाओं को अमली जामा पहना रही है. आइओसीएल जैसी संस्था आगे बढ़ चढ़कर काफी मदद कर रही है. महाराजगंज लोकसभा के सारण क्षेत्र में 280 हैंडपंप स्थापित करने के लिए आइओसीएल लगभग 295 लाख रुपए खर्च करेगा. इससे आम जनता को काफी लाभ होगा.

एमओयू पर इनका हुआ हस्ताक्षर

इस समझौते पर इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन इंडिया लिमिटेड एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर सह स्टेट हेड बिहार झारखंड संजीव कुमार चौधरी, उत्तर प्रदेश लघु उद्योग लिमिटेड के एरिया मैनेजर संजय बत्रा और सारण जिला प्रशासन की ओर से लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग के कार्यपालक अभियंता के प्रतिनिधि के रूप में एसडीओ निखिल कुमार ने हस्ताक्षर किया. इस योजना का क्रियान्वयन उत्तरप्रदेश लघु उद्योग निगम द्वारा किया जायेगा। अधिष्ठापन के बाद इसका रखरखाव पीएचईडी द्वारा किया जायेगा। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त सारण यतेंद्र कुमार पाल आइओसीएल के जनरल मैनेजर कमलेश राय, नजारत उपसमाहर्त्ता रवि प्रकाश, वरीय उपसमाहर्त्ता मिंटू चौधरी समेत तीनों संस्थानों के एक दर्जन से अधिक अधिकारी उपस्थित थे.

बाइक दुर्घटना में घायल दर्जी की इलाज में मौत, परिजनों में छाया मातम

मृतक चांद कुदरिया गांव के वार्ड 10 निवासी स्व सुकुर मियां का 35 वर्षीय पुत्र जैनुद्दीन हैं

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक प्रखंड क्षेत्र के चांद कुदरिया पंचायत के चांद कुदरिया गांव के कपड़े सीने वाले दर्जी की बाइक दुर्घटना में घायल हालत में इलाज के दौरान गोरखपुर में मौत हो गई। मृतक चांद कुदरिया गांव के वार्ड 10 निवासी स्व सुकुर मियां का 35 वर्षीय पुत्र जैनुद्दीन हैं। शव पोस्टमार्टम के बाद गांव लाया गया जहां परिजनों के चित्कार से गांव का माहौल गमगीन हो गया।मृतक परिवार का कमाऊ सदस्य हैं वहीं उसको दो लड़की और एक लड़का हैं। बच्चों समेत पत्नी का रो रो कर बुरा हाल है। पूर्व उप प्रमुख साहेब हुसैन उर्फ टुनटुन ने बताया कि मृतक गोपालगंज जिले के बैकुंठपुर थाना क्षेत्र के दिघवा दुबौली बाजार में कपड़े सीने का दर्जी का काम करता था वहीं से काम समाप्त कर बाइक से वापस लौट रहा था कि पकड़ी मोड़ पर अनियंत्रित अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गए इलाज के लिए बैकुंठपुर सरकारी अस्पताल से गोरखपुर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां इलाज के दौरान मौत हो गई।

अनुसूचित जाति/ जनजाति के कल्याण हेतु चलाई जा योजनाओं संबंधित बीडीओ ने की बैठक

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सरकार द्वारा चलाई जा रही अनुसूचित जाति/ जनजाति कल्याण योजनाओं से लाभान्वित कराने हेतु बीडीओ ने की बैठक

प्रखण्ड के स्थानीय प्रशिक्षण केंद्र के सभा कक्ष में मंगलवार को बीडीओ राहुल कुमार की अध्यक्षता में बैठक हुई. बैठक में सभी पंचायतों के विकास मित्र,पंचायत सचिव,कृषि सलाहकार, स्वास्थ्य कर्मी, आवास सहायक,आंगनबाड़ी कर्मी, मनरेगा कर्मी के अतिरिक्त प्रखंड में चल रहे अन्य सभी विभाग के कर्मियों ने भाग लियाऔ. बैठक को संबोधित करते हुए बीडीओ ने सभी कर्मियों को निदेश दिया कि बिहार सरकार अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग द्वारा संचालित बिहार महादलित विकास मिशन की ओर से निर्देश प्राप्त हुआ है कि प्रखण्ड के सभी अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जन जाति टोले में विशेष शिविर का आयोजन कर सरकार द्वारा संचालित सभी योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान किया जाय. वहीं सरकार द्वारा संचालित की जा रही योजनाओं से किसी भी सेवा से वंचित महादलित समुदाय के लोगों को इसका लाभ पहुंचाकर उन्हें समाज के मुख्यधारा में जोड़ने का कार्य शीघ्र कराना है. बीडीओ राहुल ने कहा कि बिहार सरकार द्वारा अनुसूचित जाति/ जनजाति के लोगों के लिए शिक्षा,रोजगार,नौकरी पेशा,लड़कियों के उत्थान के लिए योजनायें, पेंशन सहित अनेकों योजनाओं से लाभान्वित कराने के लिए विशेष अभियान के द्वारा उन्हें विस्तार से जानकारी देनी है.इस अवसर पर पीओ अरविंद चंद दास, कल्याण पदाधिकारी, आवास सुपरवाइजर रवि कुमार सिंह,जीविका बीपीएम अमित कुमार चौधरी,प्रधान लिपिक सुनील कुमार, स्वास्थ्य मैनेजर एशरारुल हक के सहित विकास मित्र एवं अन्य कर्मी शामिल थे.

बसंतपुर गांव में रामचरित मानस महायज्ञ की तैयारी मुकम्मल, 17 को निकाला जाएगा कलश शोभा यात्रा

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के खानपुर प्रखंड के शोभन पंचायत के बसंतपुर गांव में रामचरित मानस महायज्ञ की तैयारी अंतिम चरण पर है। इसे लेकर इलाके में उत्सवी माहौल बना हुआ है। प्रदेश से भी लोग महायज्ञ में शामिल होने के लिए आ रहे हैं। यज्ञ मंडप तैयार हो चुका है। कथा पंडाल निर्माण अंतिम चरण में है। बताया जाता है कि खानपुर प्रखंड क्षेत्र में पहली बार इस तरह का भव्य आयोजन हो रहा है। इसमें अयोध्या के संत जगतगुरु राघवाचार्य जी महाराज रामकथा सुनाएंगे। मुख्य सड़क पर दर्जनों तोरण द्वार बनाए गये हैं। 11 दिवसीय महायज्ञ का शुभारंभ 17 अप्रैल को कलश स्थापना के साथ होगा। अयोध्या के हनुमान गढ़ी के संत आचार्य भरत दास जी महाराज इस महायज्ञ के अध्यक्ष हैं। भक्तों के लिए आवासन, भोजन, पानी और शौचालय की बेहतर व्यवस्था की गई है। मुख्य आयोजक बसंतपुर गांव निवासी समाजसेवी सह व्यवसायी शिव शंकर झा ने बताया कि वृंदावन, मथुरा एवं अयोध्या से चर्चित रामलीला कलाकार एवं संत पधार रहे हैं। भाजपा नेता शशिकांत झा चुनचुन ने बताया कि कथा के लिए करीब एक लाख वर्ग फीट में पंडाल निर्माण अयोध्या के संत जगतगुरु राघवाचार्य जी महाराज सुनाएंगे रामकथा सुनने के लिए दूर-दूर से आएंगे लोग। उन्होंने बताया कि बच्चों के मनोरंजन की भी व्यवस्था की गई है। इतना ही नहीं सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किए जा रहे हैं। टेंट पंडाल, यज्ञ मंडप, स्टेज आदि का का काम पूरा हो गया है। मूर्ति बनाने के लिए राज्य के प्रसिद्ध मूर्ति कलाकार जुटे हैं। उन्होंने बताया कि मूर्ति भी बनकर तैयार हो चुका है। शिव शंकर झा ने बताया कि स्नान करने लिए पुरुष और महिलाओं के लिए अलग अलग व्यवस्था की गई है तथा कपड़ा बदलने के लिए रुम भी बनाया गया है। श्री झा ने बताया कि राम कथा में शामिल होने से पूर्व श्रोता अपने साथ पानी जरूर रखें।

सोनपुर के भरपुरा शिव मंदिर में आयोजित जिला विचार गोष्ठी में बोले तरुण चुग —

बाबा साहेब को अपमानित करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा, मोदी जी के नेतृत्व में बनेगा शिक्षित और विकसित भारत

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

तरुण चुग ने आगे कहा, कांग्रेस ने जहां काका कालेलकर रिपोर्ट को ठुकराया और मंडल आयोग की सिफारिशों को दबाया, वहीं प्रधानमंत्री मोदी ने पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा देकर, SC/ST वर्ग को सशक्त बनाने का कार्य किया।

छपरा/सोनपुर, भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुग ने आज सोनपुर के भरपुरा स्थित शिव मंदिर में आयोजित बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर सम्मान अभियान के अंतर्गत जिला स्तरीय विचार गोष्ठी को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने कांग्रेस और कठ.ऊक गठबंधन पर जमकर निशाना साधते हुए कहा कि आज जो लोग संविधान की प्रति जेब में रखकर घूम रहे हैं, उनके पूर्वजों ने ही सबसे ज्यादा संविधान का अपमान किया है। चुग ने कहा, ह्लबाबा साहेब डॉ. अंबेडकर एक दूरद्दष्टा और युगद्रष्टा नेता थे जिन्होंने यह सुनिश्चित किया कि भारत का हर नागरिक समानता और गरिमा के साथ जीवन जी सके। परंतु, दुर्भाग्यपूर्ण है कि जीवित रहते हुए और मृत्यु के बाद भी उन्हें कांग्रेस की नेहरू-गांधी परिवार ने लगातार अपमानित किया। चार पीढ़ियों तक बाबा साहेब के साथ अन्याय हुआ और उन्हें संविधान सभा में आने से रोकने का हर संभव प्रयास किया गया। उन्हें संविधान सभा में स्थान दिलवाने का कार्य तब की हिन्दू महासभा ने किया।

उन्होंने सवाल किया कि ह्लआखिर ऐसा क्यों हुआ कि संविधान लागू होने के 40 वर्षों बाद तक बाबा साहेब को भारत रत्न नहीं मिला? यह सम्मान उन्हें तब मिला जब केंद्र में कांग्रेस नहीं, बल्कि भाजपा समर्थित सरकार थी। भाजपा के प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी ही थे जिन्होंने बाबा साहेब के चित्र को संसद की गैलरी में स्थान दिलवाया।तरुण चुग ने राहुल गांधी, तेजस्वी यादव और कठ.ऊकगठबंधन के नेताओं पर तंज कसते हुए कहा कि ह्लआज जो नेता बार-बार चुनाव हार चुके हैं, वे संविधान की बात करते हैं, जबकि उनके ही पूर्वजों ने संविधान और लोकतंत्र को बार-बार धोखा दिया है। पंडित नेहरू ने खुद सभी मुख्यमंत्रियों को पत्र लिखकर बाबा साहेब द्वारा दिए गए आरक्षण का विरोध किया था, राजीव गांधी ने संसद के पटल पर डइउ आरक्षण का विरोध किया और राहुल गांधी तो विदेश जाकर आरक्षण खत्म करने की बात करते हैं।उन्होंने कहा, ह्लइन सबके बीच केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार ने बाबा साहेब के सपनों को साकार करने के लिए रात-दिन परिश्रम किया है। गरीबों, महिलाओं, युवाओं और किसानों के लिए मोदी सरकार की योजनाएं आत्मनिर्भर और विकसित भारत का निर्माण कर रही हैं। बाबा साहेब ने जिस अनुच्छेद 370 को हटाने की मांग की थी, उसे प्रधानमंत्री मोदी ने समाप्त कर इतिहास रच दिया। जिस बाबा साहेब के अंतिम संस्कार के लिए कांग्रेस ने चार गज जमीन नहीं दी, उनके जीवन के पांच महत्वपूर्ण स्थलों को पंचतीर्थ बनाकर श्रद्धांजलि दी गई।तरुण चुग ने आगे कहा, ह्लकांग्रेस ने जहां काका कालेलकर रिपोर्ट को ठुकराया और मंडल आयोग की सिफारिशों को दबाया, वहीं प्रधानमंत्री मोदी ने पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा देकर, रउ/रळ वर्ग को सशक्त बनाने का कार्य किया।अपने संबोधन के अंत में तरुण चुग ने कहा, ह्लआइए आज इस पावन स्थल से हम यह संकल्प लें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हम बाबा साहेब के सपनों का भारत बनाएंगे – एक शिक्षित, विकसित और समावेशी भारत, ताकि जब बाबा साहेब हमें ऊपर से देखें तो मुस्कुरा सकें। और हम यह भी संकल्प लें कि जो लोग बाबा साहेब, उनके विचारों और भारत के पवित्र संविधान का अपमान करते हैं – उन्हें बख्शा नहीं जाएगा।

अहमद आरजू के मां का निधन जनाजे की नमाज दिन के 4 बजे चकमेहसी के जामा मस्जिद में अदा की जाएगी

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

युवा राजद नेता जकी अहमद आरजू के मां का निधन जनाजे की नमाज दिन के 4 बजे चकमेहसी के जामा मस्जिद में अदा की जाएगी लोगों से शिरकत की अपील,समस्तीपुर कल्याणपुर प्रखंड चकमेसी पंचायत के राजद युवा नेता जकी अहमद आरजू की मां का धड़कन बंद होने से मौत हो गई जिसकी जनाजे की नमाज आज चकमासी पंचायत के जामा मस्जिद के ग्राउंड में दिन के 4:00 अदा की जाएगी और चकमेसी के ही कब्रिस्तान में दफन किया जाएगा मौत की खबर सुनते ही आज पड़ोस के लोग राजनीतिक सामाजिक उबरते हुए सैलाब की तरह दर्शन करने जाकिर अहमद आरजू के घर पहुंचे और उन्हें दिलासा दिया वह कई दिनों से बीमार चल रही थी उन्होंने आखिरी सांस अपने घर में ही लिया।

सक्रिय पुलिसिंग के तहत सारण पुलिस की बड़ी कार्रवाई,

वरिष्ठ संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
शकील हैदर

दिनांक-14.04.25 को दिघवारा थाना को गुप्त गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि शीतलपुर बाजार के तरफ से 01 पिकअप आ रहा है जिसमें अवैध रूप से मवेशी का परिवहन किया जा रहा है। उक्त सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए कारगील चौक के पास सघन वाहन जाँच प्रारंभ किया। वाहन जाँच के क्रम में उक्त वाहन से अवैध रूप से परिवहन किये जा रहे 06 मवेशियों को बरामद कर 03 अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। इस संबंध में दिघवारा थाना कांड सं0-125/25, धारा-317 (5) बीएनएस एवं 119 (अ) (ऊ) (ए) (ऋ) (ऌ) पशु क्रूरता अधिनियम दर्ज कर गिरफ्तार अभियुक्त को न्यायिक हिरासत में भेजा गया है।

गिरफ्तार अभियुक्त का नाम एवं पता :-

1. राहुल कुमार, पिता-स्व० ताहिर खलीफा, साकिन बस्तीजलाल, थाना-दिघवारा, जिला-सारण।
2. अनवर खलीफा, पिता-इस्लाम खलीफा, साकिन-शेरपुर, थाना-गंगाब्रीज , जिला-वैशाली।
3. रफीक खान, पिता-बनारस खान, साकिन-गुरमिया, थाना-करताहा, जिला-वैशाली।

जप्त / बरामद सामानों की विवरणी :-

1. पिकअप-01 2. मवेशी-03

टीम में शामिल पुलिस पदाधिकारी एवं कर्मी :-

थानाध्यक्ष दिघवारा थाना एवं थाना के अन्य पदाधिकारी/कर्मी।

करंट लगने से बिजली मिस्त्री की मौत, परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के शिवाजीनगर में मंगलवार की सुबह एक बिजली मिस्त्री का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। इसकी खबर फैलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गयी। जिसके बाद स्थानीय लोगों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। घटना की सुचना पर पहुंची पुलिस ने इस स्थान को सुरक्षित कर जांच पड़ताल में जुट गई है। मृतक की पहचान परसा गांव के राजकुमार झा का 40 वर्षीय पुत्र संतोष कुमार झा के रूप में हुई है। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। परिवार के लोगों ने साजिश के तहत हत्या करने का आरोप लगाया है। इस संबंध में मृतक के चचेरे भाई मिंटू झा ने बताया कि देर शाम किसी ने बिजली ठीक करने के लिए फोन कर बुलाया था। जिसके बाद वह घर से निकले थे। देर होने पर फोन किया गया तो उनका मोबाइल बंद आया। जिससे घर के लोग रात भर परेशान रहे और फिर सुबह 7 बजे तक फोन लगाया तब भी कॉल नहीं लगा। जिसके बाद उनकी मां ने मुझे बताया कि संतोष रात भर घर नहीं लौटा है और उसका मोबाइल भी बंद मिल रहा है। इस दौरान गांव के लोगों से खबर मिली कि इजराहा चौर में एक शव पड़ा हुआ है। इसके बाद हमलोग जब मौके पर पहुंचे तो देखे कि वह संतोष का शव था। उसका बाइक और बिजली ठीक करने का सारा सामान और चप्पल पास में खड़ी बाइक पर रखा हुआ है। उनके भाई का कहना है कि साजिश के तहत उसकी हत्या कर शव को यहां लाकर फेंका गया है, क्योंकि अगर करंट लगने से इसकी मौत हुई होती तो इसके हाथ में दास्तान होना चाहिए था। पैर में पहनने वाला चप्पल होना चाहिए था, जबकि सारा सामान बाइक पर बैग में ही था। इधर शिवाजीनगर थाना अध्यक्ष छोटेलाल सिंह ने बताया कि घटना की सूचना पर पहुंची शिवाजीनगर थाने की पुलिस ने मृतक के शव को जब्त कर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा। पुलिस द्वारा हर बिन्दु पर मामले की छानबीन की जा रही है। उन्होंने बताया कि परिवार के लोगों ने हत्या की आशंका व्यक्त की है। शव को जब्त कर पोस्टमार्टम के लिए समस्तीपुर सदर अस्पताल भेजा गया है, ताकि यह स्पष्ट हो सके की मौत किस कारण से हुई है।

भारत रत्न बाबा साहेब डॉ भीमराव अम्बेडकर की 135 वीं जयंती मनाई गई

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

भाजपा युवा नेता श्याम सुन्दर पासवान के मौजूदगी में सोमवार को देशरत्न बाबा साहेब डॉ भीमराव अम्बेडकर की 135 वीं जयंती समारोह पूर्वक मनाई गई।

समस्तीपुर। जिले के हसनपुर प्रखंड के नयानगर पंचायत अंतर्गत मोहिउद्दीनपुर गांव के वार्ड संख्या 11 पासवान टोल समुदाय में भाजपा युवा नेता श्याम सुन्दर पासवान के मौजूदगी में सोमवार को देशरत्न बाबा साहेब डॉ भीमराव अम्बेडकर की 135 वीं जयंती समारोह पूर्वक मनाई गई। जयंती समारोह के दौरान ही शिक्षा के प्रति सामाजिक जागरूकता के लिए नन्हें मुन्ने बच्चों के बीच पठन पाठन का सामग्री एवं उपस्थित सबों के बीच मिठाई बांटी गई, बच्चों के प्रोत्साहन एवं बेहतर भविष्य के लिए प्रेरणा के श्रोत बाबा साहब की जीवनी के साथ साथ सामाजिक अनुशासन के प्रति विशेष बल दिया गया। मौके पर रंधीर गुप्ता, चन्दन कुमार उर्फ चंदू भाई, लक्ष्मण पासवान, राजन कुमार, व्यासदेव पासवान, राजा रजक, राजू रजक, सुमित कुमार, नीलमणि पासवान, माधव कुमार पासवान, श्रीराम पासवान, रजनीश कुमार, गोविन्द कुमार, गौतम रजक समेत अन्य सबों ने बाबा साहेब डॉ भीमराव अम्बेडकर के तैल चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया

पूर्व मंत्री शाहिद अली खान की पत्नी शमां अली खान ने सुरसंड विधानसभा क्षेत्र का किया भ्रमण

सरकार की नीतियों से गरीबों को राहत मिली है : शमां अली खान

वरिष्ठ संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो अरमान अली

सीतामढ़ी । बिहार सरकार के पूर्व मंत्री शाहिद अली खान की पत्नी एवं समाजसेवी शमां अली खान, पुत्री व जदयू नेत्री डॉ इकरा अली खान ने सुरसंड विधानसभा क्षेत्र का दौरा किया। भ्रमण के दौरान शमां अली व डॉ इकरा ने विभिन्न पंचायतों और गांवों में सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा की। इस दौरान शमां अली खान ने कहा कि सरकार द्वारा चलाई जा रही विकास योजनाओं का लाभ अब गांव-गांव तक पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि स्थानीय जनता ने बताया प्रधानमंत्री आवास, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत और नल-जल योजना का लाभ मिलने की बात कही। उन्होंने कहा कि सरकार की नीतियों से गरीबों को राहत मिली है। सुरसंड, मलाही पंचायत, विरख गांव सहित अन्य गांवों का भ्रमण किया। जनता ने गर्मजोशी से उनका स्वागत किया और केंद्र व राज्य सरकार की सराहना की। शमां अली खान ने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी सुविधाओं में निरंतर सुधार हो रहा है। उन्होंने कहा महिलाओं ने बताया कि सरकारी योजनाओं से उन्हें आत्मनिर्भर बनने में मदद मिली है। उन्होंने मुख्यमंत्री द्वारा चलाए जा रहे हर घर नल का जल योजना की विशेष सराहना की।डॉ इकरा ने कहा कि सरकार की सोच अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुँचाने की है। युवाओं के लिए चल रहे कौशल विकास कार्यक्रमों को उन्होंने उपयोगी बताया। भ्रमण के दौरान उन्होंने कहा कि योजनाओं का प्रभाव धरातल पर दिख रहा है।

व्यापारियों और आम लोगों ने बिजली, सड़क और जनसेवा केंद्रों की बेहतर स्थिति बताई। शमां अली व डॉ इकरा ने जनता से संवाद करते हुए सुझाव भी आमंत्रित किए। उन्होंने कहा कि जनभागीदारी से ही सरकार की योजनाएँ और सफल होंगी।

राष्ट्रीय जनता दल ने बिस्फी प्रखंड में मनाई डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

राष्ट्रीय जनता दल बिस्फी प्रखंड में मनाई गई डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जयंतीराष्ट्रीय जनता के दल कार्यकर्ता ने मनाई संविधान निमार्ता बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर शक्ति वाद कार्यक्रम का आयोजन हुआ कार्यक्रम में युवा राजद नेता आरिफ जिलानी अंबर ,ने बाबा साहब डॉ. भीम राव अंबेडकर जयंती धूमधाम से मनाई गई इस अवसर पर

डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर विस्तार से प्रकाश डाला एवं उनके मूल मंत्र को सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने बताया इस अवसर पर युवा नेता को मिथिला के परंपरागत पाक दुपट्टा देकर सम्मानित भी किया गया इस अफसर फ्रॉम चांद उस्मानी मोहम्मद मोहिउद्दीन, रामकुमार सुबोध कुमार शशि यादव, ने बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं आमजन उपस्थित थे

दरभंगा समसामयिक आवश्यकताओं के अनुरूप मानक पाठ्यक्रम पुस्तकों की तत्काल आवश्यकता प्रोफेसर मुश्ताक

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

- दरभंगा सीएम कॉलेज, में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के पाठ्यक्रम पर आधारित पुस्तक का विमोचन)

दरभंगा 15 अप्रैलशिक्षा एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें हर नई किरण एक नई चुनौती लेकर आती है और यदि शिक्षा क्षेत्र से जुड़े शिक्षकों में इस चुनौती से निपटने की क्षमता हो तो वे किसी भी प्रतियोगिता में सफल हो सकते हैं और समसामयिक आवश्यकताओं के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण पाठ्यपुस्तकों का प्रकाशन न केवल छात्रों को संतुष्ट करता है बल्कि पुस्तक के लेखक की पहचान भी मजबूत करता है। ये विचार सीएम कॉलेज, दरभंगा के प्रधानाचार्य प्रोफेसर मुश्ताक अहमद ने व्यक्त किये. प्रो. अहमद ने अपने कॉलेज के राजनीति विज्ञान विभाग के शिक्षक डॉ. आशीष कुमार बरियार की पुस्तक "भारत में संवैधानिक शासन और लोकतंत्र" के विमोचन के बाद सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार बीए सेमेस्टर द्वितीय मेजर एवं माइनर ग्रुप के विद्यार्थियों के लिए यह पुस्तक असाधारण महत्व की है। उन्होंने कहा कहा कि यह पुस्तक न केवल राजनीति विज्ञान के शिक्षकों और छात्रों के लिए उपयोगी है, बल्कि उन सभी के लिए भी उपयोगी है जो भारतीय संविधान के विषय में रुचि रखते हैं और बदलती परिस्थिति में भारतीय संविधान के महत्व को समझना चाहते हैं। अपने विचार व्यक्त करते हुए इस अवसर पर पुस्तक के लेखक डॉ आशीष बरियार ने कहा कि चूंकि हिंदी माध्यम के छात्रों के लिए इस विषय पर कोई पुस्तक नहीं थी और यूजीसी के सीबीसीएस पाठ्यक्रम के अनुसार एक पुस्तक की सख्त आवश्यकता थी, इसलिए एक साल की कड़ी मेहनत के बाद यह पुस्तक प्रकाशित हुई है और अब हमारे छात्र इसे आसानी से उपयोग कर सकेंगे।

खंगरैठा चौक पर मनाई गईडॉक्टर भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

राष्ट्रीय जनता दल बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ के तत्वाधान में बिस्फी प्रखंड स्थित नाहस खंगरैठा चौक पर मनाई गईडॉक्टर भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती

राष्ट्रीय जनता दल बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ के तत्वाधान में बिस्फी प्रखंड स्थित नाहस खंगरैठा चौक पर मनाई गईडॉक्टर भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती

राष्ट्रीय जनता दल बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ के तत्वाधान में बिस्फी प्रखंड स्थित नाहस खंगरैठा चौक पर मनाई गई संविधान निमार्ता बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर शक्ति वाद कार्यक्रम का आयोजन हुआ कार्यक्रम में बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ के अध्यक्ष विष्णु देव यादव, मोहम्मद आसिफ राष्ट्रीय जनता दल के सचिव, उप प्रमुख मोहम्मद इसराइल,मोहम्मद जसीम, विजय घोष,ने बाबा साहब डॉ. भीम राव अंबेडकर जयंती धूमधाम से मनाई गई इस अवसर पर कई कार्यकर्ता एवं आमजन बड़ी संख्या में उपस्थित थे

पैरों में चिप लगा दौड़ेंगे होमगार्ड अभ्यर्थी, सीना मापने के लिए मशीन; फिजिकल टेस्ट में बायोमेट्रिक डेटा भी बनेगा

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

बिहार में होमगार्ड के 15 हजार पदों पर चल रही बहाली के पहले चरण में ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया बुधवार (16 अप्रैल) को समाप्त हो जायेगी। इसके बाद आवेदन करने वाले सभी अभ्यर्थियों को दूसरे चरण की शारीरिक जांच परीक्षा से गुजरना होगा। इस बाबत जिलावार तैयारी चल रही है। इस बार बड़े पैमाने पर हो रही होमगार्ड बहाली में शारीरिक दक्षता की जांच को लेकर बायोमेट्रिक सहित अन्य अत्याधुनिक उपकरणों का भी इस्तेमाल होगा। दौड़ प्रतियोगिता के दौरान अभ्यर्थियों के पैरों में चिप लगाई जायेगी, ताकि सेकंड के अंतिम हिस्से की भी गणना हो सके।इससे अनियमितता की शिकायतों पर अंकुश लगेगा ही प्रतियोगिता की विश्वसनीयता भी बरकरार रहेगी। होमगार्ड एवं फायर सर्विसेज कार्यालय ने इस संबंध में जिलों को निर्देश दिए हैं। जानकारी के मुताबिक हर जिले में शारीरिक दक्षता परीक्षा के दौरान अभ्यर्थी का बायोमेट्रिक डेटा और फोटो लिया जायेगा। बायोमेट्रिक सत्यापन एवं फोटो प्रमाणीकरण मशीन की व्यवस्था की जा रही है। इवेंट की लाइव रिकॉर्डिंग को लेकर कार्यक्रम के निर्धारित स्थलों पर दर्जनों सीसीटीवी कैमरे लगेंगे।लंबाई और सीने की माप को लेकर भी ऑटोमेटेड मशीन लगेगी। वहीं, लंबी कूद और गोला फेंक की माप को लेकर लेजर आधारित डिजिटल मशीनों की व्यवस्था की जा रही है। विभाग के मुताबिक होमगार्ड बहाली को लेकर सभी अभ्यर्थियों को सबसे पहले दौड़ प्रतियोगिता से गुजरना होगा। उनको निर्धारित समय में दूरी तय करनी होगी। इसमें सफल अभ्यर्थियों के ही ऊंचाई व सीने की माप होगी।

पद के डेढ़ गुणा अभ्यर्थियों की मेधा सूची बनेगी

बिहार पुलिस के होमगार्ड विभाग के मुताबिक पद के डेढ़ गुणा अभ्यर्थियों की मेधा सूची तैयार होगी। मेधा सूची का निर्माण ऊंची कूद, लंबी कूद एवं गोला फेंक प्रतिस्पधाओं में मिलने वाले अंकों के आधार पर तैयार होगा। तीनों प्रतिस्पधाओं में पांच-पांच अंकों

सीएम फेस पर कोई कन्फ्यूजन नहीं, नीतीश ही अगले मुख्यमंत्री होंगे; बेटे निशांत कुमार का दावा

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

बिहार चुनाव में एनडीए के सीएम फेस को लेकर जारी चर्चा के बीच मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार ने साफ कर दिया है। पिता जी ही अगले मुख्यमंत्री होंगे। सीएम फेस को लेकर एनडीए में किसी तरह का कोई कन्फ्यूजन नहीं है। उन्होंने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह ने भी साफ कर दिया है, कि 2025 में नीतीश कुमार ही बिहार एनडीए के चेहरा होंगे। इसलिए इस पर कहीं कोई भ्रम की स्थिति नहीं रहनी चाहिए।मीडिया से बातचीत के दौरान 225 सीटें जीतने के एनडीए के दावे पर निशांत ने कहा कि एनडीए को बड़ी जीत मिलेगी, और 225 से ज्यादा सीटें जीतेंगे। हालांकि राजनीति में एंट्री के सवाल को निशांत टाल गए। वहीं नीतीश कुमार की सेहत को लेकर उठ रहे सवालों का जवाब देते हुए उन्होने कहा कि पिता जी की सेहत 100 फीसदी ठीक है। उनका स्वास्थ्य एकदम ठीक है। उन्होने बिहार की जनता से अपील करते हुए कहा, कि एनडीए को वर्ष 2010 से भी अधिक बहुमत से 2025 के चुनाव में जिताएं। नीतीश कुमार लगातार बिहार के विकास में लगे हैं।आपको बता दें हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के एक बयान पर बिहार बीजेपी को सफाई देनी पड़ी थी। जिसके बाद डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने कहा था कि सीएम नीतीश के नेतृत्व में ही चुनाव लड़ा जाएगा और अगले पांच साल तक सीएम नीतीश के नेतृत्व में ही एनडीए सरकार काम करेगी। वहीं बिहार बीजेपी के अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने ही नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही चुनाव लड़ने की बात कही थी। दरअसल हरियाणा सीएम नायब सैनी ने कहा था कि बिहार में सम्राट चौधरी के नेतृत्व में चुनाव लड़ा जायेगा।

रद्द की गयी 04 जोड़ी ट्रेनों का परिचालन पुनर्बहाल

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। रेलवे प्रशासन द्वारा कुसम्ही - गोरखपुर कैंट-गोरखपुर जंङ्ग डोमिनगढ़ तीसरी लाइन निर्माण परियोजना के अन्तर्गत गोरखपुर जंङ्ग गोरखपुर कैंट के मध्य तीसरी लाइन के प्रावधान एवं गोरखपुर जंङ्ग स्टेशन की यार्ड रिमॉडलिंग के परिप्रेक्ष्य में रद्द की गई निम्नलिखित 04 जोड़ी ट्रेनों का परिचालन पुनर्बहाल कर इन्हें परिवर्तित मार्ग अथवा उनके निर्धारित मार्ग से चलाया जाएगा। दरभंगा से 16 अप्रैल से 04 मई, 2025 तक खुलने वाली 15211 दरभंगा-अमृतसर एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग मुजफ्फरपुर - छपरा ग्रामीण - वाराणसी - सुलतानपुर- लखनऊ- रोजा के रास्ते चलाई जाएगी। अमृतसर से 18 अप्रैल से 04 मई, 2025 तक खुलने वाली 15212 अमृतसर - दरभंगा एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग रोजा - लखनऊ - सुलतानपुर- वाराणसी-छपरा ग्रामीण- मुजफ्फरपुर के रास्ते चलाई जाएगी। रक्सौल से 16 अप्रैल से 03 मई, 2025 तक खुलने वाली 15273 रक्सौल - आनन्द विहार टर्मिनस एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग सगौली - मुजफ्फरपुर - छपरा ग्रामीण - वाराणसी - सुलतानपुर - लखनऊ -रोजा के रास्ते चलाई जाएगी। आनन्द विहार टर्मिनस से 15 अप्रैल से 04 मई, 2025 तक खुलने वाली 15274 आनन्द विहार टर्मिनस - रक्सौल एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग रोजा - लखनऊ - सुलतानपुर - वाराणसी जंङ्ग छपरा ग्रामीण - मुजफ्फरपुर- सगौली के रास्ते चलाई जाएगी। सहरसा से 27 अप्रैल, 2025 को खुलने वाली 15531 सहरसा - अमृतसर एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग मुजफ्फरपुर - छपरा ग्रामीण - वाराणसी - सुलतानपुर - लखनऊ - रोजा के रास्ते चलाई जाएगी। अमृतसर से 28 अप्रैल, 2025 को खुलने वाली 15532 अमृतसर - सहरसा एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग रोजा - लखनऊ- सुलतानपुर - वाराणसी - छपरा ग्रामीण - मुजफ्फरपुर के रास्ते चलाई जाएगी। दरभंगा से 03 मई, 2025 को खुलने वाली 22551 दरभंगा - जलंधर सिटी एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग सीतामढ़ी - मुजफ्फरपुर - छपरा ग्रामीण - वाराणसी - सुलतानपुर - लखनऊ - रोजा के रास्ते चलाई जाएगी। जालंधर सिटी से 04 मई, 2025 को खुलने वाली 22552 जालंधर सिटी - दरभंगा एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग रोजा - लखनऊ - सुलतानपुर - वाराणसी - छपरा ग्रामीण - मुजफ्फरपुर - सीतामढ़ी के रास्ते चलाई जाएगी।

बनारस गंगा घाट में स्नान के दौरान डूबने से हुई मौत

जिला संवादाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

दिनेश महतो 22 वर्षीय पुत्र तरुण कुमार उर्फ गोलू बनारस के प्राइवेट कंपनी में कार्य कर रहे थे। दो दिन पूर्व तरुण बनारस की गंगा घाट पर स्नान करने गया अचानक गहरे पानी में चले जाने से डूबने से उसकी मौत हो गई।

समस्तीपुर। जिले के कल्याणपुर प्रखंड क्षेत्र के गोविंदपुर खजूरी गांव के दिनेश महतो के पुत्र मंगलवार की सवेरे बनारस से तरुण कुमार उर्फ गोलू का शव गांव में आते ही ग्रामीण सहित परिजनों में कोहराम मच गया। परिजनों का रो- रोकर बुरा हाल बना हुआ है। बतादे कि कल्याणपुर थाना क्षेत्र के गोविंदपुर खजूरी पंचायत वार्ड संख्या पांच के दिनेश महतो 22 वर्षीय पुत्र तरुण कुमार उर्फ गोलू बनारस के प्राइवेट कंपनी में कार्य कर रहे थे। दो दिन पूर्व तरुण बनारस की गंगा घाट पर स्नान करने गया अचानक गहरे पानी में चले जाने से डूबने से उसकी मौत हो गई। वहां के प्रशासन के टीम के द्वारा उसके शव को गंगा नदी से निकाला गया उसके बाद परिजनों को सूचना दी गई सूचना पर पहुंचे परिजन वहां से पोस्टमार्टम कराकर शव लेकर गोविंदपुर खजूरी मंगलवार की सवेरे पहुंचे। तरुण के अंतिम दर्शन को लेकर काफी संख्या में ग्रामीण महिलाएं पुरुष उसके आवास परिसर पर पहुंचे। सभी का रोते-रोते बुरा हाल देखा गया। मृतक की शादी नहीं हुई थी वह प्राइवेट कंपनी में 2 वर्षों से कार्य कर रहा था। मां पूनम देवी पिता दिनेश महतो, दादा रामकरण महतो रो-रोकर यही कह रहे थे कि अब परिवार के कमा कर के देतइ। एकके गो कमउआ पुत्र रहई। चचेरे भाई आलोक ने उसे मुंखाग्नि अपने गांव के श्मशान घाट में देखकर

रद्द की गयी 4 जोड़ी ट्रेनों का परिचालन पुनर्बहाल

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

निर्माण परियोजना के अन्तर्गत गोरखपुर जं.- गोरखपुर कैंट के मध्य तीसरी लाइन के प्रावधान एवं गोरखपुर जं. स्टेशन की यार्ड रिमॉडलिंग के परिप्रेक्ष्य में रद्द की गई निम्नलिखित 04 जोड़ी ट्रेनों का परिचालन पुनर्बहाल कर इन्हें परिवर्तित मार्ग अथवा उनके निर्धारित मार्ग से चलाया जायेगा :-

समस्तीपुर-15.04.2025रेलवे प्रशासन द्वारा कुसम्ही- गोरखपुर कैंट- गोरखपुर जं.- डोमिनगढ़ तीसरी लाइन निर्माण परियोजना के अन्तर्गत गोरखपुर जं.- गोरखपुर कैंट के मध्य तीसरी लाइन के प्रावधान एवं गोरखपुर जं. स्टेशन की यार्ड रिमॉडलिंग के परिप्रेक्ष्य में रद्द की गई निम्नलिखित 04 जोड़ी ट्रेनों का परिचालन पुनर्बहाल कर इन्हें परिवर्तित मार्ग अथवा उनके निर्धारित मार्ग से चलाया जायेगा :-

1. दरभंगा से 16 अप्रैल से 04 मई, 2025 तक खुलने वाली 15211 दरभंगा-अमृतसर एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग मुजफ्फरपुर-छपरा ग्रामीण- वाराणसी- सुलतानपुर- लखनऊ- रोजा के रास्ते चलाई जायेगी।
2. अमृतसर से 18 अप्रैल से 04 मई, 2025 तक खुलने वाली 15212 अमृतसर-दरभंगा एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग रोजा-लखनऊ- सुलतानपुर- वाराणसी-छपरा ग्रामीण- मुजफ्फरपुर के रास्ते चलाई जायेगी।
3. रक्सौल से 16 अप्रैल से 03 मई, 2025 तक खुलने वाली 15273 रक्सौल-आनन्द विहार टर्मिनस एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग सगौली-मुजफ्फरपुर-छपरा ग्रामीण- वाराणसी-सुलतानपुर- लखनऊ - रोजा के रास्ते चलाई जायेगी।
4. आनन्द विहार टर्मिनस से 15 अप्रैल से 04 मई, 2025 तक खुलने वाली 15274 आनन्द विहार टर्मिनस-रक्सौल एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग रोजा-लखनऊ- सुलतानपुर- वाराणसी जं-छपरा ग्रामीण- मुजफ्फरपुर-सगौली के रास्ते चलाई जायेगी।
5. सहरसा से 27 अप्रैल, 2025 को खुलने वाली 15531 सहरसा-अमृतसर एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग मुजफ्फरपुर- छपरा ग्रामीण- वाराणसी- सुलतानपुर-लखनऊ-रोजा के रास्ते चलाई जायेगी।
6. अमृतसर से 28 अप्रैल, 2025 को खुलने वाली 15532 अमृतसर-सहरसा एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग रोजा-लखनऊ- सुलतानपुर- वाराणसी-छपरा ग्रामीण-मुजफ्फरपुर के रास्ते चलाई जायेगी।
7. दरभंगा से 03 मई, 2025 को खुलने वाली 22551 दरभंगा- जलंधर सिटी एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग सीतामढ़ी- मुजफ्फरपुर- छपरा ग्रामीण- वाराणसी-सुलतानपुर- लखनऊ-रोजा के रास्ते चलाई जायेगी।
8. जलंधर सिटी से 04 मई, 2025 को खुलने वाली 22552 जलंधर सिटी-दरभंगा एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग रोजा-लखनऊ- सुलतानपुर- वाराणसी-छपरा ग्रामीण- मुजफ्फरपुर-सीतामढ़ी के रास्ते चलाई जायेगी।

'मुसलमानों के खून से होली खेलना चाहते हैं पीएम मोदी', ओवैसी के विधायक का विवादित बयान

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

वक्फ संशोधन कानून पर पूरे देश में सियासत जारी है। बिहार में भी तमाम मुस्लिम संगठन इसके विरोध में प्रदर्शन की तैयारी कर रहे हैं। वहीं किशनगंज में 20 अप्रैल को बड़े पैमाने पर आंदोलन की तैयारी की जा रही है। मंगलवार को बहादुरगंज प्रखंड में तमाम सियासी और धार्मिक संगठनों के संयुक्त बैनर तले जोरदार विरोध प्रदर्शन किया गया। इस बीच असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम के बिहार अध्यक्ष और विधायक अख्तरुल ईमान मे विवादित बयान दे दिया। उन्होने कहा कि पीएम मोदी मुसलमानों के खून से होली खेलना चाहते हैं।अख्तरुल ईमान ने आरोप लगाया कि जब मुस्लिम युवा मल्टीनेशनल कंपनियों में काम करते हैं, तो उन्हें आतंकवादी कहकर जेल भेज दिया जाता है। उन्होंने बाबरी मस्जिद, गोधरा कांड और बिल्किस बानो के मामले का जिक्र करते हुए बीजेपी पर मुस्लिम विरोधी राजनीति का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि डर के कारण मुसलमान कुछ नहीं कह पाते, इसलिए नमाज के दौरान भी टोपी उछाली जाती है।उन्होंने आरोप लगाया कि आरएसएस और भाजपा डर का माहौल बनाना चाहती है, लेकिन हम लोग डरेंगे नहीं। इस कार्यक्रम में राजद विधायक अंजार नईमी, पूर्व विधायक तौसीफ आलम समेत विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि और धार्मिक नेता मौजूद रहे। सभा के बाद सैकड़ों लोगों ने विरोध मार्च निकाला।

बिहार के 19 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट

60KM प्रतिघंटे की रफ्तार से चलेगी हवा; 21 अप्रैल तक ऐसा ही रहेगा मौसम

पटना। बिहार के 19 जिलों में आज यानी मंगलवार को तेज बारिश और आंधी की संभावना है। मौसम विभाग ने 5 जिलों में ऑरेंज और 14 जिलों में यलो अलर्ट जारी किया है। ऑरेंज अलर्ट वाले जिलों में 50 से 60KM प्रतिघंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने और गरज-चमक के साथ बारिश की संभावना है। वहीं जिन 14 जिलों में यलो अलर्ट है, वहां 40 से 50ङट प्रतिघंटे की रफ्तार से हवा और हल्की बारिश हो सकती है। मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक, 18 अप्रैल को एक और पश्चिमी विक्षोभ के आने की संभावना है, जिससे प्रदेश के मौसम में फिर बदलाव हो सकता है। अरवल में आकाशीय बिजली से एक ही परिवार के 3 लोगों की मौत हो गई। इनमें पति अवधेश यादव (48), पत्नी राधिका देवी (45) और बेटी रिंकू कुमारी (18) शामिल हैं। घटना के वक्त मौजूद लोगों की माने तो बारिश शुरू होते ही तीनों खेत में रखा गेहूं का बोझा लेने गए थे। बारिश तेज होने पर सभी खेत के पास बने पुआल के टाल के नीचे जाकर बैठ गए। अचानक से आकाशीय बिजली गिरी। बिजली के गिरते ही पुआल में आग लग गई और तीनों जिंदा जल गए। वहीं गोपालगंज के कोटवा गांव में भी ठनका गिरने से एक शख्स की मौत हो गई। वो भी खेत में काम करने गए थे। वहीं बेगूसराय में वज्रपात की चपेट में आने से एक मजदूर की मौत हो गई। घटना बछवाड़ा थाना क्षेत्र के भीखमचक पंचायत स्थित रामचंद्रपुर जहानपुर गांव की है। मृतक की पहचान ननकी सदा के सुरेश सदा (45) के रूप में की गई है।बेमौसम बारिश और ओला गिरने से रबी फसलों को नुकसान पहुंचा है। सोन के किनारे गेहूं, मक्का की फसल बर्बाद हो गई है। अप्रैल में हुई बारिश की वजह से किसानों कोपहले ही नुकसान झेलना पड़ा था। इस महीने में दो बार बारिश होने से फसलों को नुकसान पहुंचा है। वहीं, तेज हवा से आम भी झड़ गए हैं। आकाशीय बिजली से सतर्क रहने की अपीलपटना मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, बंगाल की खाड़ी से आ रही नमी युक्त हवा और पश्चिमी विक्षोभ की टकराहट के कारण प्रदेश के मौसम में बदलाव दिख रहा है। इससे राज्य के कई हिस्सों में आंधी, बारिश और आकाशीय बिजली की घटनाएं हो रही हैं। मौसम विज्ञान केंद्र ने लोगों से अपील की है कि खराब मौसम के दौरान पूरी सतर्कता बरतें। आकाशीय बिजली और आंधी से बचने के लिए आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा समय-समय पर जारी दिशा-निदेशों का पालन करें। मौसम बिगड़ने की स्थिति में घर के अंदर रहें। सोमवार दोपहर बाद बिहार के 10 जिलों में मौसम का मिजाज बदल गया। पटना, छपरा, अरवल, बांका, नालंदा, लखीसराय, जमुई, मुंगेर, जहानाबाद और कैमूर में तेज आंधी के साथ तेज बारिश हुई। इस दौरान छपरा, बांका समेत तीन जिलों में ओले भी गिरे। मौसम विभाग के अनुसार, अगले 5 दिनों तक अधिकतम और न्यूनतम तापमान में कोई विशेष बदलाव नहीं होने की संभावना है। अधिकतम तापमान 34 से 36 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 22 से 24 डिग्री सेल्सियस के बीच बना रहेगा।

बेटी-बेटे संग मां ने खाया जहर, बच्चों की मौत सुसाइड

गया। रविवार की रात मां ने अपने दो बच्चों को जहर देने के बाद खुद भी जहर खा लिया। सोमवार की सुबह 8 साल के बेटे संकेत की मौत हो गई। वहीं, 12 साल की पल्लवी कुमारी ने दोपहर में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। महिला की स्थिति गंभीर है। मगध मेडिकल अस्पताल के ICU में उसका इलाज चल रहा है। महिला की पहचान मुन्नी देवी (37) के रूप में हुई है। अस्पताल में इलाज के दौरान डॉक्टर को एक पर्ची मिली। पर्ची में मुन्नी ने अपने पति जितेंद्र पासवान (40) पर जबरदस्ती नाजायज संबंध बनाने के लिए मारपीट करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने पर्ची को जब्त कर लिया है। घटना डोभी थाना क्षेत्र के अंगरा गांव की है। बताया जा रहा कि रविवार को जितेंद्र पासवान ने मुन्नी के साथ मारपीट की थी। इस घटना के बाद मुन्नी देवी ने बच्चों के साथ आत्महत्या की कोशिश की।एक ग्रामीण ने बताया कि 'परिवार में कुल 5 सदस्य थें। पति जितेंद्र ट्रक चलाता है। 14 साल के बेटे अंकित कुमार है, जो अपने पिता के साथ काम करता है।

अवैध संबंध का विरोध किया तो पति को मरवा डाला

बांका। पत्नी ने 35 हजार रुपए की सुपारी देकर पति की हत्या की साजिश रची और अपने दो साथियों के साथ मिलकर हत्या की घटना को अंजाम दिया। सोमवार की शाम एसपी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर हत्याकांड का खुलासा किया है। पुलिस ने पत्नी रिंकू कुमारी समेत दो अन्य आरोपियों बालेश्वर हरिजन और उसकी पत्नी बिजुला देवी को गिरफ्तार कर लिया है। तीनों ने पूछताछ में अपराध को स्वीकार कर लिया है। बता दें कि शुक्रवार को मृतक की सिर कटी लाश मिली थी। मृतक का प्राइवेट पार्ट भी काटा था। आरोपियों की निशानदेही पर शव से अलग किया गया सिर, हत्या में इस्तेमाल किया गया धारदार हथियार, रिंकू कुमारी का खून से सना कपड़ा और मृतक का मोबाइल बरामद किया है।दरअसल, बांका के अमरपुर थाना क्षेत्र के रामपुर मोड़ के पास शुक्रवार को एक सिर कटी लाश मिली थी। मृतक की पहचान केंदुआर गांव निवासी बिहारी यादव (40) के रूप में की गई। मृतक की पहचान उसके कपड़ों और अन्य सामानों से की गई थी। बिहारी यादव पेशे से ट्रक ड्राइवर था। 6 अप्रैल को वह कोलकाता से लौटकर पुनसिया पहुंचा था। जांच में सामने आया कि पत्नी रिंकु कुमारी ने ही दो साथियों के साथ मिलकर पति की हत्या करवाई।पुलिस की जांच में अवैध संबंध का खुलासा इस हत्याकांड की जांच के लिए एसपी उपेंद्रनाथ वर्मा के निर्देश पर डीएसपी विपिन बिहारी के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया था। पूछताछ में पता चला कि मृतक की पत्नी रिंकु कुमारी का गांव के कुछ पुरुषों के साथ अवैध संबंध था। पति को इसकी जानकारी मिलने पर वह पत्नी से मारपीट करने लगा और खर्च देना बंद कर दिया। इसी रंजिश में पत्नी रिंकू ने पति की हत्या का प्लान बनाया था। 35 हजार सुपारी देकर कराई हत्यापत्नी ने छह महीने पहले जेल में बंद बालेश्वर हरिजन और बिजुला देवी से मुलाकात कर पति की हत्या की साजिश रची थी। उसने 35 हजार रुपए की सुपारी देकर पति की हत्या का सौदा किया। जेल से बाहर आने के बाद उसने बालेश्वर हरिजन को हत्या के लिए पैसे दिए। इसके बाद 11 अप्रैल को धारदार हथियार से गला रेत कर बिहारी यादव की हत्या कर दी गई। अपराधियों ने न सिर्फ पति की हत्या की, बल्कि उसका सिर और प्राइवेट पार्ट भी काट दिया। इसके बाद शव को विलासी नहर में फेंक दिया गया।

पूर्णिया में भाई ने सगे भाई को चाकू गोदा

पूर्णिया । में सनकी भाई ने अपने ही सगे भाई को धारदार चाकू से गोद डाला। छोटे भाई ने बड़े भाई के गले, चेहरे, बांह, सीना और फेफड़े पर 10 से भी अधिक घातक वार किए। इस क्रूर वारदात को देख जिस किसी ने भी बीच बचाव की कोशिश की, हमलावर ने बचाने पहुंचे लोगों पर भी हमला करना चाहा, जिससे घटनास्थल पर चीख पुकार और अफरातफरी मच गई।

हालांकि युवक हमले के बाद भागता इससे पहले ही कुछ लोगों ने हिम्मत जुटाई और उसे पकड़ लिया। दिल दहला देने वाली घटना शहर के मरंगा थाना क्षेत्र के सुदिन चौक टीओपी के शक्तिनगर स्थित ब्राइट करियर स्कूल के समीप रात गए 9:30 बजे घटी है।सूचना के 5 मिनट के भीतर ही सुदिन चौक टीओपी की पुलिस मौके पर पहुंच गई, जिसके बाद पकड़े गए भाई को हिरासत में लेकर मरंगा थाना भेज दिया। जबकि खून से लथपथ जख्मी शख्स को आनन फानन में GMCH पूर्णिया में एडमिट कराया गया। जहां डॉक्टरों ने नाजुक हालत को देखते हुए उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया।युवक को पहले फातमा और फिर मैक्स सेवन में एडमिट कराया गया है, जहां घायल शख्स की हालत काफी गंभीर बनी हुई है। जख्मी शख्स की पहचान मधेपुरा जिले के कुमारखंड गांव निवासी राधेश्याम पोद्दार के बेटे सुनील पोद्दार 28 के रूप में हुई है, जबकि हमला करने वाले छोटे भाई का नाम प्रहलाद कुमार है। घटना की जानकारी देते हुए मंझौले भाई ने बताया कि वे लोग तीन भाई हैं। घर की माली हालत ठीक न होने की वजह से वे लोग मधेपुरा से पूर्णिया में आकर पिछले कई सालों से रह रहे हैं। इनमें बड़ा भाई सुनील पोद्दार लाइन बाजार स्थित अभिज्ञान पैथोलॉजी में काम करता है। छोटा भाई उनके साथ ही किराए के मकान में शक्तिनगर इलाके में रहता है। जबकि वो पॉलीटेक्निक चौक स्थित लॉज में रहते हैं। रोजाना की तरह बड़ा भाई सुनील पोद्दार साइकिल से पैथोलॉजी से काम कर घर लौट रहे थे। इसी साइकिल पर छोटा भाई प्रहलाद कुमार बैठा था। प्रहलाद साइको है। उसे ये लगता है कि बड़ा भाई उसके ऊपर नजर रखता है और उसका बुरा चाहता है। इसी को लेकर लौटने के क्रम में शक्तिनगर स्थित ब्राइट करियर स्कूल के समीप उसने साइकिल चला रहे बड़े भाई सुनील पोद्दार पर धारदार चाकू से गला, चेहरे, बांह, सीना और फेफड़े पर 10 से भी अधिक घातक वार कर दिया। इस जानलेवा हमले में वो खून से लथपथ होकर जमीन पर गिर पड़े।

बाइक लोन विवाद में सिर काटकर हत्या का खुलासा

सीतामढ़ी। सोनबरसा थाना क्षेत्र में दिसंबर महीने में झीम नदी के पास तालाब से मिली सिर कटी लाश के मामले का पुलिस ने सनसनीखेज खुलासा किया है। मृतक की पहचान नंदू साह के रूप में हुई थी। पुलिस ने इस हत्या के मामले में एक आरोपी रौशन कुमार उर्फ मुक्का को गिरफ्तार किया है, जो मुसहरनियां गांव का निवासी है। हत्या में इस्तेमाल चाकू तालाब से बरामद गिरफ्तार आरोपी रौशन कुमार की निशानदेही पर पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल चाकू को भी तालाब से बरामद कर लिया है। इस मामले में अब तक तीन लोगों के शामिल होने की बात सामने आई है, जिनमें दो आरोपी अभी फरार हैं। बाइक लोन और शराब तस्करी के चलते हत्या सदर एसडीपीओ आशीष आनंद ने बताया कि मृतक और आरोपी एक साथ काम करते थे। आरोपियों ने नंदू साह के नाम पर एक बाइक फाइनेंस करवाई थी, जिसकी जानकारी नंदू को नहीं थी। इस बाइक का इस्तेमाल वे नेपाल से शराब की तस्करी के लिए कर रहे थे। मामला तब बिगड़ा जब नेपाल में बाइक जब्त हो गई और किश्तें नहीं चुकाने पर फाइनेंस कंपनी का एजेंट नंदू के घर पहुंच गया।साजिश रचकर की गई हत्यानंदू को जब इस धोखाधड़ी का पता चला तो उसने विरोध जताया। इसी के बाद तीनों ने साजिश रचकर उसकी हत्या कर दी और शव को तालाब में फेंक दिया।

पिकअप ने व्यवसायी को कुचला, मौत

सीतामढ़ी। पुपरी-मुजफ्फरपुर मार्ग पर यदुपट्टी और बहेरा गांव के पास एक तेज रफ्तार पिकअप वैन ने सब्जी के ठेले में टक्कर मार दिया। इस हादसे में सब्जी विक्रेता जाहिदपुर निवासी राजाराम पासवान(35) की मौके पर ही मौत हो गई। एक ने मारी टक्कर दूसरे ने रौंदा घटना के प्रत्यक्षदर्शी और सब्जी विक्रेता बेचन साह ने बताया कि बहेरा की तरफ से आ रही तेज रफ्तार पिकअप वैन ने पहले उनके ठेले को टक्कर मारी। इस टक्कर से वे सड़क के बाईं ओर गिर गए। इसके बाद वैन ने बाइक सवार राजाराम को टक्कर मार दी। राजाराम सड़क पर गिर गए। इसी दौरान पुपरी की तरफ से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने राजाराम को कुचल दिया और फरार हो गया। मृतक राजाराम पुपरी स्थित संत थॉमस स्कूल में वाहन चालक का काम करते थे। वे अपने परिवार के एकमात्र कमाने वाले सदस्य थे। उनकी सात बेटियां हैं और अगले महीने एक बेटी की शादी होनी थी। ग्रामीणों के अनुसार, राजाराम सरल स्वभाव के और सामाजिक व्यक्ति थे। घटना की सूचना मिलते ही नानपुर थाने के एसआई सुबोध कुमार दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने लोगों को समझा-बुझाकर जाम हटवाया। कानूनी कार्रवाई पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया है।

अंबेडकर जयंती पर निकाली गई भव्य शोभायात्रा

पूर्णिया। में संविधान निमार्ता बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती पर विशाल शोभायात्रा निकाली गई। ढोल ताशा, बैंड, डीजे के साथ शोभायात्रा राजकीय वैद्यनाथ कल्याण छात्रावास से निकाली गई, जिसमें हजारों लोग शामिल हुए। जय भीम के नारे से पूरा शहर गूंजा। शोभायात्रा में सामाजिक न्याय, समानता और बाबा साहब के विचारों को दशार्ने वाली झांकियां भी शामिल रही।शोभायात्रा प्रभात कॉलोनी स्थित राजकीय वैद्यनाथ कल्याण छात्रावास से निकाली गई, जो शहर के भोला पासवान शास्त्री चौक होते हुए गिरिजा चौक, आए एन साह चौक, भट्टा बाजार, झंडा चौक, रजनी चौक, लाइन बाजार होते हुए वापस वैद्यनाथ कल्याण छात्रावास पहुंची। हाथों में बाबा साहेब के बैनर, तस्वीर और नीले झंडे लिए लोग बाबा साहेब के जयकारे लगा रहे थे। शोभा यात्रा में शामिल ढोल ताले, बैंड, डीजे के धुन पर लोग जमकर नाच रहे थे।शोभा यात्रा में हजारों लोग शामिल हुए, जो जय भीम के नारे लगाते हुए शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरे। शोभा यात्रा के स्वागत के लिए जगह -जगह स्वागत द्वार और स्टॉल लगाए गए। निर्दलीय सांसद पप्पू यादव की ओर से शहर के आर एन साह चौक पर शोभा यात्रा के स्वागत के लिए विशेष इंतजाम किया गया। शोभा यात्रा में शामिल लोगों के लिए शरबत, पानी और खीर की व्यवस्था की गई। शोभायात्रा का उद्देश्य लोगों को बाबा साहेब के विचारों से परिचित कराना और उनके सपनों को पूरा करने के लिए प्रेरित करना था। शोभा यात्रा का नेतृत्व कर रहे विक्रम झा, अजय भारती, रंजीत पासवान और डॉ प्रदीप कुमार ने कहा कि हर साल की तरह इस साल भी बाबा साहेब की जयंती पर वैद्यनाथ छात्रावास से भव्य शोभा यात्रा निकाली जा रही है।

शाह कहते हैं-नीतीश नेतृत्व करेंगे सी.एम बनाने की बात नहीं करते

दिल्ली में राहुल-खड़गे संग बैठक के बाद बोले तेजसवी; निशांत का जवाब-नीतीश ही होंगे फेस

पटना। दिल्ली में आज यानी मंगलवार को बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर आरजेडी और कांग्रेस की मीटिंग हुई। बैठक के बाद खड़गे आवास के बाहर मीडिया से बात करते हुए तेजस्वी ने कहा कि, 'जो भी चीजें हैं, मिलकर बैठकर तय हो जाएंगी।'सी.एम फेस के सवाल पर उन्होंने कहा- 'बातचीत से सब फाइनल होगा। आपलोग चिंता न करें।' कितने सीट पर कौन चुनाव लड़ेगा इस सवाल पर तेजस्वी यादव ने कोई जवाब नहीं दिया। उन्होंने दावा किया कि 'इस बार बिहार में हमारी सरकार बनेगी यह तय है।' बैठक में राहुल गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे, कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल मौजूद रहें। वहीं राजद की ओर से तेजस्वी यादव के साथ-साथ राजद सांसद मनोज झा, और संजय यादव भी मीटिंग में शामिल हुए। वहीं बिहार कांग्रेस से प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम और प्रदेश प्रभारी कृष्णा अल्लावरू मीटिंग में शामिल हुए। प्रदेश प्रभारी बनने के बाद पहली बार अल्लावरू और तेजस्वी की ये पहली मुलाकात रही, वहीं 6 अप्रैल को राजेश राम ने राबड़ी आवास जाकर तेजस्वी से मुलाकात की थी।तेजस्वी के बयान पर पटना में नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार ने कहा कि, एनडीए में सीएम फेस को लेकर कोई कन्फ्यूजन नहीं है। अमित शाह कह चुके हैं कि पिताजी ही सीएम फेस होंगे। सम्राट चौधरी ने भी कहा है कि 15 साल तक पिताजी का नेतृत्व रहेगा। वहीं सीएम की सेहत पर उठते सवाल पर कहा- 'मेरे पिताजी पूरी तरह से स्वस्थ हैं। जनता सब देख रही है। बिहार की जनता से अनुरोध है कि 2010 में जितनी सीटें दीं, उससे ज्यादा जिताए।' बिहार के साथ सौतेला व्यवहार हुआ तेजस्वी यादव ने कहा कि 'हम सभी ने बैठक की है और काफी सकारात्मक चर्चा हुई है और हम सभी 17 तारीख को पटना में अपने गठबंधन सहयोगियों के साथ बैठेंगे। हम पूरी तरह से तैयार हैं।' 'हमारी स्ट्रेटजी हम मीडिया में बताते नहीं है। लेकिन इतना तय है कि इस बार एनडीए की विदाई होगी और बिहार में हमारी सरकार बनेगी।' कांग्रेस प्रदेश प्रभारी कृष्णा अल्लावरू ने कहा- आज शुरूआती बैठक थी, आगे हम सभी साथ बैठ कर इस पर निर्णय लेंगे। अगली बैठक 17 तारीख को पटना में होगी, आगे की रणनीति वहां तय होगी। सीएम फेस के सवाल पर अल्लावरू ने कोई जवाब नहीं दिया। सी.एम फेस को लेकर राजद-कांग्रेस में तकरार है। कांग्रेस प्रभारी कृष्णा अल्लावरू पहले ही कह चुके हैं कि चुनाव के बाद सी.एमके चेहरे पर बात होगी। बीते मार्च में दिल्ली में हुई पार्टी मीटिंग के बाद अल्लावरू ने कहा था- 'इंडिया गठबंधन जब बैठेगी तब सीट, सी.एम फेस सब पर चर्चा होगी। मुख्यमंत्री का चेहरा कौन होगा, नहीं होगा, इस पर सामूहिक निर्णय लिया जाएगा।' वहीं 11 अप्रैल को कन्हैया की रैली में शामिल होने पटना पहुंचे कांग्रेस नेता और राजस्थान के पूर्व डिप्टी सी.एम सचिन पायलट ने भी चुनाव में जीत के बाद सब तय करने की बात कही।दूसरी तरफ RJD महागठबंधन की ओर से तेजस्वी यादव को सी.एमका चेहरा घोषित कर चुकी है। 26 मार्च को पटना में बिहार प्रभारी कृष्णा अल्लावरू ने कहा था- 'हमारी पहली प्राथमिकता इंडिया अलायंस को मजबूत करने की रहेगी।

संक्षिप्त डायरी

अरवल में ठनका गिरा, पति-पत्नी, बेटी जिंदा जले

अरवल। बिहार में बेमौसम बारिश से जान-माल का नुकसान जारी है। सोमवार को अरवल में ठनका गिरने से एक ही परिवार के तीन लोग जिंदा जल गए, तीनों की मौत हो गई। मरने वालों में वंशी थाना क्षेत्र के शादीपुर गांव में अवधेश यादव (48) पति, राधिका देवी (45) पत्नी और उनकी 18 साल की बेटी रिंकू शामिल है। तीनों खेत में गेहूं की फसल समेटने गए थे। सोमवार शाम 4 बजे अचानक मौसम खराब हुआ। बारिश शुरू हो गई। बचने के लिए तीनों पुआल के ढेर में छिप गए। इसी बीच तेज आवाज के साथ आकाशीय बिजली सीधे पुआल के टाल पर गिरी। पुआल में आग लग गई और तीनों आग की चपेट में आ गए। पुआल सूखा था। आग तेजी से फैली और किसी को संभलने का मौका नहीं मिला। सभी की मौत हो गई। इस पूरी घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें पुआल की ढेर में तीनों के जले हुए शव दिखाई दे रहे हैं। घटना के बाद इलाके में दहशत है।ठनका गिरने से जिस रिंकू की मौत हुई है उसकी 15 दिन बाद शादी होनेवाली थी। गया जिले के टेकारी थाना क्षेत्र के मुर्गी बीघा गांव में शादी तय हो चुकी थी। 25 अप्रैल को तिलक और 29 को विवाह होना था। घर में उसकी शादी की तैयारियां चल रही थीं। डोली उठने से पहले रिंकू की अर्थी उठ गई। सूचना पर पहुंची बंसी पुलिस हादसे को जिसने भी देखा, वो दहल गया। घटना की जानकारी वंशी थाने को दी गई। साथ ही अग्निशमन विभाग को भी बताया गया। सूचना मिलते ही बंसी थाना की पुलिस घटना स्थल पर पहुंचकर मामले की जांच में जुटी है। तीनों मृतकों के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल अरवल भेजा गया है। गोपालगंज में बेटी की शादी से पहले पिता की मौत बिहार में काल बैसाखी का कहर जारी है। काल बैसाखी की वजह से प्रदेश के दक्षिण-पूर्व के भागों में आंधी-पानी और ठनका अधिक गिरने की संभावना है। सोमवार को ठनका से 4 मौतें हुईं हैं, जिनमें अरवल में तीन और गोपालगंज में एक है। गोपालगंज के कोटवा गांव में आकाशीय बिजली से रोहित यादव की मौत हो गई। वो गेहूं की फसल समेट रहे थे।मृतक के 3 बच्चे हैं। रोहित की बड़ी बेटी की अगले महीने शादी थी। 2 मई को तिलक समारोह था, 5 मई को शादी होनी थी। बंगाल की खाड़ी में बने निम्न दबाव से बिहार में आंधी के साथ बारिश और ओलावृष्टि हो रही है। पिछले 12 घंटे में नालंदा, रोहतास और छपरा में आंधी-पानी ठनका के साथ ओले गिरे हैं। बारिश, वज्रपात और आंधी से जान-माल को व्यापक क्षति पहुंची है।

मुस्लिमों के खून से होली खेलना चाहते हैं मोदी

किशनगंज। वक्फ कानून को लेकर मुस्लिमों का विरोध जारी है। मुस्लिम बहुल किशनगंज में सोमवार को विरोध प्रदर्शन हुआ। इस प्रदर्शन में असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि, मुसलमानों के खून से पीएम मोदी होली खेलना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि, जब हमारे युवा मल्टीनेशनल कंपनियों में काम करते हैं तो उन्हें आतंकवादी कहा जाता है और जेल भेज दिया जाता है।अख्तरुल ईमान ने कहा कि ह्यबाबरी मस्जिद तोड़ने के बाद बीजेपी 288 सीटों पर पहुंची इसलिए वो समझ रही है कि अच्छा काम करने से वो नहीं जीतेगी।'अख्तरुल ईमान ने बिलकिस बानो का जिक्र करते हुए कहा, 'मेरी बहन बिलकिस बानो के साथ एक नहीं बल्कि दस लोगों ने रेप किया।'डर का माहौल बनाना चाहती हैं RSS-BJP 20 अप्रैल को किशनगंज में वक्फ बिल को लेकर बड़े प्रदर्शन की तैयारी की जा रही है। इससे पहले अलग-अलग प्रखंडों में सभा और विरोध मार्च का आयोजन कर मुस्लिम समुदाय के लोगों को एकजुट किया जा रहा है। सोमवार को जिले के बहादुरगंज में आयोजित सभा में अख्तरुल ईमान भी पहुंचे थे। वो पूर्णिया के अमोर से विधायक हैं।वक्फ संशोधन बिल (अब कानून) 2 अप्रैल को लोकसभा और 3 अप्रैल को राज्यसभा में 12-12 घंटे की चर्चा के बाद पास हुआ था। इसके बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बिल को 5 अप्रैल की देर रात मंजूरी दी। सरकार ने नए कानून को लेकर गजट नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। कानून को लागू करने की तारीख को लेकर केंद्र सरकार अलग नोटिफिकेशन जारी करेगी। बिल पर चर्चा के दौरान केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा था- कानून का उद्देश्य वक्फ संपत्तियों में हो रहे पक्षपात, दुरुपयोग और अतिक्रमण को रोकना है। बिल को राज्यसभा में 128 सदस्यों ने समर्थन दिया था, 95 ने विरोध किया। लोकसभा में यह बिल 2 अप्रैल की आधी रात पारित हुआ था। इस दौरान 288 सांसदों ने समर्थन में और 232 ने विरोध में वोट डाला था।

बक्सर में बनेगी भगवान हनुमान की 108 फीट ऊंची प्रतिमा

बक्सर। रामपुर गांव में 108 फीट ऊंची बजरंगबली की प्रतिमा स्थापित की जाएगी। यह निर्णय गांव के लोगों ने मिलकर महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। इसके लिए जमीन का चयन भी कर लिया गया है। यह निर्णय क्लब ऑफ वेलनेस के तत्वावधान में आयोजित लक्ष्मी नारायण यज्ञ के समापन पर लिया गया।कार्यक्रम के संयोजक प्रभात राय उर्फ गोपाल दास ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पिछले 50 वर्षों से क्षेत्र के किसान सिंचाई की समस्या से जूझ रहे थे। इससे खेती प्रभावित हुई और क्षेत्र में गरीबी बढ़ी।कर्मनाशा नदी के किनारे होगा निर्माणअब वर्ष 2025 में निकृष पंप कैनाल से पानी मिलने की उम्मीद है। कर्मनाशा नदी परियोजना के पूरा होने से रामपुर के सूखे खेतों में हरियाली लौटेगी। इसी खुशी में 30 मार्च से 9 अप्रैल तक 'सर्वकल्याण नवजीवन महोत्सव' का आयोजन किया गया। इस दौरान दस दिवसीय लक्ष्मी नारायण महायज्ञ भी हुआ।महायज्ञ का मुख्य उद्देश्य जात-पात से ऊपर उठकर लोगों को एक मंच पर लाना था। कार्यक्रम में हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। समापन पर पूरे क्षेत्र में प्रसाद का वितरण किया गया।

चाइल्ड काउंसलर बनकर संवारें अपना भविष्य

एक चाइल्ड काउंसलर के पास संभावनाओं की कमी नहीं है। वह स्कूल से लेकर हॉस्पिटल्स तक में काम कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त विभिन्न एनजीओ व बच्चों के लिए काम कर रही संस्थाओं में उनकी आवश्यकता होती है। वहीं आप स्पेशल स्कूल्स या बाल सुधार गृह में भी अपनी सेवाएं दे सकते हैं।

आज के तनावपूर्ण जीवन में सिर्फ बड़े ही नहीं, बल्कि बच्चे भी कई तरह की परेशानियों जैसे माता-पिता व अन्य लोगों से रिश्ते, एग्जाम प्रेशर व पीयर प्रेशर आदि से दो-चार होते हैं। यहां सबसे बड़ी समस्या यह होती है कि वह अपनी परेशानी किसी से शेयर नहीं करते और कई बार तो अपनी परेशानियों को मन में ही रखने के कारण वह अवसादग्रस्त हो जाते हैं। ऐसे में उनकी परेशानियों को समझकर उन्हें अंधेरे से निकालकर उजाले में लाने का काम करते है चाइल्ड काउंसलर। यह एक ऐसा क्षेत्र है, जहां पर व्यक्ति को दूसरों की सहायता करके एक अजीब सी संतुष्टि का अनुभव होता है।

क्या होता है काम

एक चाइल्ड काउंसलर बच्चों के व्यवहार और भावनात्मक मुद्दों पर उनकी सहायता प्रदान करते हैं। साथ ही वह बच्चों के डेवलपमेंट मुद्दों जैसे चिंता, नींद, पर्सनैलिटी डिसआर्डर व ईटिंग डिसआर्डर को भी दूर करते हैं। उनका मुख्य काम पहले बच्चों के साथ एक रिश्ता विकसित करना होता है ताकि वह अपने मन की उन बातों को भी साझा करें, जिसे वह किसी से भी नहीं कह पाते। इसके बाद वह उनकी बातों को सुनकर व उसके हाव-भावों के जरिए उसके मन की परेशानी को गहराई से समझते हैं। वह न सिर्फ बच्चों को काउंसिल करता है, बल्कि समस्या को जड़ से खत्म करने के लिए पैरेंट्स को भी काउंसिल करते हैं। जिससे माता-पिता बच्चों के मन की बात समझकर उनके लिए सपोर्ट सिस्टम बन सकें।

स्किल्स

जो लोग एक सफल चाइल्ड काउंसलर बनना चाहते हैं, उनमें कम्युनिकेशन स्किल्स व इंटरपर्सनल स्किल्स काफी अच्छे होने चाहिए। इसके अतिरिक्त उसमें बच्चे को आसानी से सहज करने व बेहतरीन तालमेल बिठाने की भी क्षमता होनी चाहिए। अगर आप सच में एक बेहतरीन चाइल्ड काउंसलर बनने की इच्छा रखते हैं तो आपको तटस्थ व निष्पक्ष होकर बच्चे की बातों को सुनना व समझना चाहिए। अधिकतर बच्चे अपने दोस्तों या माता-पिता को महज इसलिए अपनी बात नहीं बताते क्योंकि उन्हें लगता है कि वह उनकी बात नहीं समझेंगे या फिर उन्हें गलत समझेंगे। ऐसा अनुभव उन्हें चाइल्ड काउंसलर की बातों से नहीं होना चाहिए। आपके भीतर यह क्षमता होनी चाहिए कि आप बच्चों को यह विश्वास दिला सके कि आप उनकी बातों को सुनेंगे, जज नहीं करेंगे।

योग्यता

इस क्षेत्र में कदम रखने के लिए 12वीं के बाद साइकोलॉजी में बैचलर डिग्री कर सकते हैं। साइकोलॉजी में ग्रेजुएशन करने के बाद आप साइकोलॉजी में मास्टर डिग्री या पीजी डिप्लोमा इन गाइडेस व काउंसिलिंग कर सकते है। इसके बाद एमफिल या पीएचडी भी की जा सकती है।

संभावनाएं

एक चाइल्ड काउंसलर के पास संभावनाओं की कमी नहीं है। वह स्कूल से लेकर हॉस्पिटल्स तक में काम कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त विभिन्न एनजीओ व बच्चों के लिए काम कर रही संस्थाओं में उनकी आवश्यकता होती है। वहीं आप स्पेशल स्कूल्स या बाल सुधार गृह में भी अपनी सेवाएं दे सकते हैं। वहीं आप खुद का सेंटर भी खोलकर काम कर सकते हैं।

आमदनी

अगर वेतन की बात की जाए तो इसमें सैलरी से अधिक मानसिक संतुष्टि को महत्व दिया जाता है। वहीं एक स्कूल में नियुक्त काउंसलर 15000 से 20000 रूपए प्रतिमाह कमा सकता है। वहीं एक अनुभवी चाइल्ड काउंसलर की सैलरी एक बड़े स्कूल में 25000 से 30000 तक हो सकती है। इसके अतिरिक्त अगर आप किसी प्रतिष्ठित प्राइवेट हॉस्पिटल में काम कर रहे हैं तो आपकी सैलरी 30000 या उससे अधिक हो सकती है।

प्रमुख संस्थान

- दिल्ली यूनिवर्सिटी, दिल्ली
- इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी, दिल्ली
- अंबेडकर यूनिवर्सिटी, दिल्ली
- पंजाब यूनिवर्सिटी, पंजाब
- जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली
- इंडियन इंस्टीटयूट ऑफ काउंसिलिंग, नई दिल्ली

नैनोटेक्नोलॉजी के क्षेत्र में नौकरी के अवसर और स्कोप

नैनोटेक्नोलॉजी टेक्नोलॉजी की एक ब्रांच होती है। यह अत्यंत छोटी चीजों के अध्ययन से संबंधित है और इसका उपयोग अन्य सभी विज्ञान क्षेत्रों, जैसे कि रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, भौतिकी, सामग्री विज्ञान और इंजीनियरिंग में किया जा सकता है।

नैनोटेक्नोलॉजी क्या होती है?

नैनोटेक्नोलॉजी विज्ञान और प्रौद्योगिकी का वह फील्ड है जिसमें नैनोकणों और सामग्रियों को विकसित किया जाता है, जिनका आकार नैनोमीटर की सीमा के भीतर होता है। नैनोटेक्नोलॉजी एक उभरता हुआ क्षेत्र है जो लगभग हर तकनीकी अनुशासन - रसायन विज्ञान से लेकर कंप्यूटर विज्ञान तक - अत्यंत सूक्ष्म सामग्रियों के अध्ययन और अनुप्रयोग में संलग्न है। यह अकादमिक और शोध से संबंधित शीर्ष रैंक वाले विषयों में से एक है। नैनोटेक्नोलॉजी टेक्नोलॉजी की एक ब्रांच होती है। यह अत्यंत छोटी चीजों के अध्ययन से संबंधित है और इसका उपयोग अन्य सभी विज्ञान क्षेत्रों, जैसे कि रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, भौतिकी, सामग्री विज्ञान और इंजीनियरिंग में किया जा सकता है। यह हमारे जीवन में क्रांति लाने और कृषि, ऊर्जा, पर्यावरण और चिकित्सा में हमारी समस्याओं के तकनीकी समाधान प्रदान करने की विशाल क्षमता के साथ अनुसंधान के क्षेत्र का तेजी से विस्तार कर रहा है।

मास्टर पाठ्यक्रम

- नैनोटेक्नोलॉजी में एमएससी
- नैनो विज्ञान और प्रौद्योगिकी में एमएससी
- नैनोटेक्नोलॉजी में एमटेक
- सामग्री विज्ञान और नैनो प्रौद्योगिकी में एमटेक
- नैनो प्रौद्योगिकी और नैनो सामग्री में एमटेक

डॉक्टरेट पाठ्यक्रम

- नैनोटेक्नोलॉजी में डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी
- नैनो विज्ञान और प्रौद्योगिकी में डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी

नैनोटेक्नोलॉजी डिग्री क्या है?

यह भौतिकी, रसायन विज्ञान, गणित और आणविक जीव विज्ञान के साथ एक बहु-विषयक प्राकृतिक विज्ञान पाठ्यक्रम है।

पाठ्यक्रम और पात्रता

नैनोटेक्नोलॉजी के क्षेत्र में शिक्षा स्नातकोत्तर स्तर और डॉक्टरेट स्तर पर प्रदान की जाती है। भारत में कोई भी संस्थान नैनोटेक्नोलॉजी में स्नातक पाठ्यक्रम प्रदान नहीं करता है। मैटेरियल साइंस, मैकेनिकल, बायोमेडिकल, केमिकल, बायोटेक्नोलॉजी, इलेक्ट्रॉनिक्स और कंप्यूटर साइंस में बीटेक डिग्री या भौतिकी, रसायन विज्ञान, गणित और जीवन विज्ञान में बीएससी रखने वाले उम्मीदवार नैनो टेक्नोलॉजी में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन कर सकते हैं। नैनोटेक्नोलॉजी में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए उम्मीदवार को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से भौतिकी, रसायन विज्ञान, गणित और जीवन विज्ञान में बीएससी या सामग्री विज्ञान / यांत्रिक / जैव चिकित्सा / रसायन / जैव प्रौद्योगिकी / इलेक्ट्रॉनिक्स / कंप्यूटर विज्ञान में बीटेक उत्तीर्ण होना चाहिए।

पीएचडी कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए उम्मीदवार को मैकेनिकल, केमिकल, इलेक्ट्रॉनिक, बायोटेक्नोलॉजी, कंप्यूटर साइंस आदि में एमटेक या फिजिक्स, केमिस्ट्री, मैटेरियल साइंस, बायोटेक्नोलॉजी, कंप्यूटर साइंस आदि में एम.एससी पास होना चाहिए। उम्मीदवार 5 साल की अवधि के लिए नैनो टेक्नोलॉजी (डुअल डिग्री) में बीटेक + एमटेक भी चुन सकते हैं।

नैनोटेक्नोलॉजी का स्कोप क्या है?

आने वाली पीढ़ियों में इसका बहुत बड़ा स्कोप है। आईटी और इंटरनेट की तुलना में यह तीसरा सबसे अधिक फलता-फूलता क्षेत्र है। भारत में बैंगलोर और चेन्नई आईटी और मेडिसिन के विनिर्माण केंद्र हैं। भारत सरकार ने पहले ही नैनोसाइंस और नैनो टेक्नोलॉजी और विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग जैसी विभिन्न फंडिंग एजेंसियों को शुरू कर दिया है।

नैनोटेक्नोलॉजी के लिए करियर विकल्प क्या हैं?

नैनोटेक्नोलॉजी में विशेषज्ञ या वैज्ञानिकके के रूप में नौकरी मिल सकती है। जिन क्षेत्रों में नैनोटेक्नोलॉजिस्ट रोजगार की तलाश कर सकते हैं उनमें जैव प्रौद्योगिकी, कृषि, भोजन, आनुवंशिकी, अंतरिक्ष अनुसंधान, चिकित्सा आदि शामिल हैं। राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला, भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान आदि में भी नौकरी के अवसर उपलब्ध हैं। पीएचडी वाले उम्मीदवार विश्वविद्यालयों और कॉलेजों या अनुसंधान क्षेत्रों में संकाय सदस्यों के रूप में भी शामिल हो सकते हैं।

नैनोटेक्नोलॉजी में जॉब रोल्स क्या हैं?

- नैनोटेक्नोलॉजिस्ट
- वैज्ञानिक
- शोधकर्ता
- प्रोफेसर
- खाद्य वैज्ञानिक
- इंजीनियर चिकित्सा वैज्ञानिक

उद्योग / कंपनियां / जो इन पेशेवरों को नियुक्त करते हैं:

- इलेक्ट्रॉनिक्स / सेमीकंडक्टर उद्योग
- विनिर्माण उदयोग
- जैव प्रौद्योगिकी
- दवाइयों
- चिकित्सा क्षेत्र
- पर्यावरण
- विश्वविद्यालयों
- उत्पाद आधारित कंपनियां (खाद्य)
- अनुसंधान प्रयोगशाला

वेतन

फ्रेशर के लिए लगभग 20,000/- से 30,000 रुपये प्रति माह और अनुभवी उम्मीदवारों के लिए 1 लाख रुपये प्रति माह के वेतन की उम्मीद की जा सकती है।

नैनोटेक्नोलॉजी ऑफर करने वाले भारत के शीर्ष कॉलेज:

- भौतिकी विभाग, आईआईएससी, बैंगलोर
- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली
- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर
- नैनो विज्ञान और प्रौद्योगिकी स्कूल, एनआईटी, कालीकट
- एमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ नैनो-टेक्नोलॉजी, एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा

सेक्रेटेरियल प्रैक्टिस सेक्रेटरी से मैनेजर तक

सेकेट्रेरियल प्रैक्टिस या ऑफिस मैनेजमेंट और पर्सनल सेक्रेट्रेरियल प्रैक्टिस कोर्स करके आप महत्त्वपूर्ण पदों पर बैठे अधिकारियों के पर्सनल सेक्रेटरी बनने का अवसर प्राप्त कर सकते हैं। इसके लिए अनेक शॉर्ट टर्म और डिग्री कोर्स उपलब्ध हैं।

वैश्वीकरण के बाद जिस तेजी से ऑफिस की कार्यप्रणाली और स्वरूप बदला है, ऑफिस सेकेट्ररी और पर्सनल सेक्रेटरी की भूमिका भी अहम होती जा रही है। सेकेट्रेरियल प्रैक्टिस या ऑफिस मैनेजमेंट और पर्सनल सेक्रेटेरियल प्रैक्टिस कोर्स में दाखिला लेकर आप ऑफिस सेकेट्ररी या पर्सनल सेकेट्ररी बन कर एक अच्छा करियर बना सकते हैं। ऑफिस सेकेट्ररी किसी ऑफिस में प्रतिदिन होने वाले कार्यक्रमों को मैनेज करने में अहम भूमिका निभाता है। महत्त्वपूर्ण पदों पर बैठे व्यक्तियों के पर्सनल सेक्रेटरी बन कर आप उनके डेली रूटीन तथा ऑफिस शड्यूल को मैनेज करते हैं। देश के विभिन्न विश्वविद्यालय और प्राइवेट संस्थान सेकेट्रेरियल प्रैक्टिस या ऑफिस मैनेजमेंट और सेकेट्रेरियल प्रैक्टिस में शॉर्ट टर्म डिप्लोमा तथा डिग्री कोर्स ऑफर करते हैं।

योग्यता तथा पढ़ाई

शॉर्ट टर्म कोर्स में प्रवेश लेने के लिए दसवीं तथा कुछ संस्थानों के लिए बारहवीं पास होना आवश्यक है। इस क्षेत्र में आगे की पढ़ाई मसलन डिग्री तथा डिप्लोमा कोर्स करने के लिए बारहवीं पास होना अनिवार्य योग्यता है। इन कोर्सों के लिए अच्छी कम्युनिकेशन स्किल का होना अतिआवश्यक है। इन कोर्सों का मुख्य उद्देश्य छात्र को सेक्रेटरी के उत्तरदायित्वों को समझाना, सेक्रेटेरियल कार्यों के लिए गुणों का विकास करना, संगठन या ऑफिस की कार्यप्रणाली को समझाना तथा कंप्यूटर, इंटरनेट, फैक्स आदि ऑफिस में प्रयोग होने वाले उपकरणों को ऑपरेट करना सिखाया जाता है। शॉर्ट टर्म कोर्स में शॉर्ट हैंड, टाइपराइटिंग, कंप्यूटर बेसिक्स, बिजनेस कम्युनिकेशन तथा पर्सनेलिटी डेवलपमेंट विषय पढ़ाए जाते हैं। लेकिन डिप्लोमा तथा डिग्री कोर्सो में इन विषयों के अलावा मैनेजमेंट, अकाउंट, कंपनी लॉ और बैंकिंग सर्विसेज विषयों के बारे में जानकारी दी जाती है।

संभावनाएं

कोर्स करने के बाद सरकारी तथा प्राइवेट क्षेत्रों में सभी तरह के दफ्तरों में सेक्रेटरी की जॉब मिलती है। लेकिन हाल में मल्टीनेशनल, पब्लिक सेक्टर कंपनियों तथा होटल्स में स्किल्ड सेकेट्ररी और ऑफिस सेकेट्ररी के जॉब की अपार संभावनाएं हैं। बैकों, वित्तीय संस्थानों, लॉजिस्टिक फर्म तथा ट्रैवल एजेंसी में भी सेक्रेटरी के रूप में जॉब कर सकते हैं। अपनी योग्यता तथा अनुभव से आप सेक्रेटरी से जॉब शुरू करके ऑफिस मैनेजर बन सकते हैं।

अगले 12 महीने में 25,500 के स्तर को छू सकता निफ्टी

एफएमसीजी और डिफेंस सेक्टर करेंगे लीड

मुंबई।

वैश्विक बाजारों में उतार-चढ़ाव के बीच निफ्टी अगले 12 महीने में 25,521 के स्तर को छू सकता है। एक` रिपोर्ट में यह अनुमान लगाया गया है। वित्तीय सर्विसेज फर्म पीएल कैपिटल के मुताबिक, छोटी अवधि में हॉस्पिटल, फार्मा, रिटेल, बैंकों, चुनिंदा एफएमसीजी, डिफेंस और पावर सेक्टर महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। ब्रोकरेज फर्म के अनुसार, नया अनुमान पहले के अनुमान से कम है, लेकिन विस्तार के सेक्टर द्वारा बौद्धिक विश्लेषण यह सुनिश्चित करता है कि आगे चुनौतियों और अवसरों की ओर सफल गति हो सकती है। इस बाजारी रिपोर्ट से अभिप्रेत है कि प्रमुख सेक्टरों का मजबूत और सपोर्ट करना अब अत्यंत जरुरी है। परिस्थितियों के साथ, अद्यतन रिपोर्ट का मानना है कि वैश्विक झटकों के माध्यम से बाजार उभरने में सफल रहेगा और मजबूती दर पर अचरद्ध रहेगी। तेज वृद्धि की स्थिति में, इंडेक्स 27,590 के पास पहुंच सकता है जबकि धीमी गति में, 24,831 तक हो सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, 2025 तक निफ्टी में हल्की गिरावट देखने की संभावना है जिसका कारण वैश्विक स्तर पर अनिश्चितता के बढ़ना और ट्रेड वार की तनावपूर्ण स्थिति है। रिपोर्ट भविष्य में उम्मीद जताती है कि

घरेलू अर्थव्यवस्था पर केंद्रित क्षेत्र बेहतर प्रदर्शन करेंगे जिसमें हॉस्पिटल, फार्मा, रिटेल, चुनिंदा एफएमसीजी कंपनियां, बैंक, डिफेंस और पावर शामिल हैं। विभिन्न क्षेत्रों में स्थिर वृद्धि की उम्मीद है जैसे आईटी, सीमेंट, कैपिटल गुड्स और कंज्यूमर बिजनेस। विपरीत प्रदर्शन की स्थिति में, वस्तुओं की कीमतों में उतार-चढ़ाव और कुछ क्षेत्रों में अल्पकालिक चुनौतियों की संभावना है। वैश्विक स्तर पर, भारत और यूएसए के बीच एक व्यापार समझौता वास्तविक हो सकता है जिसमें ऑटो, कंज्यूमर गुड्स, डिफेंस, तेल और गैस, शराब और टेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में सकारात्मक डेवलपमेंट देखने की संभावना है।

कच्चा तेल 35 रुपये लीटर, पेट्रोल-डीजल होंगे सस्ते!

कच्चा तेल एक साल में 22 प्रतिशत से अधिक लुढ़का

नई दिल्ली।

भारत में कच्चे तेल की कीमतों में लगातार` गिरावट देखी जा रही है। वर्तमान में क्रूड ऑयल की कीमत 5561 रुपये प्रति बैरल तक आ गई है, यानी लगभग 35 रुपये प्रति लीटर की` गिरावट आई है! लेकिन हैरानी की बात ये है कि देश के कई शहरों में पेट्रोल अब भी 100 रुपये से ऊपर और डीजल 90 रुपये के पार बिक रहा है। जब अंतरराष्ट्रीय बाज़ार में कीमतें इतनी गिर गई हैं तो आम जनता को इसका फायदा क्यों नहीं मिल रहा?

जानकारों की मानें तो भारत अब कच्चा तेल 69.39 डॉलर प्रति बैरल की दर से खरीद रहा है, जबकि पिछले साल यही दर 89.44 डॉलर प्रति बैरल थी। यानी एक साल में कीमतों में 22 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई है। विशेषज्ञों का कहना है कि वैश्विक स्तर पर आर्थिक विकास की धीमी रफ्तार और टैरिफ वॉर के चलते आने वाले समय में कच्चा तेल और भी सस्ता हो सकता है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, प्रतिष्ठित फाइनेंशियल फर्म गोल्डमैन सैक्स ने अनुमान लगाया है कि 2025 के शेष महीनों में कच्चे तेल की कीमत घटकर 63 डॉलर प्रति बैरल तक आ सकती है। वहीं खाड़ी देशों के संगठन ओपेक ने भी भविष्य की मांग को लेकर अपने अनुमान घटा दिए हैं। कुछ दिन पहले केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा था कि तेल कंपनियों के पास करीब 45 दिन का स्टॉक है, जो उन्होंने लगभग 75 डॉलर प्रति बैरल की दर से खरीदा है।

लेकिन अगर क्रूड की मौजूदा कीमतें बनी रहती हैं, तो आने वाले दिनों में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कटौती संभव है।

वाहन शुल्क पर अस्थायी रोक लगा सकता है अमेरिका

ट्रंप ने 27 मार्च को वाहनों तथा उसके घटकों पर 25 प्रतिशत शुल्क की घोषणा की थी

वाशिंगटन।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह वाहन उद्योग पर लगाए गए शुल्क पर अस्थायी रोक लगाने पर विचार कर सकते हैं, ताकि कार विनिर्माताओं को अपनी आपूर्ति श्रृंखलाओं को समायोजित करने का समय मिल सके। ट्रंप ने ओवल ऑफिस में पत्रकारों से चर्चा में कहा` कि मैं कुछ कार कंपनियों की मदद करने के बारे में सोच रहा हूं। रिपब्लिकन राष्ट्रपति ने कहा कि वाहन विनिर्माताओं को कनाडा, मैक्सिको और अन्य स्थानों से उत्पादन स्थानांतरित करने के लिए समय की जरूरत है क्योंकि वे उनका विनिर्माण वहां करना चाहते हैं। इसके लिए उन्हें थोड़ा समय चाहिए तो मैं ऐसी चीजों के बारे में बात कर रहा हूं। फोर्ड, जनरल मोटर्स और स्टेलांटिस का प्रतिनिधित्व करने वाली संस्था अमेरिकन ऑटोमोटिव पॉलिसी काउंसिल के अध्यक्ष ने कहा कि समूह ट्रंप के घरेलू उत्पादन बढ़ाने के लक्ष्य से सहमत है। इस बात को लेकर जागरूकता बढ़ रही है कि व्यापक शुल्क एक समृद्ध और बढ़ते अमेरिकी वाहन उद्योग के विनिर्माण के हमारे साझा लक्ष्य को कमजोर कर सकता है, इनमें से कई आपूर्ति श्रृंखलाओं में बदलाव में समय लगेगा। ट्रंप के बयान से शुल्क पर एक बार फिर से उलटफेर का संकेत मिलता है, क्योंकि उनके फैसले से वित्तीय बाजारों में घबराहट है और वॉल स्ट्रीट के अर्थशास्त्रियों में संभावित मंदी को लेकर गहरी चिंता उत्पन्न हो गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने 27 मार्च को वाहनों तथा उसके घटकों पर 25 प्रतिशत शुल्क की घोषणा की थी और इन्हें स्थायी करार दिया था।

हॉनर 400 और हॉनर 400 प्रो लॉन्च करने की तैयारी

नई दिल्ली।

हॉनर कंपनी जल्द ही स्मार्टफोन हॉनर 400 और हॉनर 400 प्रो लॉन्च करने की तैयारी में है। हाल ही में लीक हुए रेंडर्स से इन फोनों के डिजाइन और कुछ प्रमुख फीचर्स सामने आए हैं। हॉनर 400 के रेंडर्स से पता चलता है कि इसमें डुअल रियर कैमरा सेटअप होगा, जिसे एक सिंगल फ्रंट कैमरे के साथ जोड़ा गया है। कैमरा आइलैंड का डिजाइन पहले के मुकाबले अधिक गोल किनारों वाला है और फ्लैश मॉड्यूल को भी अब सर्कुलर आकार में दिखाया गया है। फोन के फ्रंट में चारों ओर समान मोटाई वाले बेजेल्स नजर आते हैं, जिससे इसकी प्रीमियम फिनिश का अंदाज़ा लगाया जा सकता है। सबसे बड़ा बदलाव डिस्प्ले में देखने को मिल सकता है। हॉनर 400 प्रो में फ्लैट डिस्प्ले होने की उम्मीद है, जबकि पिछले मॉडल में कर्व्ड डिस्प्ले था। हालांकि यह सारी जानकारियां अनऑफिशियल स्रोतों से मिली हैं, इसलिए कंपनी की आधिकारिक पुष्टि का इंतजार जरूरी है।

इससे पहले लॉन्च हुआ हॉनर 400 लाइट दमदार स्पेसिफिकेशन्स के साथ आया था, जिसमें 120 एचझेड अमोलेड डिस्प्ले, मीडियाटेक डायमेंसिटी 7025 चिपसेट, 108एमपी कैमरा और 5230 एमएच बैटरी जैसे फीचर्स शामिल हैं। हॉनर 400 प्रो मॉडल की बात करें तो इसमें ट्रिपल रियर कैमरा सेटअप है, जिसमें वर्टिकल फ्लैश मॉड्यूल भी शामिल है। रेंडर्स में इसके फ्रंट पर डुअल सेल्फी कैमरा दिखाया गया है। माना जा रहा है कि इसका मेन कैमरा 200 मेगापिक्सेल का होगा, जो कि पिछले मॉडल के 50 मेगापिक्सेल कैमरे से काफी बेहतर साबित हो सकता है।

वनप्लस 13टी जल्द ही बाजार में होगा लॉन्च

नई दिल्ली।

महंगे स्मार्टफोन का निर्माण करने वाली कंपनी वन प्लस अपने नए स्मार्टफोन वनप्लस 13टी को जल्द ही लॉन्च करने की तैयारी कर रही है। हाल ही में फोन का एक हैंड्स-ऑन वीडियो सामने आया है।

यह वीडियो चीनी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म वीबो पर शेयर किया गया था, जिसे टिपस्टर अभिषेक यादव ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट किया है। लीक वीडियो में फोन की रियर और साइड डिजाइन की हल्की झलक मिलती है, हालांकि पूरा डिजाइन साफ तौर पर नहीं दिखता।

इस फोन को लेकर बीते कुछ समय से लगातार लीक्स सामने आ रहे हैं, जिनमें इसके संभावित फीचर्स और स्पेसिफिकेशंस का खुलासा हुआ है। वनप्लस 13टी में 6.3 इंच का फ्लैट ओलेड डिस्प्ले हो सकता है, जो 1.5के रेजॉलूशन और 120 एचझेड रिफ्रेश रेट को सपोर्ट करेगा। डिस्प्ले की पीक ब्राइटनेस 1600 निट्स तक होने की संभावना है।

प्रोसेसर के तौर पर इसमें क्वालकॉम स्नैपड्रेगन 8 एलीट चिपसेट दिया जा सकता है। इसमें एलपीडीडीआर4एक्स रैम और यूएफएस 4.0 स्टोरेज हो सकती है।वनप्लस 13टी में वायफाय 7, ब्ल्यूटूथ 5.4, एनएफसी, ड्यूल स्टीरियो स्पीकर, एक्स-अक्सिस लीनियर मोटर और एक नया एक्शन बटन मिलेगा। यह

फोन मेटल फ्रेम के साथ आईपी68/69 रेटिंग और एंड्राएड 15 ओएस पर काम करेगा। कैमरा सेटअप की बात करें तो इसमें डुअल रियर कैमरे मिल सकते हैं, जिनमें 50 एमपी का मेन लेंस और 50एमपी का टेलीफोटो सेंसर शामिल होगा। सेल्फी के लिए 32 एमपी का फ्रंट कैमरा मिल सकता है।

फोन में 6100 एमएएच की बैटरी दी जा सकती है, जो 80वॉट फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट करेगी।

खाद्य वस्तुएं सस्ती होने से थोक मुद्रास्फीति मार्च में घटकर हुई 2.05 फीसदी

थोक मुद्रा स्फी ति मार्च 2024 में 0.26 प्रतिशत थी

नई दिल्ली।

खाद्य वस्तुओं के सस्ते होने के कारण मुद्रास्फीति मार्च में 2.05 प्रतिशत रह गई है, जो पिछले महीने की 2.38 प्रतिशत की तुलना में कम है। थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति में वार्षिक आधार पर वृद्धि देखी गई है, जो मार्च 2024 में 0.26 प्रतिशत थी। उद्योग मंत्रालय के बयान के अनुसार खाद्य उत्पादों, अन्य विनिर्माण, खाद्य वस्तुओं, बिजली, और कपड़े की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण मुद्रास्फीति में वृद्धि हुई है। सब्जियों की कीमतों में तेजी से गिरावट देखने में थोक मूल्य सूचकांक का भी बड़ा योगदान रहा। विनिर्मित उत्पादों की मुद्रास्फीति मार्च में बढ़कर 3.07 प्रतिशत हो गई है, जो फरवरी की 2.86 प्रतिशत से अधिक है। ईंधन और बिजली में भी वृद्धि की गई है और मार्च में यह 0.20 प्रतिशत रही है। इस मुद्रास्फीति का आंकड़े बताते हैं कि खाद्य वस्तुओं के सस्ते होने के बावजूद, अन्य विनिर्माण क्षेत्र में उत्पादन में वृद्धि दिखाई दे रही है। विभिन्न क्षेत्रों में मौजूद चुनौतियों के बावजूद, खाद्य उत्पादों में मुद्रास्फीति की दर में कमी आई है।

अमेरिका चीन से आयात कंप्यूटर चिप, दवाओं पर बढ़ाएगा शुल्क!

बैंकॉक। अमेरिकी प्रशासन ने चीन से आयात पर शुल्क बढ़ाने की तैयारी शुरु कर दी है, जिसमें कंप्यूटर चिप, चिप बनाने वाले उपकरण और दवा सहित अन्य उत्पाद शामिल हैं। वाणिज्य मंत्रालय ने इस आदेश के तहत जांच की घोषणा की है और सार्वजनिक टिप्पणी के लिए नोटिस जारी किया है। डोनाल्ड ट्रंप द्वारा पिछले सप्ताह दिए गए आर्डर में चीन से आए उत्पादों पर शुल्क बढ़ाने की प्रक्रिया को स्थगित कर दिया गया था, लेकिन अब कंप्यूटर चिप और उससे बनने वाले उत्पादों पर भी शुल्क लगाने की योजना बन रही है। वाणिज्य मंत्रालय ने इस निर्णय के पीछे राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करने का मंत्र बताया है और कंप्यूटर चिप और यहां तक कि कार, रेफ्रिजरेटर, स्मार्टफोन जैसे दैनिक उपयोग की वस्तुओं के आयात पर नजर बनाने की योजना बनाई है। इस कदम से अमेरिका के विदेशी व्यापार पर भारी आर्थिक प्रभाव हो सकता है, लेकिन राष्ट्रपति ट्रंप ने राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करने के लिए इस निर्णय का समर्थन किया है।

होम लोन पर ब्याज का बोझ कैसे घटाएं?

अपनाएं 2025 में ईएमआई कम करने के तरीके

नई दिल्ली।

पिछले दो वर्षों में भारत के प्रमुख शहरों में घरों की कीमतों में औसतन 18 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। एक रिपोर्ट के अनुसार अब औसत कीमत 7,989 रुपए से लेकर 34,026 रुपए प्रति वर्ग फुट के बीच पहुंच गए हैं। ऐसे में जहां एक ओर लोग घर खरीदने की लागत घटाने की कोशिश कर रहे हैं। वहीं उन्हें होम लोन की फाइनेंसिंग लागत कम करने पर भी ध्यान देना चाहिए। लोन के लिए अप्लाई करने से पहले अपना क्रेडिट स्कोर जरूर जांचें। बैंकबाजार डॉट कॉम के एक वे रिष्ठ अे धिकारी कहते हैं, होम लोन की ब्याज दरें आपके क्रेडिट स्कोर से जुड़ी होती हैं। अगर स्कोर अच्छा है तो आपको सबसे कम ब्याज दर मिल सकती है। आमतौर पर 750 से ऊपर का स्कोर अच्छा माना जाता है। अगर आपका स्कोर कम है, तो लोन लेने की योजना थोड़ी टाल दें और पहले अपने क्रेडिट प्रोफाइल को बेहतर बनाएं। अगर आपका क्रेडिट स्कोर 700 से कम है तो बैंक आपको लोन देने से मना कर सकते हैं। अे धिकारी कहते हैं, ऐसे में आपको नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनीया हाउसिंग फाइनेंस कंपनी का रुख करना पड़ सकता है, जो आमतौर पर ज्यादा ब्याज दर वसूलती हैं। किसी अन्य व्यक्ति के साथ मिलकर लोन लेने से आपकी लोन एलिजिबिलिटी बढ़ जाती है। हमेशा अधिकतम लोन-टू-वैल्यू रेश्यो लेने से बचें। मान लीजिए आप 1 करोड़ का घर खरीद रहे हैं और आपको 75 लाख तक लोन मिल सकता है। लेकिन अगर आप केवल 60 लाख का लोन लेते हैं, तो इससे आपको थोड़ी बेहतर ब्याज दर मिल सकती है। सबसे कम ब्याज दर पाने के लिए अलग-अलग लेंडर्स से ऑफर जानें।

शेयर बाजार भारी तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 1578 , निफ़्टी 500 अंक ऊपर आया

मुम्बई।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को भारी तेजी के साथ बंद हुआ । बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी रहने से आया है। अमेरिकी राष्ट्रति डोनाल्ड ट्रंप के 75 से ज्यादा देशों पर टैरिफ लगाये जाने पर अस्थाई रोक के बाद अमेरिकी बाजारों में तेजी आई । इसका सकारात्मक असर भारतीय बाजारों पर भी पडा। । एचडीएफसी बैंक , आईसीआईसीआई बैंक, एलएंडटी, रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारतीय एयरटेल जैसे शेयर ऊपर आये। दिन भर के कारोबार के बाद 30 तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 1577.63 अंक करीब 2.10 फीसदी की तेजी के साथ 76,734.89 अंक पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी अंत में यह 500 अंक तकरीबन 2.19 फीसदी ऊपर आकर 23,328.55 पर बंद हुआ। इस दौरान निवेशकों की सपत्ति में भी काफी बढ़त रही। कंपनियों का बाजार पूंजीकरण बढ़कर 412,29,007 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। वहीं शुक्रवार को यह 402,34,966 करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों की संपत्ति करीब 10 लाख करोड़ रुपये बढ़ गई। बाजार में तेजी का सबसे बड़ कारण ट्रंप की उस टिप्पणी को माना जा रहा है। इसमें उन्होंने ऑटोमोबाइल सेक्टर को टैरिफ से अस्थायी राहत देने की बात कही। ट्रंप ने कहा कि ÷ऑटोमोबाइल कंपनियों को कनाडा, मैक्सिको और अन्य जगहों से संयंत्र दूसरी जगह ले जाने के लिए समय चाहिए। आज अधिकर हेवीवेट शेयरों में भी बढ़त रही। इनमें एचडीएफसी बैंक , आईसीआईसीआई, एलएंडटी, रिलायंस इंडस्ट्री, भारती एयरटेल, एमएंडएम, एक्सिस बैंक और टाटा

मोटर्स जैसे शेयर शामिल हैं। इसके अलावा वैश्विक बाजारों में भी ट्रंप की टिप्पणी के बाद सकारात्मक माहौल रहा। जापान का निकेई इंडेक्स 1 फीसदी ऊपर था, ऑस्ट्रेलिया का एएसएक्स 200 0.37फीसदी ऊपर आया और हांगकांग के हेंगसेंगे इंडेक्स में 0.2 फीसदी की तेजी रही

वहीं वॉल स्ट्रीट पर डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 0.78 फीसदी बढ़कर 40,524.79 पर बंद हुआ। नैस्डैक कंपोजिट 0.64 फीसदी उछलकर 16,831.48 पर बंद हुआ। एसएंडपी 500 0.79 फीसदी बढ़कर 5,405.97 पर बंद हुआ।

हालांकि, वॉल स्ट्रीट फ्यूचर्स कम कारोबार कर रहा था। डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज वायदा 0.2 फीसदी नीचे आया।

इससे पहले आज सुबह बाजारों की लगातार दूसरे दिन जोरदार तेजी के साथ शुरुआत हुई। मंगलवार को बाजार 1600 अंक से ज्यादा उछलकर 76,852.06 पर खुला। इसी तरह निफ्टी भी तेजी के साथ 23,368.35 पर खुला।

एईटीएल को पीजीवीसीएल से मिली दो बिजली आपूर्ति परियोजनाएं

नई दिल्ली। अद्वैत एनर्जी ट्रांजिशन्स लिमिटेड (एईटीएल) ने कहा` कि उसे पश्चिम गुजरात विज कंपनी लिमिटेड (पीजीवीसीएल) से दो बिजली आपूर्ति परियोजनाएं हो सिल हुई है। कंपनी ने बयान में कहा` कि उसे दो प्रमुख बिजली आपूर्ति परियोजनाओं के लिए एल1 (सबसे कम बोली लगाने वाला) के तौर पर चुना गया। इसमें पीजीवीसीएल के नेटवर्क के भीतर दो महत्वपूर्ण क्षेत्रों के लिए 11 केवी (किलोवोल्ट) मध्यम वोल्टेज कवर कंडक्टर तथा उसके सहायक उपकरण की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण व उसे चालू करना शामिल है। एईटीएल बिजली पारेषण, दूरसंचार अवसंरचना व ऊर्जा परिवर्तन समाधान क्षेत्र की अग्रणी कंपनी है।

वित्त वर्ष 2024-25 में यात्री वाहनों की थोक बिक्री दो प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली। भारत में यात्री वाहनों की थोक बिक्री वित्त वर्ष 2024-25 में सालाना आधार पर दो प्रतिशत बढ़कर 43,01,848 इकाई हो गई। उद्योग निकाय सियाम ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के अनुसार वित्त वर्ष 2023-24 में थोक बिक्री 42,18,750 इकाई रही थी। यात्री वाहनों की थोक बिक्री मार्च महीने में 3,81,358 इकाई रही, जो मार्च 2024 के 3,68,090 वाहनों से चार प्रतिशत अधिक है।

टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी ने एनटीपीसी के साथ किया बिजली खरीद समझौता

मुंबई। टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड (टीपीआरईएल) ने घोषणा की कि उसने 200 मेगावाट नवीकरणीय ऊर्जा (आरई) परियोजना के लिए देश की सबसे बड़ी इंटीग्रेटेड बिजली कंपनी एनटीपीसी लिमिटेड के साथ बिजली खरीद समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते के तहत टीपीआरईएल की उम्मीद है कि सालाना लगभग 1,300 मिलियन यूनिट बिजली पैदा होकर कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन कम होगा। यह परियोजना सौर, पवन और बीईएसएस टेक्नोलॉजी को शामिल करेगी। इस परियोजना की चरणबद्ध सामरिकता से उम्मीद है कि यह देश भर में इसे 24 महीने के भीतर पूरा कर पाएगा। इसके साथ ही टीपीआरईएल की कुल नवीकरणीय ऊर्जा उपयोगिता क्षमता 10.9 गीगावाट तक पहुंच गई है और वितरण कंपनियों की पीक पावर सप्लाई की 90 फीसदी उपलब्धता सुनिश्चित करने की भी क्षमता मिली है। इस परियोजना से आशा है कि ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में हरित ऊर्जा समाधान पेश करने के साथ-साथ अन्य क्षेत्रों में भी ऊर्जा की सामरिकता में सुधार होगा।

बीवायडी ने इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री में बनाया नया रिकॉर्ड

नई दिल्ली।

बीवायडी कंपनी ने 2025 की पहली तिमाही में इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री के मामले में नया रिकॉर्ड बनाया है। वैश्विक स्तर पर कंपनी ने मार्च में 377,420 वाहन बेचे, जिससे क्यू 1 2025 में कुल बिक्री 990,711 यूनिट्स तक पहुंच गई।

यह आंकड़ा क्यू 1 2024 के 624,398 यूनिट्स की तुलना में 58.7प्रतिशत अधिक है। मार्च में बेचे गए वाहनों में 371,419 पैसेंजर कारें शामिल थीं, जो फरवरी 2025 से 15प्रतिशत और पिछले साल की तुलना में 23.1प्रतिशत अधिक है। वहीं कंपनी का उत्पादन भी इसी अवधि में 395,091 यूनिट्स तक पहुंच गया, जो पिछले साल की तुलना में 33प्रतिशत अधिक है। बीवायडी ने अप्रैल 2022 में आईसीई यानी इंटरनल कम्बशन इंजन वाले वाहनों का उत्पादन बंद कर दिया था और अब केवल बीईवी (बैटरी इलेक्ट्रिक व्हीकल) और पीएचईवी (प्लग-इन हाइब्रिड इलेक्ट्रिक व्हीकल) बेचती है। क्यू 1 2025 में कंपनी ने 416,388 बीईवी यूनिट्स बेचीं, जो क्यू1 2024 की 300,114 यूनिट्स से 39प्रतिशत अधिक है। हालांकि, बीईवी की कुल बिक्री हिस्सेदारी 42.2प्रतिशत रही, जो पिछले साल की पहली तिमाही में 48.1प्रतिशत थी। वहीं, पीएचईवी की बिक्री में जोरदार बढ़त देखी गई, जो क्यू 1 2025 में 569,710 यूनिट्स रही। यह क्यू 1 2024 के 324,284 यूनिट्स से 76 प्रतिशत अधिक है, और इनका

कुल बिक्री में हिस्सा 57.8प्रतिशत रहा।

बीवायडी ने साल 2023 में 3 मिलियन वाहन बेचे थे और 2024 में यह आंकड़ा 4.3 मिलियन तक पहुंचा। अब कंपनी को उम्मीद है कि 2025 में यह संख्या 5.5 मिलियन और 2026 में 6.5 मिलियन तक पहुंच जाएगी। मार्च 2025 तक बीवायडी की कुल इलेक्ट्रिक व्हीकल बिक्री 11.6 मिलियन यूनिट्स को पार कर गई है। मार्च 2025 में कंपनी ने 72,723 यूनिट्स का निर्यात किया, जो पिछले साल के मुकाबले 90प्रतिशत और फरवरी से 8.5प्रतिशत अधिक है। यह बीवायडी के इतिहास में सबसे अधिक मासिक निर्यात रहा। क्यू 1 2025 में कुल निर्यात 206,084 यूनिट्स रहा, जो साल-दर-साल 110.5प्रतिशत की बढ़त दर्शाता है।

ओकिनावा ऑटोटेक के राजस्व में वित्तीय वर्ष 2024 में 87 प्रतिशत की भारी गिरावट

नई दिल्ली।

भारतीय इलेक्ट्रिक वाहन उत्पादक ओकिनावा ऑटोटेक ने वित्त वर्ष 2024 में अपने राजस्व में 87 प्रतिशत की भारी गिरावट की दर्जा की है। कंपनी के नवीनतम वित्तीय आंकड़ों के अनुसार, ओकिनावा की कुल बिक्री वित्त वर्ष 2023 के 1,144 करोड़ रुपये से मात्र 182 करोड़ रुपये रह गई है। इसके साथ ही, कंपनी के परिचालन मार्जिन और आरओसीई में भी बड़ी गिरावट आई है, जिसमें ईबीआईटीडीए मार्जिन 25.8 प्रतिशत और आरओसीई 102 प्रतिशत तक गिर गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि इस गिरावट की मुख्य कारणों में प्रतिस्पर्धा में वृद्धि और बदलते बाजार के अनुसार तालमेल की कमी शामिल है। कंपनी ने गिरावट के चलते अपने खर्चों में कटौती करने की कोशिश की है, जैसे कि खरीद लागत 80 प्रतिशत और कर्मचारी लागत 16 प्रतिशत घटकर रह गई है। हालांकि, कुल व्यय 251 करोड़ रुपये में भी एक गाढ़ा गिरावट आई है। ओकिनावा ऑटोटेक अपने उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार करने और सुरक्षा मानकों को पूरा करने के लिए पहले से अधिक दबाव का सामना कर रही है। विश्लेषकों का कहना है कि ईवी बाजार में यह संघर्ष आवश्यक है और कंपनियों को अपनी रणनीति में नए उत्पादों की लागत को कम करके लगातार उन्नति करने की आवश्यकता है।

मोदी का नया मंत्र: देरी विकास का दुश्मन

उमेश चतुर्वेदी

लंबे समय तक गुजरात के मुख्यमंत्री रहते प्रधानमंत्री मोदी ने तंत्र की इस खामी को समझा था। सबसे पहले इस कमजोरी पर काबू पाने की उन्होंने गुजरात में कोशिश की और देश की कमान संभालने के बाद उन्होंने तंत्र से इस खामी को दूर करने की कोशिश की।

अमेरिकी लेखक जय एम फिनमैन की अमेरिकी बीमा कंपनियों के कामकाज को लेकर कुछ साल पहले एक पुस्तक आई थी, डिले, डिनाय, डिफेंड...अंग्रेजी के इन तीन शब्दों का अर्थ है टालना, इनकार करना और बचाव करना। इस पुस्तक में फिनमैन ने साबित किया है कि किस तरह बीमा कंपनियां दावों को टालती हैं, देने से इनकार करती हैं और फिर अपने फैसले का बचाव करती हैं। नौकरशाही से जिनका पल्ला पड़ता रहता है, उन्हें भी पता है कि नौकरशाही किस तरह फैसलों को टालती हैं, उनके हिसाब से योजना नहीं हुई तो उससे आगे बढ़ाने से इनकार कर देती है और आखिर में उस योजना का पलीता ही लगा देती है। इस देर और इनकार की कीमत आखिरकार जनता को चुकानी पड़ती है। अव्वल तो तय समय पर लोगों को सहूलियतें मिल ही नहीं पाती। लेकिन जब किसी वजह से परियोजना पर काम चलता भी है, तब तक बहुत देर हो चुकी होती है, उसकी लागत खर्च बढ़ चुकी होती है। आखिरकार इसकी कीमत देश को ही चुकानी पड़ती है।

लंबे समय तक गुजरात के मुख्यमंत्री रहते प्रधानमंत्री मोदी ने तंत्र की इस खामी को समझा था। सबसे पहले इस कमजोरी पर काबू पाने की उन्होंने गुजरात में कोशिश की और देश की कमान संभालने के बाद उन्होंने तंत्र से इस खामी को दूर करने की कोशिश की। प्रधानमंत्री का यह कहना कि देरी विकास का दुश्मन है और हमारी सरकार इस दुश्मन को हराने के लिए प्रतिबद्ध है, उनकी इसी सोच को जाहिर करता है। बीते दिनों एक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने परियोजनाओं में देरी को देश के विकास की बड़ा रोड़ा बताया है। अपने संबोधन में उन्होंने स्वीकार किया परियोजनाओं में देरी से प्रगति बाधित होती है, जबकि तात्कालिक कार्रवाई से विकास को बढ़ावा मिलता है। प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में असम के बोगीबील पुल परियोजन का उदाहरण दिया, जिसकी आधारशिला 1997 में तत्कालीन प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा ने रखी थी, बाद में सत्ता संभालते ही अटल बिहारी वाजपेयी ने इसका काम शुरू कराया। लेकिन बाद की सरकारों के दौरान पता नहीं किन वजहों से इस परियोजना का काम रोक दिया गया। जिसकी वजह से अरुणाचल प्रदेश और असम के लाखों लोगों को परेशानियां झेलनी पड़ीं। इस योजना पर दोबारा काम मोदी सरकार के आने के बाद शुरू हुआ और चार साल में यह पुल बनकर तैयार हुआ और 2018 इसे जनता के लिए खोला गया। अगर इसी हिसाब से देखें तो यह काम 2001 या अधिक से अधिक 2002 में पूरा किया जा सकता था। लेकिन ऐसा नहीं हो सका।

सत्ताएं बदलते ही कई योजनाएं रोक दी जाती हैं और राजनीतिक नफा-नुकसान को देखते हुए उन्हें ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है। केरल की कोल्लम बाईपास सड़क परियोजना को इसके उदाहरण के रूप में रखा जा सकता है। यह योजना 1972 में शुरू होनी थी, लेकिन नहीं हुई। तकरीबन पचास साल तक यह योजना लटकी रही। यह बात और है कि इस काम को मोदी सरकार ने ही पूरा किया। प्रधानमंत्री मोदी जब भी कोई नया काम शुरू करते हैं या देश के सामने कोई लक्ष्य रखते हैं, तो वे नया नारा भी गढ़ते हैं। ह्यदेरी विकास का दुश्मन हैह्न इस कड़ी में नया नारा है। देश में ऐसी कई परियोजनाएं मिल जाएंगी, जिन्हें तय वक्त तक पूरा नहीं किया जा सका। पूर्वी उत्तर प्रदेश और बिहार को जोड़ने के लिए घाघरा नदी पर मांझी में एक पुल है। प्रसिद्ध कवि केदारनाथ सिंह ने इस पुल को केंद्र मे रखकर कविता ही रच डाली है। इस पुल का शिलान्यास जनता पार्टी के शासनकाल के राज्य मंत्री चांद राम ने शुरू किया और दशकों तक इसका काम नहीं हो पाया। अरसे बाद यह पुल बनकर तैयार हो पाया। परियोजनाओं में देरी की ऐसी ढेरों कहानियां पूरे देश में फैली हुई हैं। प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में नवी मुंबई हवाई अड्डा परियोजना का भी इसी संदर्भ में उल्लेख किया है। देश की आर्थिक राजधानी के लिए बेहतर और सुगम हवाई सेवा की जरूरत से किसे इनकार हो सकता है। लेकिन नवी मुंबई में हवाई अड्डा बनाने की चर्चा साल 1997 में शुरू हुई। लेकिन उस परियोजना को ठीक दस साल बाद यानी 2007 में मंजूरी मिल पाई। लेकिन राजनीति और नौकरशाही से कोलाज वाले तंत्र की वजह से इस परियोजना पर ठोस रूप में काम नहीं हो पाया। प्रधानमत्री ने तो सीधे-सीधे इसके लिए इस दौरान केंद्र और महाराष्ट्र में काबिज रही कांग्रेस सरकारों को जिम्मेदार ठहराया। प्रधानमंत्री के अनुसार, कांग्रेस की सरकारों ने इस परियोजना में ना तो दिलचस्पी दिखाई, ना ही कोई कार्रवाई नहीं की। यह बात और है कि मोदी सरकार ने इस परियोजना के कामकाज में तेजी लाने की दिशा आगे बढ़ी है। उम्मीद की जा रही है कि जिस तरह दूसरी योजनाएं तेज गति से तय वक्त या उससे पहले पूरी हुईं, उसी गति और तेजी से नवी मुंबई हवाई अड्डा परियोजना भी पूरा होगी। देश के आर्थिक विकास की नींव नरसिंह राव ने साल 1991 में रखी थी, जिनके सहयोग से तत्कालीन वित्त मंत्री मनमोहन सिंह ने उदारीकरण की गति को तेज किया था। देश की आर्थिकी को लाइसेंस राज और लालफीताशाही से दूर किया था। उस बदलाव का असर भी दिखा। लेकिन राजकाज की कमान जिस तंत्र के हाथों में रही, वह पुरानी मानसिकता से ग्रस्त रहा। प्रधानमंत्री मोदी के सत्ता संभालने के बाद इस मानसिकता को थोड़ी लगाम जरूर लगी है। यह बात और है कि इस मोर्चे पर अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है।

ह्यदेरी, विकास का दुश्मन हैह्न के प्रधानमंत्री के नए मंत्र का ही असर कहा जाएगा कि आर्थिक मोर्चे पर तय लक्ष्यों को हासिल करना आसान हुआ। आर्थिक मोर्चे पर बदलाव का ही असर है कि कुछ ही वर्षों में दुनिया की 11वें नंबर से भारतीय अर्थव्यवस्था पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था बन गई है। दुनियाभर की विकास दर को कोरोना की महामारी ने बुरी तरह प्रभावित किया। आज की दुनिया के विकास का ईंधन एक तरह से जैविक ऊर्जा यानी पेट्रोल और डीजल है। अरब देशों के आपसी संघर्ष और रूस-यूक्रेन युद्ध के बावजूद भारत को पेट्रोलियम आपूर्ति में बाधा न पड़ना, चीन और अमेरिका के बीच जारी व्यापार युद्ध के बावजूद भारत की विकास दर में कमी ना आना, एक तरह के भारत के संकल्प का नतीजा है। बेशक इसके लिए राजनीतिक नेतृत्व जिम्मेदार है, लेकिन प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में इसका श्रेय युवाओं को दिया। उन्होंने कहा कि यह अभूतपूर्व बढ़ोतरी युवाओं की महत्वाकांक्षाओं और आकांक्षाओं से प्रेरित है। इससे दुनिया का भारत के प्रति नजरिया बदला है। पहले दुनिया मानती थी कि भारत धीरे-धीरे और लगातार प्रगति करेगा, उसी दुनिया को भारत अलग नजर आ रहा है। प्रधानमंत्री के शब्दों में कहें तो दुनिया अब देश को ह्यतेज और निडर भारतह्न के रूप में देख रही है। परियोजनाओं में देरी को विकास के दुश्मन के तौर पर प्रधानमंत्री का स्थापित करना एक तरह से राष्ट्रीय महत्वाकांक्षाओं और आकांक्षाओं को संबोधित करना है। विश्व गुरू बनने की आकांक्षा हो या आर्थिक या दूसरी तरह वैश्विक महाशक्ति बनना, इन लक्ष्यों को हासिल करने के लिए इसी सोच को हर स्तर पर ना सिर्फ आगे बढ़ाना होगा, बल्कि उसे राष्ट्रीय प्राथमिकता के तौर पर भी विकसित किया जाना होगा।

सबको पता है कि कई बार राजनीतिक कारणों से पहले की सरकारों की लाई या उनके द्वारा शुरू या जारी की गई योजनाएं लटका दी जाती हैं। लेकिन इसका एक दूसरा पक्ष भी है। कई बार नौकरशाही भी इस डिले, डिनाय और डिस्ट्राय यानी टालना, इनकार करना और खारिज करने के लिए जिम्मेदार होती है। आजादी के पचहतर साल बीतने के बावजूद नौकरशाही में यह मानसिकता बनी हुई है। अब भी तंत्र ऐसे ढेर सारे तत्व हैं, जो योजनाओं को लटकाने और टालने में भरपूर रूचि लेते हैं। एक तरह से ऐसी सोच वाला डीएनए तंत्र में फैला हुआ है। सरकारी तंत्र से जिनका रोजाना पल्ला पड़ता है, अक्सर वे भी फिनमैन जैसी ही सोच रखते हैं। आर्थिक मोर्चे पर भारत की सफलता दर अगर बढ़ी है तो उसके पीछे निश्चित तौर पर प्रधानमंत्री की दृष्टि है।

संपादकीय

बदलेंगे मनरेगा के नियम

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) को नई दिशा देने की कवायद एक अच्छा कदम माना जाएगा। एक संसदीय स्थायी समिति ने मनरेगा से जुडी चुनौतियों को देखते हुए और योजना को नया रूप देने के लिए एक स्वतंत्र सर्वेक्षण आयोजित करने का सुझाव दिया है, जिससे मनरेगा की प्रभावशीलता का आकलन हो सकेगा। हाल ही में बजट सत्र के समापन के अंतिम हफ्ते में संसद में पेश की गई एक रिपोर्ट में ग्रामीण विकास और पंचायती राज पर संसदीय स्थायी समिति ने योजना के तहत काम के दिनों की संख्या को वर्तमान 100 दिन से बढ़ाकर 150 दिन करने की सिफारिश की है। वहीं, समिति का सुझाव है कि मनरेगा के तहत मिलने वाली मजदूरी को कम से कम 400 रुपये प्रतिदिन तक बढ़ाया जाना चाहिए। दरअसल, मनरेगा के बजट आवंटन में पिछले कुछ वर्षो में ठहराव आया है। यहां तक कि केंद्र में भाजपा गठबंधन की सरकार सत्तासीन होने के बाद यह

आरोप भी लगा कि मोदी सरकार मनरेगा की अवधारणा को खुर्द-बुर्द करने पर आमादा है। दो महीने पहले पेश आम बजट में ग्रामीण रोजगार योजना के लिए आवंटन 86,000 करोड़ रु पये रखा गया है, जो पिछले वर्ष के समान है। इस बात को लेकर कांग्रेस ने मोदी सरकार पर आक्रामक रुख अपनाया। बजट के बाद कांग्रेस ने बकायदा प्रेस कांफ्रेंस कर आरोप लगाया था कि इस महत्त्वपूर्ण सुरक्षा कवच की 'उपेक्षा' ग्रामीण आजीविका के प्रति सरकार की उदासीनता को दशार्ती है। बहरहाल, देश के सांसद देर से ही सही मनरेगा मजदूरों की दुदर्शा सुधारने को लेकर अगर संवेदनशील दिख रही है तो इसका स्वागत किया जाना चाहिए। एक कल्याणकारी राज्य की सफलता का आकलन इस तथ्य से लगाया जा सकता है कि वहां सामाजिक-आर्थिक व्यवस्था के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के विकास को सुनिश्चित करने के लिए क्या प्रयास किए गए हैं। समग्र विकास की इस पृष्ठभूमि में मनरेगा ने महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा की है। चूंकि मौजूदा आर्थिक मंदी ने खासतौर पर देश के ग्रामीण क्षेत्रों को प्रभावित किया है और रोजगार के अवसरों को काफी कम कर दिया है, इस नाते संसदीय समिति का मनरेगा को लेकर उदार और सकरात्मक कदम उठाया जाना निश्चित तौर पर मजदूर तबके के लिए राहतकारी कदम होगा। अब श्रमिकों को कार्यक्रम से अन्यायपूर्ण तरीके से बाहर नहीं किया जा सकेगा। कुल मिलाकर मनरेगा मजदूरों की दशा और दिशा सुधरने की ओर यह कदम निःसंदेह बेहतरी लाएगा।

चिंतन-मनन

संयम से जीवन की उन्नति

कार्तिय माहात्म्य प्रवचनों में पं. रामनिवास ब्रजवासी जी ने कहा शरद ऋतु में की जाने वाली उपासनाओं से जहाँ चंद्र किरणों से प्राप्त होने वाले अमृत तत्व से देह का सिंचन होता है, वहीं सूर्य की रश्मियों की प्रचुर ऊर्जा से उस अमृत तत्व की शरीर में स्थिरता होती है इसीलिए कार्तिक मास में प्रात? पवित्र नदियों में स्नान कर भगवान विष्णु शालीग्राम स्वरूप की पूजा की जाती है।

इन दिनों ब्रजवासी जी कार्तिक माहात्म्य के माध्यम से श्रद्धालुओं को उपदेश दे रहे हैं। उन्होंने कहा भगवान विष्णु के सहस्त्रनाम का पाठ करने से मनुष्य के जीवन में संयम एवं धर्म में चलने की प्रेरणा मिलती है। जीवन को उन्नत बनाने में संयम का बहुत महत्व है। संयमी व्यक्ति कठिन परिस्थितियों में भी धैर्य को नहीं छोड़ता।

शालिग्राम पूजन में पंचामृत का महत्व बताते हुए उन्होंने कहा गाय का दूध, दही, घी व शहद और शक्कर से शालिग्राम भगवान का अभिषेक करना चाहिए। वस्तुतः इन पांचों का मंत्रोच्चारण के साथ मिल जाना ही पाँच प्रकार के अमृतों का मिलना है।

इसमें तुलसीदल डाल देने के बाद यह चरणामृत बन जाता है जिसका प्रसाद में ग्रहण कर लेने पर सभी प्रकार की आधियाँ-व्याधियाँ अर्थात मानसिक रोग तथा शारीरिक रोग दूर हो जाते हैं। हमारी उपासना विधियाँ जहाँ मनुष्य को धार्मिक बनाती है वही शारीरिक-मानसिक रूप से स्वस्थ भी बनाती है।

शिक्षक और सड़क दोनों मंजिल तक पहुंचाने के कारगर सेतु

किशन सनमुखदास भावानानी

भारत आदि-अनादि काल से संस्कृति,मानवीय सभ्यता, मान-सम्मान की संप्रभुता का अभूतपूर्व खजाना भारत माता की मिट्टी में ही समाहित रहा है। ऊपर से सोने पर सुहागा हमारे बड़े बुजुर्गों, बुद्धिजीवियों सहित आध्यात्मिकता के माध्यम से कहावतों, वचनों, शब्दों का ऐसा अनमोल पंक्तियों द्वारा हमारे पास स्वर्ण रूपी संयोजित है, जिसके एक एक शब्द में मोती भरे हैं ! अगर भारत का हर नागरिक इन पंक्तियों के बोध का ज्ञान अपने जीवन में अपना कर उसके अनुसार अपने जीवन को ढालें तो यह विचार, कहावतें उन पर आ रही विपत्तियों, तकलीफों, विपरीत समय में एक म जबूत ढाल का काम कर सकते हैं !वैसे तो अनेक पंक्तियां, शब्द, वाक्यांश हैं पर हम आज,, शिक्षक और सड़क दोनों एक एक जैसे हैं जो खुद जहां है वहीं रहते हैं मगर दूसरों को उनकी मंजिल तक पहुंचा ही देते हैं,, इसपर कुछ बातों का को सांझा कर शिक्षा ग्रहण करने की कोशिश करेंगे।

साथियों बात अगर हम शिक्षक और सड़क की करें तो दोनों हमारे लिए अति महत्वपूर्ण हैं क्योंकि आज के परिपेक्ष और डिजिटल भारत में, जैसे हमारा सांस लेना आवश्यक है। इसके बैगर हम जी नहीं सकते है। वैसे ही शिक्षक और सड़क के बिना विद्यार्थी और लोग अधूरे है। शिक्षक और सड़क नहीं होंगे तो वह विकास प्राप्त करने में असमर्थ हो जाएंगे।

साथियों बात अगर हम शिक्षक की करें तो, शिक्षक एक व्यक्ति को कुशल नागरिक बनाता है। शिक्षक वह प्रकाश है जो सभी के ज़िन्दगी में रोशनी भर देता है। शिक्षक एक मोमबत्ती रूपी ज्ञान का उजाला है जो लोगों को अँधेरे से निकालकर प्रकाश की ओर ले जाती है। शिक्षक की भूमिका किसी से छिपी नहीं है। शिक्षक अपने शिक्षा के जरिये व्यक्ति समाज और राष्ट्र का निर्माण करता है। उनकी शिक्षा की वजह से व्यक्ति में आत्मविश्वास का संचार होता है जिसकी वजह से वह अपने ज़िन्दगी में कुछ कर गुजरने की चाहत रखता है। शिक्षक एक खूबसूरत आईने की तरह है जिससे व्यक्ति अपने वजूद की पहचान कर पाता है। शिक्षा वह मजबूत ताकत है जिससे हम समाज को सकारात्मक बदलाव की ओर ले जा सकते है। शिक्षक विद्यार्थिओं का मार्ग दर्शक है। ज़िन्दगी के कठिन मोड़ पर जब हम रास्ता भटक जाते है तो कोई न कोई इंसान शिक्षक के रूप में अपनी भूमिका निभाता है। कम उम्र में बच्चे का जीवन गीली मिटटी की तरह होता है। तब शिक्षक एक कुम्हार की तरह उसे शिक्षा रूप हाथों से एक मजबूत आकार प्रदान करता है।शिक्षक विद्यार्थिओं को आने वाले बेहतर भविष्य के लिए तैयार करते है। विद्यार्थी के मन में विषय संबंधित और जीवन संबंधित कोई भी दुविधा आये तो शिक्षक उस दुविधा को हल करने में हर मुमकिन कोशिश करता है।

शिक्षक की मेहनत की वजह से कोई डॉक्टर ,कोई इंजीनियर कोई वकील,सीए,पायलट सैनिक इत्यादि बन कर अपनी मंजिल पर पहुंच जाते है।अगर शिक्षक नहीं होंगे तो यह पद पर कोई व्यक्ति कार्यरत नहीं हो पाएंगे । शिक्षक इंसान को अच्छे और बुरे के बीच फर्क करना सिखाते है। वह अधर्म ,घृणा ,ईर्ष्या ,हिंसा इन बुरी आदतों से विद्यार्थिओं को दूर रहना सिखाते है। शिक्षक शिष्टता ,सहनशीलता ,धैर्य से जीवन के संघर्षों से पार करना सिखाते है। इसलिए हम कह सकते हैं कि शिक्षक विद्यार्थियों को उनकी मंजिल तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण रोल अदा करता है।

साथियों बात अगर हम सड़क की करें तो, किसी भी देश के आर्थिक विकास में यातायात एवं संचार के साधनों की महत्वपूर्ण भूमिका होती हैं। देश का कृषि, व्यापार व औद्योगिक विकास परिवहन के साधनों पर ही निर्भर करता हैं।परिवहन एक महत्वपूर्ण तृतीयक व्यवसाय हैं। आज के परिपेक्ष में बिना सड़क के मानवीय जीवन अधूरा है। इसके बिना जीवन की गाड़ी को आगे बढ़ाने के बारे में सोचा भी नहीं जा सकता, हालांकि हजारों या सैकड़ों वर्षों पहले हमारे पूर्वज उस परिस्थितियों से दो चार हुए होंगे पर अभी आधुनिक डिजिटल युग में यह संभव नहीं।

साथियों बात अगर हम सड़क निर्माण के विशाल चरणों और सड़क के महत्व की करें तो, सड़क निर्माण में कार्य के कई चरण हैं, जैसे क्षेत्र सर्वेक्षण, मिट्टी सर्वेक्षण, यातायात सर्वेक्षण, ज्यामितिक डिजाइन, संरचनीय डिजाइन, और वास्तविक निर्माण क्षेत्र। भारत में सड़कें हाथों के श्रम से, या यंत्रों से, बनाई जाती है। पहले देश में मजदूर बहुतायत से मिलते थे जिसके कारण शारीरिक श्रम का ही अधिकतर प्रयोग किया जाता है, परंतु अब सब मशीनीकरण से हो गया है। भारतीय सड़कों का जाल विश्व का सबसे बड़ा सड़क जाल है। सड़क परिवहन छोटी एवं मध्यम दूरी तय करने का एक महत्वपूर्ण साधन है। यह विश्वसनीय, तेज, लचीला तया मांगपूरित तरीका है, जो घर-घर जाकर सेवाएं उपलब्ध करा सकता है। यह गांवों को बाजारों, कस्बों, प्रशासनिक व सांस्कृतिक केन्द्रों से जोड़ता है और इस प्रकार उन्हें देश की मुख्य धारा में शामिल करता है। सड़क परिवहन सुदूरवर्ती पहाड़ी, मरुस्थलीय, जनजातीय तथा पिछड़े क्षेत्रों को जोड़ता है। सड़कें भी विभिन्न प्रकार के लोगों को अपनी मंजिल तक पहुंच आती है जैसे, राष्ट्रीय राजमार्ग-ये राजमार्ग देश की चौड़ाई एवं लंबाई के अनुसार बिछाये गये हैं। ये राज्यों की राजधानियों, बंदरगाहों, औद्योगिक व खनन क्षेत्रों तथा राष्ट्रीय महत्व के शहरों एवं कस्बों को जोड़ते हैं।प्रांतीय राजमार्ग- ये एक राज्य के भीतर व्यापारिक एवं सवारी यातायात के मुख्य आधार होते हैं। ये राज्य के प्रत्येक कस्बे को राज्य की राजधानी, सभी जिला मुख्यालयों, राज्य के महत्वपूर्ण स्थलों तथा राष्ट्रीय राजमार्ग से संलग्न क्षेत्रों के साथ जोड़ते हैं। जिला सड़केंः ये सड़कें बड़े गांवों एवं कस्बों को एक-दूसरे से तथा जिला मुख्यालय से जोड़ती हैं। ये अधिकांशतया कच्ची होती हैं। इनका निर्माण एवं रख-रखाव जिला परिषदों या सम्बंधित सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा किया जाता है। ग्रामीण सड़केंः ये सड़कें गांवों को जिला सड़कों से जोड़ती हैं। ये सड़कें प्रायः कच्ची, संकरी तथा भारी वाहन यातायात के अनुपयुक्त होती हैं। इनका निर्माण एवं रख-रखाव ग्राम पंचायतों द्वारा किया जाता है। इन चारों के अतिरिक्त, सड़कों के तीन और अन्य प्रकार हैं- सीमा सड़कें, अंतरराष्ट्रीय राजमार्ग और द्रुत राजमार्ग।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि शिक्षक और सड़क मंजिल तक पहुंचाने के सेतु हैं,शिक्षक और सड़क दोनों एक जैसे जो खुद जहां है वहीं रहते हैं मगर दूसरों को उनकी मंजिल तक पहुंचा ही देते हैं। किसी भी देश के आर्थिक, बौद्धिक विकास में शिक्षक और सड़क की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करना वर्तमान समय की मांग।

(-संकलनकर्ता लेखक - कर विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए(एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र)

कृषि कार्यबल में बढ़नी चाहिए महिलाओं की भागीदारी

अमित बैजनाथ गर्ग

हाल ही में भारतीय प्रबंधन संस्थान-अहमदाबाद की ओर से एक निजी कंपनी के साथ मिलकर तैयार की गई रिपोर्ट में बताया गया है कि देश के कृषि कार्यबल में 64.4 प्रतिशत महिलाएं हैं, लेकिन सिर्फ 6-10 प्रतिशत महिलाएं कृषि और इससे संबंधित शीर्ष कंपनियों में नेतृत्वकारी पदों पर हैं।

रिपोर्ट ने देश के कृषि क्षेत्र में महिलाओं की भूमिका और शीर्ष पदों पर उनकी कम उपस्थिति के बीच गहरी खाई को उजागर किया है। रिपोर्ट कहती है कि कृषि व्यवसाय का भविष्य महिलाओं को शिक्षा, कार्यस्थलों में समावेश बढ़ाकर और नेतृत्व विकास के माध्यम से सशक्त बनाने में निहित है।

रिपोर्ट में यह तथ्य सामने आया है कि कृषि शिक्षा कार्यक्रमों में महिलाओं का 30-40 प्रतिशत नामांकन होता है, लेकिन इनमें से बहुत कम महिलाएं औपचारिक कृषि क्षेत्र में रोजगार पाती हैं। रिपोर्ट के हवाले से विशेषज्ञों का कहना है कि कृषि क्षेत्र में महिलाओं की मजबूत भागीदारी और उच्च शैक्षणिक उपस्थिति के बावजूद औपचारिक रोजगार में उनकी भागीदारी नगण्य है। इसे बढ़ाने पर जोर दिया जाना पहली प्राथमिकता होनी चाहिए।

रिपोर्ट ने महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए कई रणनीतियां सुझाई हैं, जिनमें महिलाओं को संसाधनों तक समान पहुंच सुनिश्चित करना, महिलाओं के लिए विशेष रूप से तैयार किए गए प्रशिक्षण कार्यक्रम लागू करना और समावेशी कार्यस्थलों को बढ़ावा देकर महिलाओं को नेतृत्व के लिए प्रेरित करना शामिल हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि देश में कृषि परिदृश्य एक आश्चर्यजनक विरोधाभास प्रस्तुत करता है। महिलाएं कृषि कार्यबल और शैक्षिक समूहों का एक महत्त्वपूर्ण हिस्सा हैं, फिर भी स्नातकों का एक बड़ा हिस्सा औपचारिक रोजगार संरचनाओं में प्रवेश नहीं कर पाता है। हमें इस स्थिति पर गंभीरता से विचार करते हुए समाधान के रास्ते खोजने होंगे।

असल में कृषि का नारीकरण एक जटिल और बहुआयामी प्रक्रिया है, जो कई सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक कारकों से प्रभावित होती है। कृषि में महिलाओं की पूर्ण और समान भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए कई चुनौतियों का समाधान किया जाना बाकी है। राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कार्यालय के आंकड़ों के अनुसार, भारत में कृषि श्रम बल में महिलाएं महत्त्वपूर्ण अनुपात में हैं। 2010-11 की अवधि में लगभग 43 प्रतिशत किसान और 52 प्रतिशत कृषि मजदूर महिलाएं थीं।

महिलाओं ने हमेशा कृषि में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है, चाहे वे किसान हों या मजदूर। हालांकि उनके योगदान को अक्सर अनदेखा किया जाता है और कम करके आंका जाता है। उन्हें इस क्षेत्र में समान भागीदारी और निर्णय लेने में कई बाधाओं का सामना करना पड़ता है। देश में कृषि के महिलाकरण को बढ़ावा देने वाले मुख्य कारकों में से एक इस क्षेत्र में पुरु ष श्रम शक्ति में गिरावट है। यह गिरावट कई कारकों से प्रेरित है, जिसमें कृषि का मशीनीकरण, गैर-कृषि रोजगार की ओर बदलाव और बेहतर रोजगार के अवसरों की तलाश में पुरु षों का शहरी क्षेत्रों में पलायन शामिल है।

नतीजतन, महिलाओं ने कृषि में अधिक से अधिक जिम्मेदारियां और भूमिकाएं निभाई हैं, जिसमें कृषक और खेत प्रबंधक के रूप में शामिल हैं। कृषि में महिलाओं के अवैतनिक और अनौपचारिक श्रम की मान्यता और मूल्य को बढ़ावा देना जरूरी है। व्यावसायिक प्रशिक्षण और विस्तार कार्यक्रमों सहित कृषि में महिलाओं की शिक्षा और प्रशिक्षण को समर्थन देने वाली नीतियों और कार्यक्रमों का कार्यान्वयन करना होगा। किसान संगठनों, सहकारी समितियों और अन्य स्थानीय संस्थाओं सहित सभी स्तरों पर निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा देना होगा। महिलाओं के भूमि स्वामित्व को बढ़ावा देना, ताकि उन्हें विभिन्न कृषि योजनाओं के तहत लाभ प्राप्त करने में मदद मिल सके। महिला-केंद्रित विस्तार सेवाओं का विकास करना जैसे कृषि मशीनों का नवप्रवर्तन करना, जो महिलाओं के उपयोग के लिए बेहतर अनुकूल हों, लाभकारी होगा।

कृषि में महिलाओं की भूमिका अहम है। वे कृषि के कई काम करती हैं जैसे कि बीजों का चयन, खेतों की

जुताई, फसल की कटाई, मवेशी प्रबंधन, दूध दुहना, चारा इकट्ठा करना और खाद्य उत्पादन। कृषि में महिलाओं की भागीदारी दर अलग-अलग क्षेत्रों में अलग-अलग होती है। कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि कृषि का नारीकरण एक महत्त्वपूर्ण प्रक्रिया है, जो लैंगिक समानता को बढ़ावा देने और क्षेत्र की स्थिरता और उत्पादकता में सुधार के लिए आवश्यक है।

कृषि में महिलाओं के सामने आने वाली चुनौतियों और बाधाओं को दूर करके तथा उनकी पूर्ण और समान भागीदारी का समर्थन करके एक अधिक न्यायसंगत और समृद्ध कृषि क्षेत्र बनाना संभव होगा, जो समाज के सभी सदस्यों को लाभान्वित करेगा। कृषि क्षेत्र के साथ ही देश के विकास के लिए ऐसा करना जरूरी है। सरकार के साथ समाज भी जब ऐसे कार्यक्रमों के लिए आगे आएगा, तभी देश का संपूर्ण विकास संभव है। इस विकास को हमें क्रियाशील बनाना ही होगा।

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ्र 09 पटना झ्र 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया ।सम्पादकः श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवारे मैनेजिंग एडिटरः डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादकः डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादकः तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।

कृष 4 से बॉलीवुड में दमदार वापसी करने जा रहीं प्रियंका

कृष फेंचाइजी को लेकर हाल ही में एक बड़ी जानकारी सामने आई है। खबर है कि इस बार प्रियंका चोपड़ा जोनस भी इस फिल्म के जरिए फेंचाइजी में वापसी करने वाली हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक प्रियंका चोपड़ा ने कृष 4 में लीड एक्ट्रेस का रोल साइन कर लिया है। बताया जा रहा है कि प्रियंका, ऋतिक की इस फिल्म के विजन से इतनी प्रभावित हुईं कि उन्होंने तुरंत हामी भर दी। वह ऋतिक के डायरेक्शन में काम करने को लेकर भी काफी उत्साहित हैं। फैंस भी इस खबर से खुश हैं, क्योंकि कृष और कृष 3 में प्रियंका और ऋतिक की जोड़ी को खूब पसंद किया गया था। उनकी ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री ने दर्शकों का दिल जीत लिया था।

जादू की भी होगी एंट्री

फिल्म में एक और खास किरदार की वापसी की खबर है। कहा जा रहा है कि इस फेंचाइजी का प्यारा एलियन जादू भी कृष 4 में नजर आएगा। जादू का किरदार हमेशा से फैंस का फेवरेट रहा है और अब उसकी वापसी की खबर ने उत्साह को दोगुना कर दिया है। यह देखना दिलचस्प होगा कि इस बार जादू की क्या भूमिका होगी।

राकेश रोशन कर चुके हैं एलान

28 मार्च को फिल्म निर्माता और निर्देशक राकेश रोशन ने एक खास पोस्ट के जरिए जानकारी दी थी कि अब कृष 4 का निर्देशन उनके बेटे ऋतिक रोशन करेंगे। राकेश रोशन ने लिखा था, डुग्गू, 25 साल पहले मैंने तुम्हें एक एक्टर के तौर पर लॉन्च किया था। आज 25 साल बाद मैं और आदित्य चोपड़ा तुम्हें डायरेक्टर के तौर पर लॉन्च कर रहे हैं। यह हमारी सबसे खास फिल्म कृष 4 होगी। इस रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि कृष 4 की शूटिंग 2026 की शुरुआत में शुरू होगी।

साउथ की फिल्म में भी दिखेंगी प्रियंका

कृष 4 के अलावा प्रियंका एक और बड़ी भारतीय फिल्म में नजर आएंगी। वह एसएस राजामौली की पैन-इंडिया फिल्म में काम कर रही हैं, जिसका शुरुआती नाम एसएसएमबी 29 है। इस फिल्म में साउथ के सुपरस्टार महेश बाबू लीड रोल में हैं। हाल ही में फिल्म की टीम ओडिशा में शूटिंग के दौरान देखी गई थी।

मुझे अपने लिए गाना है, प्रियंका और दीपिका को देना चाहती हैं आवाज

छोटे पर्दे के चर्चित म्यूजिक रिएलिटी शो इंडियल आइडल के 15वें सीजन की ट्रॉफी सुरीली आवाज की धनी सिंगर मानसी घोष ने अपने नाम कर ली। इंडियन आइडल 15 से पहले एक और म्यूजिक रिएलिटी शो सुपर सिंगर के तीसरे सीजन की रनर-अप रहीं मानसी शुरू से ही शो की पसंदीदा प्रतिभागियों में से थीं। मानसी घोष ने बहुत कम उम्र में ही संगीत की साधना शुरू कर दी थी। अपने संगीत प्रेम के बारे में उन्होंने बताया, जैसा कि पारंपरिक बंगाली परिवारों में होता है, मैं बहुत छोटी थी, तब से गाना सीखना शुरू किया। मेरी मम्मी को गाने का बहुत शौक था। वो चाहती थीं कि मैं सिंगर बनूं, तो मैंने 4 साल की उम्र में गाना शुरू कर दिया था। फिर, बड़ी होते हुए मुझे समझ में आ गया था कि मुझे सिंगर ही बनना है। दूसरा सिंगिंग रिएलिटी शो करने की वजह? सुपर सिंगर की रनर-अप बनने के बावजूद फिर रिएलिटी शो में भागीदारी की वजह पूछने पर मानसी बताती हैं, सुपर सिंगर एक बंगाली शो था, जबकि मैं नैशनल टीवी पर आना चाहती थी, इसलिए मैंने इंडियन आइडल का ऑडिशन दिया। वहीं, शो में अपने सफर के बारे में उनका कहना है, यह बहुत मजेदार और जादुई सफर था। मैंने सोचा नहीं था कि मैं शो जीतूंगी। पहले दिन से मेरी सोच ये थी कि इतनी मेहनत करूं कि फाइनलिस्ट बन जाऊं। मैं गाने पर ध्यान देना चाहती थी और वही किया, जिसके लिए मुझे बहुत प्यार मिला। शो जीतना तो सोने पर सुहागा था।

इंडिपेंडेंट म्यूजिक में बनाना है करियर

वहीं, आगे के प्लान्स के बारे में मानसी बताती हैं, मुझे आगे लाइव शोज करने हैं। गाने बनाने हैं। मुझे कंपोज करने का भी शौक है, तो मुझे इंडिविजुअल म्यूजिक में काम करना है। हालांकि, मैं प्लेबैक के लिए भी कोशिश करूंगी। मगर अभी सारे ट्रेंडिंग गाने इंडिपेंडेंट आर्टिस्ट के ही हैं। अभी इंडिपेंडेंट म्यूजिक का दौर चल रहा है और मैं वही करना चाहती हूं। अपनी प्राइज मनी का इस्तेमाल भी उसी के लिए करना है।

इन दो एक्ट्रेसेस के लिए चाहती हैं गाना

मानसी किसी एक्ट्रेस के लिए गाना चाहेंगी? यह पूछने पर वह कहती हैं, मुझे खुद के लिए गाना है। मैं खुद के लिए गाती हूं। अपनी ऑडियंस के लिए गाती हूं। बाकी, एक्ट्रेसेस में मुझे प्रियंका चोपड़ा और दीपिका पादुकोण पसंद हैं तो यही दो नाम सबसे पहले आते हैं।

तेजस्वी के साथ शादी की खबरों पर नाराज हुए करण

टीवी एक्टर करण कुंद्रा और तेजस्वी प्रकाश काफी वक्त से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। दोनों के फैंस को इनकी शादी का इंतजार है। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि जल्द ही एक रियलिटी शो में दोनों सगाई कर सकते हैं। लेकिन, इस तरह की अफवाहों पर हाल ही में करण कुंद्रा ने नाराजगी जताई है। उन्होंने बाकायदा सोशल मीडिया पोस्ट शेयर किया है। करण कुंद्रा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें लिखा है, नए जमाने के प्यारे टैबलॉयड। मैं अपनी शादी की खबरें पढ़-पढ़कर परेशान हो गया हूं। मैं क्योंकि दुबई में हूं तो अपनी सगाई का एलान शो पर करूंगा। आपमें से कई सारे लोग मुझसे और मेरे एजेंट से एक कॉल दूर हैं। आप कॉल करके कंफर्म क्यों नहीं कर लेते? अभी थोड़ा ज्यादा हो रहा है। करण ने आगे लिखा है, मेरी शादी, सगाई, रोका, बच्चा, ब्रेकअप, मिडलाइफ क्राइसिस मैं खुद एनाउंस कर लूं प्लीज। मेरी तरफ से आप सभी को बहुत प्यार और शुभकामनाएं।

न्यासा का एक्टिंग में फिलहाल कोई इंटरेस्ट नहीं है

बॉलीवुड के पावर कपल कहे जाने वाले काजोल और अजय देवगन की बेटी न्यासा देवगन अक्सर चर्चा में रहती हैं। कभी किसी फैशन इवेंट में शिरकत करती हैं, तो कभी किसी स्टार किड पार्टी में अपने दोस्तों के साथ मस्ती करती दिख जाती हैं। सोशल मीडिया पर उनकी तस्वीरें वायरल होती हैं और हर बार एक सवाल फिर से उठता है - क्या न्यासा फिल्मों में आने वाली हैं? लेकिन हाल ही में एक इवेंट में जब काजोल से ये सवाल सामने आया, तो उन्होंने बहुत ही साफ और बिना घुमाए जवाब दिया - नहीं। उसने खुद तय कर लिया है कि फिलहाल उसका फिल्मों में आने का कोई इरादा नहीं काजोल हाल ही में एक इवेंट में गेस्ट बनकर पहुंची थीं। बातचीत के दौरान जब उनसे बेटी न्यासा के बॉलीवुड डेब्यू को लेकर सवाल किया गया, तो काजोल मुस्कुराते हुए बोलीं, बिलकुल नहीं... नो। वो 22 साल की हो गई है, होने वाली है अभी। मुझे लगता है कि उसने अपना मन बना लिया है कि नहीं आने वाली है अभी। इवेंट में काजोल से पूछा गया कि अगर कोई नया लड़का या लड़की फिल्म लाइन में आना चाहता है, तो वो उसे क्या सलाह देंगी? इस पर काजोल ने कहा, सबसे पहली बात, हर किसी से सलाह मत लो। क्योंकि अगर तुम पूछोगे कि क्या करना चाहिए, तो सौ लोग खड़े हो जाएंगे और कहेंगे - नाक बदलो, हाथ बदलो, बालों का रंग बदलो, ये करो, वो करो और वैसे ही इंसान कन्फ्यूज हो जाता है।

अगली फिल्म में 'मां' के रोल में नजर आएंगी काजोल

काजोल की अगली फिल्म का नाम है मां, जो एक माइथोलॉजिकल हॉरर ड्रामा है। इस फिल्म को विशाल फुरिया डायरेक्ट कर रहे हैं। फिल्म का फर्स्ट लुक मार्च में सामने आया था, जिसमें काजोल एक मजबूत मां के रोल में दिखीं, जो किसी भी हद तक जाकर अपनी बेटी की हिफाजत करती है। इस फिल्म में उनके साथ नजर आएंगे रोनित रॉय, इंद्रनील सेनगुप्ता और खेरिन शर्मा। मां 27 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

इमरान हाशमी ने नेपोटिज्म पर की खुलकर बात

बॉलीवुड अभिनेता इमरान हाशमी ने अपनी कजिन आलिया भट्ट की जमकर तारीफ की है। हाल ही में रणवीर अल्लाहबादिया के पॉडकास्ट द रणवीर शो में इमरान से आलिया की कामयाबी और नेपोटिज्म को लेकर सवाल किए गए। इमरान ने इस पर खुलकर जवाब देते हुए कहा कि आलिया ने अपनी मेहनत और प्रतिभा से यह मुकाम हासिल किया है। उन्होंने यह भी कहा कि पुरानी पीढ़ी नई पीढ़ी के लिए रास्ता आसान करती है, लेकिन आलिया का स्टारडम उनकी अपनी मेहनत का नतीजा है। रणवीर ने जब इमरान से पूछा कि क्या महेश भट्ट के लंबे करियर का आलिया को फायदा मिला? इस पर जवाब देते हुए इमरान ने बेहद साफगोई से जवाब देते हुए कहा, हर पीढ़ी अपने बच्चों के लिए एक सीढ़ी की तरह काम करती है। मेरे पिता या दादा-दादी से मुझे जो सीख मिली, उसने मुझे इंडस्ट्री को समझने में मदद की। ठीक वैसे ही, महेश भट्ट ने आलिया को सलाह और अनुभव जरूर दिए होंगे। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं कि आलिया की कामयाबी सिर्फ इस वजह से है। इमरान ने साफ किया कि फिल्म इंडस्ट्री में बिना बैकग्राउंड वाले लोग भी सुपरस्टार बने हैं, लेकिन जिन्हें मार्गदर्शन मिलता है, उनके लिए रास्ता थोड़ा आसान हो जाता है।

आलिया की मेहनत की जमकर की तारीफ

इमरान ने आलिया की तारीफ करते हुए कहा, आलिया अपने दम पर स्टार बनी हैं। उन्होंने जो कुछ हासिल किया है, वह उनकी मेहनत और प्रतिभा का नतीजा है। एक्टिंग का सफर बहुत अकेला होता है। आपको खुद कैमरे के सामने जाकर परफॉर्म करना पड़ता है। इसमें कोई और आपकी मदद नहीं कर सकता। इमरान ने यह भी कहा कि आलिया बेहद मेहनती हैं और अपनी हर भूमिका में जान डाल देती हैं।

इमरान ने इस बातचीत के दौरान एक पुराना किस्सा भी साझा किया जो आलिया के संघर्ष को बयां करता है। उन्होंने कहा, जब आलिया को अपना पहला शॉट देना था तो वह बहुत घबराई हुई थीं। वह ऑफिस आईं और मुझसे सलाह मांगने लगीं। अगले दिन उनका पहला शॉट था, इसलिए वह काफी नर्वस थीं। लेकिन सच कहूं तो उन्हें मेरी सलाह की जरूरत नहीं थी। वह खुद में एक शानदार एक्टर हैं।

इमरान की कजिन हैं आलिया

क्या आप जानते हैं कि इमरान और आलिया कजिन्स हैं? इमरान की दादी मेहरबानो मोहम्मद अली (जिन्हें पूर्णिमा दास वर्मा के नाम से जाना जाता था) और महेश भट्ट की मां शिरीन मोहम्मद अली बहनें थीं। यानी आलिया, जो महेश भट्ट की बेटी हैं, इमरान की कजिन हैं।

राज को तो उनकी मां ने पत्नी की इज्जत करना सिखाया है

एक्ट्रेस पत्रलेखा ने पहली ही फिल्म सिटी लाइट्स से खुद को अच्छी अदाकारा साबित कर दिया था, मगर उन्हें दमदार रोल अब जाकर सीरीज आईसी 814 द कांधार हाइजैक और फुले जैसी फिल्म में मिल रहे हैं। फुले में महान समाज सुधारक सावित्री बाई फुले की भूमिका निभा रहीं पत्रलेखा से हमने कई पहलुओं पर खास बातचीत की -

सावित्री बाई फुले भारत में लैंगिक समानता और फेमिनिस्ट आंदोलन की अग्रणी रही हैं। क्या आपने लड़की होने के कारण गैर बराबरी झेली है?

बिल्कुल झेली है। मैंने बचपन से इन चीजों का सामना किया है और ये असमानता अब भी हमारे समाज में है, पर मेरा मानना है कि एक स्ट्रॉन्ग मां ही इसमें बदलाव ला सकती है। वो ही अपने बेटे को समझा सकती है कि लड़की-लड़का सब एक है। यह आपके घर से शुरू होगा, जो मैंने अपने घर में देखा है। मेरे पैरंट्स की शुरू से यह सोच रही कि जो मुझे और मेरी बहन को दिया जाएगा, वही मेरे भाई को दिया जाएगा। चाहे वो पढ़ाई हो या दुर्गापूजा के कपड़े हों या खाना, हमारे घर में हर चीज में बराबरी थी, लेकिन बाहर लड़की होने की वजह से मैंने ईव-टीजिंग वगैरह काफी सही हैं।

कभी इस गैर बराबरी के खिलाफ आवाज उठाई?

बहुत वक्त के बाद। यह आवाज उठाना मुझे राज एक्टर पति राजकुमार राव ने छह-सात साल पहले सिखाया था। वरना, पहले जब ईव टीजिंग होती थी, जो हमारे साथ होती ही रहती है कि कोई भी रास्ते पर कुछ बोलकर, करके चला जाता है, तब मुझे बहुत बुरा लगता था, गुस्सा आता है, मगर मैं कुछ नहीं बोलती नहीं थी। मैं चुपचाप अपना सिर नीचे करके चली जाती थी। मुझे याद है, कॉलेज के वक्त हम बस से किसी ट्रिप पर जा रहे थे। जब मैं बस से उतरी तो किसी ने मुझे पीछे से पीठ के नीचे छुआ, तो मुझे इतना गंदा लगा कि मैं रात भर रोती रही कि मेरे साथ ऐसा क्यों किया, मेरी क्या गलती थी? मगर ये आपकी बात तो है ही नहीं, ये बात समझने में मुझे बहुत वक्त लग गया।। यह राज ने मुझे सिखाया कि कोई अगर तुम्हें बुरी नजर से देख रहा है, कुछ कह रहा है या तुम्हें असहज महसूस करा रहा है तो तुम बोलो ना कि क्या देख रहे हो? उसे पलटकर जवाब दो। तब मुझे लगा कि हां यार, मैं क्या गलत कर रही हूं, मैं क्यों सिर झुकाकर निकलूं?

आपका और आपके पति राजकुमार राव का रिश्ता भी बराबरी की पार्टनरशिप की मिसाल माना जाता है। राज का खुद को पत्रलेखा का बॉयफ्रेंड कहना या शादी के समय आप दोनों का एक-दूसरे को सिंदूर लगाना ! इसके पीछे क्या सोच रहती है?

राज (राजकुमार राव) या मैं ऐसा कुछ सोचकर नहीं करते। राज की परवरिश ही ऐसी हुई है। ये खूबियां उनकी मम्मी ने उनमें डाली हैं। जैसा कि मैंने कहा ये सब चीजें घर से ही शुरू होती हैं। राज की मां बहुत स्ट्रॉन्ग थीं। उन्होंने उसे सिखाया कि आपको अपनी पत्नी को इज्जत देनी ही है। आपके घर की सब औरतें आपके बराबर हैं। ये चीजें उनको बचपन से सिखाई गई हैं तो वह नैचरली ऐसे हैं। वह ऐसा कुछ दिखाने या साबित करने के लिए नहीं करते। हम दोनों ऐसे ही हैं। यह हमारी पर्सनैलिटी है।

आपने 2014 में पहली फिल्म सिटी लाइट्स में अपनी एक्टिंग के लिए वाहवाही पाई, मगर उसके बाद वैसा दमदार रोल अब जाकर आईसी 814 द कांधार हाइजैक और फुले में मिल पाया। आपके हिसाब से कहां गलती हुई?

गलती मेरी तरफ से नहीं हुई यार। यह इंडस्ट्री पर है। मैं अपना काम बहुत शिद्दत से करती हूं। अगर आपको मेरा काम या शायद मेरा चेहरा पसंद नहीं है तो उसके लिए मैं खुद को दोष नहीं दूंगी कि मुझे वो रोल क्यों नहीं मिले। शायद वो मेरे नसीब में नहीं था। यहां कोई वजह तो बताता नहीं है। सब बोलते थे कि अरे, वेरी गुड वेरी गुड पर उसके आगे क्या? मैं बस इतना जानती हूं कि मुझे जो काम मिलेगा, वो मैं शिद्दत से करूंगी। उसमें मैं अपना 100 पर्सेंट दूंगी।

फिल्म टोस्टर से आप निर्माता भी बन गई हैं। यह ख्याल कैसे आया और कैसा अनुभव रहा?

मैं चार-पांच साल से सोच रही थी कि मुझे निर्माता बनना है। हम उस दिशा में काम कर रहे थे, पर ऐसी चीजें रातोंरात नहीं होतीं। पिछले साल हमने यह फिल्म ओटीटी के लिए पिच की, उन्हें पसंद आ गई। राज को रोल पसंद आ गया, तो काम शुरू हो गया, पर यह एक्टिंग से बहुत अलग काम है। इसमें बहुत दिमाग और वक्त लगता है और यह सिर्फ पैसे की बात नहीं है। शूट से पहले की प्लानिंग, सेट पर सबकुछ कैसे होगा, यह सब मैनेज करना बहुत ही मुश्किल काम है। हालांकि, एक शानदार क्रिएटिव जर्नी भी होती है। डीओपी, डायरेक्टर के साथ जो फैसले आप लेते हैं, वो सब बहुत मजेदार प्रॉसेस है, लेकिन मुश्किल भी उतना ही है।

सावित्री बाई फुले का किरदार निभाना कितना बड़ी जिम्मेदारी थी? आप समाज सुधार के लिए क्या काम करना चाहेंगी?

ज्योतिबा फुले और सावित्री बाई फुले ने समाज के लिए जितना किया है, हम आज के समय में वैसा करने की सोच भी नहीं सकते। उनकी जिंदगी का एक ही मकसद था, समाज में सुधार लाना। वो चाहे लड़कियों की शिक्षा को, बाल विवाह रोकना हो, छोटी जाति वालों को समाज में जगह दिलाना हो, वे बस समाज की बेहतरी के लिए काम करते रहे। क्या मैं आज वो कर सकती हूं? क्या अपने अलावा औरों के बारे में सोच सकती हूं, नहीं, क्योंकि आज हम सिर्फ खुद को आगे बढ़ाने के बारे में ही सोचते रहते हैं।

दिल्ली कैपिटल्स और राजस्थान रॉयल्स में मुकाबला आज

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली कैपिटल्स की टीम बुधवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी। दिल्ली इस सत्र में अब तक एक ही मैच हारी है। पिछले मैच में उसे अच्छे प्रदर्शन के बाद भी मुम्बई इंडियंस से मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा था। वहीं अब घरेल मैदान पर होने वाले इस मैच में कैपिटल्स जीत के लिए पूरी ताकत लगा देगी। अक्षर पटेल की कप्तानी में उतरी दिल्ली के पास अच्छे बल्लेबाज और गेंदबाज है जिससे वह राजस्थान पर भारी पड़ेगी।

पिछले मैच में टीम की ओर से स्पिनर कुलदीप यादव और युवा विपराज निगम ने अच्छा प्रदर्शन किया था जिसे वह इस सत्र में भी बनाये रखना चाहेंगे। अक्षर पिछले मैच में विकेट नहीं ले ये थे और वह ये कमी इस मैच में पूरी करना चाहेंगे। इसके अलावा वह बल्लेबाजी में भी विफल रहे थे। युवा जैक फ्रेसर मैकगुर्क लय को भी अगर बने रहना तो रन बनाने होंगे। अब तक वह 50 रन भी नहीं बना पाये हैं। पिछले मैच में करुण नायर ने बेहतरीन बल्लेबाजी कर 82 न बनाये थे। अब इस मैच में भी उनका लक्ष्य बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। मध्यक्रम में केएल राहुल ,ट्रिस्टन स्टब्स, आशुतोष शर्मा पिछले मैच में विफल रहे थे पर इस मैच में इनको रन बनाने होंगे।

वहीं दूसरी ओर संजू सैमसन की कप्तानी वाली राजस्थान रॉयल्स की राह आसन नहीं है। वह छह में से केवल दो मैच ही जीती है, इससे उसका मनोबल कमजोर हुआ है। इस प्रकार वह आठवें स्थान पर फिसल गयी है। रॉयल्स के बल्लेबाज और गेंदबाज अब तक प्रभावी नहीं रहे हैं। यशस्वी जायसवाल केवल एक मैच में ही अर्धशतक बना पाये हैं। कप्तान सैमसन और रियान पराग व ध्रुव जुरेल भी बल्लेबाजी में असफल रहे हैं। गेंदबाजी में जोफ्रा आर्चर का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। संदीप शर्मा के अलावा कोई भी गेंदबाज प्रभावित नहीं कर पाया है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

दिल्ली कैपिटल्स: अक्षर पटेल (कप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), जेक फ्रेजर-मैकगुर्क, करुण नायर, फाफ डु प्लेसी, डोनोवन फरेरा, अभिषेक पोरेल (विकेटकीपर), ट्रिस्टन स्टब्स (विकेटकीपर), समीर रिजवी, आशुतोष शर्मा, दर्शन नालकंडे, विप्रज निगम, अजय मंडल, मनवंत कुमार, त्रिपुराना विजय, माधव तिवारी, मिशेल स्टार्क, टी नटराजन, मोहित शर्मा, मुकेश कुमार, दुष्मंता चामीरा, कुलदीप यादव।

राजस्थान रॉयल्स = संजू सैमसन (कप्तान), रियान पराग, शुभम दुबे, वैभव सूर्यवंशी, कुणाल राठौड़, शिमरोन हेटमायर, यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल, नितीश राणा, युद्धवीर सिंह, जोफ्रा आर्चर, महेश थीक्षाना, वानिंदु हसरंगा, आकाश मधवाल, कुमार कार्तिकेय सिंह, तुषार देशपांडे, फजलहक फारूकी, क्वेना मफाका, अशोक शर्मा, संदीप शर्मा।

श्रेयस अय्यर बने आईसीसी के महीने के सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी, जैकब डफी और रचिन रवींद्र को पछाड़ा

दुबई (एजेंसी)। भारत की चैंपियंस ट्रॉफी की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले कलात्मक बल्लेबाज बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ने मंगलवार को मार्च महीने के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद का सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी का पुरस्कार हासिल किया। अय्यर ने चैंपियंस ट्रॉफी एकदिवसीय प्रतियोगिता में सर्वाधिक 243 रन बनाए थे। उन्होंने इस पुरस्कार की दौड़ में न्यूजीलैंड के जैकब डफी और रचिन रवींद्र को पीछे छोड़ा।

अय्यर ने आईसीसी विज्ञप्ति में कहा, 'मार्च महीने के लिए आईसीसी का सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी चुने जाने पर मैं वास्तव में सम्मानित महसूस कर रहा हूं। यह सम्मान अविश्वसनीय रूप से विशेष है, खासकर उस महीने में जब हमने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीती थी। एक ऐसा क्षण जिसे मैं हमेशा अपनी यादों में संजो कर रखूंगा।' उन्होंने कहा, 'प्रत्येक क्रिकेटर का सपना होता है कि वह इतनी बड़ी प्रतियोगिता में भारत की जीत में योगदान दे। मैं अपने साथियों, कोचों और सहयोगी स्टाफ का उनके अटूट समर्थन और विश्वास के लिए आभारी हूं। प्रशंसकों को भी दिल से धन्यवाद। आपकी ऊर्जा और प्रोत्साहन हमें हर कदम पर आगे बढ़ने में मदद करते हैं।'

यह लगातार दूसरा महीना है जबकि किसी भारतीय खिलाड़ी ने यह पुरस्कार हासिल किया। इससे पहले शुभमन गिल ने फरवरी महीने के लिए यह पुरस्कार जीता था। अय्यर ने चैंपियंस ट्रॉफी में बीच के ओवरों में शानदार बल्लेबाजी करके पारी को संवारने की महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्होंने कुछ महत्वपूर्ण साझेदारियां निभाई जिससे भारत इस टूर्नामेंट में अपने सभी मैच जीतने में सफल रहा था।

ये दिग्गज करेगा विनोद कांबली की मदद, हर महीने देंगे मोटी रकम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व क्रिकेटर विनोद कांबली पिछले कुछ साल से निरंतर खराब स्वास्थ्य से जूझते रहे हैं। दिग्गज क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने कुछ समय पूर्व कांबली की सहायता करने का दावा किया है, गावस्कर ने अब उसी वादे को पूरा करने की ओर बड़ा कदम उठाया है। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार सुनील गावस्कर की संस्था छ्रास्क्र फाउंडेशन विनोद कांबली को आजीवन 30,000 रुपये की सहायता राशि प्रदान करेगी, जिससे वो अपने स्वास्थ्य का ख्याल रख पाएं।

सुनील गावस्कर की CHAMPS फाउंडेशन संस्था की स्थापना साल 1999 में हुई थी। ये संस्था जरुरतमंद एथलीटों को मदद मुहैया करवाती है। टाइम्स ऑफ इंडिया में छपी एक रिपोर्ट के अनुसार गावस्कर की ये संस्था विनोद कांबली को पूरी जिंदगी प्रति महीना 30, 000 रुपये की सहायता राशि देगी। कांबली को अप्रैल महीने से ही पैसे मिलने शुरू हो गए हैं और साथ ही उन्हें स्वास्थ्य संबंधी खर्चे के लिए सालाना 30 हजार रुपये अलग से मिलेंगे। सुनील गावस्कर और विनोद कांबली की मुलाकात कुछ समय पहले वानखेड़े स्टेडियम की 50वीं वर्षगांठ के मौके पर हुई थी। कांबली ने उस दौरान गावस्कर के पैर छुए थे, जिसकी तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुई थीं। बता दें कि, पिछले साल दिसंबर में विनोद कांबली को यूरीन इन्फेक्शन के कारण 2 महीने तक अस्पताल में एडमिट रहना पड़ा था।

भारत 11 साल बाद बांग्लादेश में खेलेगा सफेद गेंद की सीरीज, बीसीबी ने जारी किया पूरा शेड्यूल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत 17 से 31 अगस्त तक मीरपुर और चटगांव में तीन वनडे और इतने ही टी20 मैचों की सफ़ेद गेंद की सीरीज़ के लिए बांग्लादेश का दौरा करेगा। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (BCB) ने मंगलवार को कार्यक्रम की घोषणा की।

भारतीय टीम 17 अगस्त को मीरपुर के शेर-ए-बांग्ला नेशनल क्रिकेट स्टेडियम में वनडे सीरीज के पहले मैच से पूर्व 13 अगस्त को ढाका पहुचेगी। दूसरा वनडे 20 अगस्त को मीरपुर में खेला जाएगा। तीसरा और अंतिम वनडे चटगांव में खेला जाएगा, जहां 26 अगस्त को तीन मैचों की टी20 सीरीज का पहला मैच भी खेला जाएगा। दूसरे और तीसरे टी20 के लिए मैच मीरपुर में ही खेले जाएंगे।

यह 2014 के बाद से भारत का बांग्लादेश का पहला सफेद गेंद वाला दौरा होगा। इसके अलावा टी20 सीरीज पहली बार होगी जब बांग्लादेश अपने घर में द्विपक्षीय सीरीज में भारत की मेजबानी करेगा। दोनों टीमों के बीच सबसे हालिया टी20आई सीरीज 2024 में हुई थी, जब बांग्लादेश ने भारत का दौरा किया था और मेजबान टीम ने 3-0 से आसान जीत हासिल की थी।

आगामी सीरीज़ के बारे में बात करते हुए BCB के मुख्य कार्यकारी निजाम उद्दीन चौधरी ने दुनिया की शीर्ष क्रिकेट टीमों में से एक की मेजबानी करने पर अपनी खुशी व्यक्त की। चौधरी के हवाले से कहा, 'यह सीरीज हमारे घरेलू कैलेंडर में सबसे रोमांचक और सबसे प्रतीक्षित आयोजनों में से एक होने वाली है। भारत ने सभी प्रारूपों में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बेंचमार्क स्थापित किया है और दोनों देशों के लाखों क्रिकेट प्रेमी इस मुकाबले का आनंद जरूर लेंगे। बांग्लादेश और भारत ने हाल के वर्षों में कुछ बहुत ही प्रतिस्पर्धी मैच खेले हैं, और मुझे विश्वास है कि यह एक और कड़ी टक्कर वाली और मनोरंजक सीरीज होगी।'

भारत के बांग्लादेश दौरे का कार्यक्रम

वनडे सीरीज
पहला वनडे - 17 अगस्त, मीरपुर
दूसरा वनडे - 20 अगस्त, मीरपुर
तीसरा वनडे - 23 अगस्त, चटगांव

टी20आई सीरीज
पहला टी20 - 26 अगस्त, चटगांव
दूसरा टी20 - 29 अगस्त, मीरपुर
तीसरा टी20 - 31 अगस्त, मीरपुर

जॉर्जिया वोल ने जीता आईसीसी महिला 'प्लेयर ऑफ द मंथ' का पुरस्कार

दुबई । पिछले वर्ष अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने वाली ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज जॉर्जिया वोल को मार्च महीने के लिए आईसीसी महिला 'प्लेयर ऑफ द मंथ' खिताब से नवाजा गया हैं। वोल ने हमवतन एनाबेल सदरलैंड और अमेरिका की चेतना प्रसाद को पछाड़ कर यह पुरस्कार जीता है। 21 वर्षीय वोल ने मार्च में व्हाइट फर्न्स पर ऑस्ट्रेलिया की 3-0 की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। वोल ने दूसरे छोर पर अनुभवी बेथ मूनी के साथ मिलकर आत्मविश्वास के साथ शुरुआत की। वोल ने पहले मैच में 31 गेंदों पर 50 रन, दूसरे टी-20 में 20 गेंदों पर 36 रन और अंतिम मैच में 57 गेंदों पर 75 रन बनाये थे। यह लगातार चौथी बार है जब ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों ने यह मासिक पुरस्कार जीता है। दिसंबर 2024 में एनाबेल सदरलैंड ने, उसके बाद जनवरी में बेथ मूनी और फरवरी में एलन किंग यह पुरस्कार जीता। मार्च महीने का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने जाने पर वोल ने कहा, 'यह पुरस्कार जीतना निश्चित रूप से मेरे और टीम के लिए एक अविश्वसनीय है। न्यूजीलैंड जाकर विश्व चैंपियन के खिलाफ टी-20 सीरीज जीतना सीजन को खत्म करने का सबसे अच्छा तरीका था। मैं अगले सीजन के लिए उत्साहित हूं।'

ऋषभ के बिश्नोई को अंतिम ओवरों में गेंदबाजी नहीं देने पर उठे सवाल

लखनऊ । लखनऊ सुपर जाएंट्स को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ मुकाबले में अपने घरेल मैदान पर ही हार का सामना करना पड़ा है। इस मैच में लखनऊ के कप्तान ऋषभ पंत के अंतिम ओवरों में अपने स्पिनर रवि बिश्नोई का इस्तेमाल नहीं करने पर भी सवाल उठ रहे हैं। इस मैच में जब सीएसके को जब अंतिम 4 ओवरों में 44 रनों की जरूरत थी तो सुपर जाएंट्स के कप्तान के पास बिश्नोई का एक ओवर था पर उन्हें नहीं दिया गया जबकि इस स्पिनर ने अपने पहले 3 ओवर में ही केवल 18 रन देकर दो विकेट लिए थे। इसके बाद भी कप्तान ने उनकी जगह पर तेज गेंदबाजों - शार्दुल ठाकुर और आवेश खान को गेंदबाजी के लिए बुलाया और यही फैसला उन्हें भारी पड़ गया। मैच के बाद कप्तान ने कहा कि उन्होंने बिश्नोई के इस्तेमाल के लिए कई खिलाड़ियों से चर्चा की थी पर ऐसा हो नहीं पाया। पावरप्ले में हम अच्छी गेंदबाजी नहीं कर पायेहै हालांकि हम चीजों को वापस ला सकते हैं। एक टीम के तौर पर हम हर मैच से सकारात्मक चीजें लेना चाहते हैं और सुधार करने के प्रयास कर रहे हैं।'

आईपीएल के पिछले सत्र का एक रिकार्ड अब तक नहीं टूटा

मुम्बई । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मुकाबले जारी है। है। पिछले सत्र की तरह इस सत्र में भी जमकर रन बरस रहे हैं। पिछले सत्र में एक मैच में सबसे अधिक 549 रन बने थे और ये रिकार्ड अब तक बना हुआ है। इस सत्र में अब तक एक मैच में कुल 523 रन ही बने हैं। इस सत्र में पहले ही मैच में सनराइजर्स हैदराबाद ने 286 रन बनाये थे। इसके बाद लगा था कि टीम बाद के मैचों में 300 रनों का आंकड़ा हासिल करेगी पर ऐसा हुआ नहीं। इससे पहले सनराइजर्स ने पिछले सत्र में भी 287 रन बनाये थे। 2024 के इस मैच में कुल मिलाकर सबसे अधिक रन बने थे। तब पहले बल्लेबाजी करते हुए सनराइजर्स ने ट्रैविस हेड के तूफानी शतक से 20 ओवर में 3 विकेट पर 287 रन बनाए थे। हेड के अलावा हेनरिक क्लासेन ने भी अर्धशतक लगाया था। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की धीमी शुरुआत की टीम ने 10 ओवर में 122 ही बनाये। इसके बाद दिनेश कार्तिक ने 35 गेंदों पर ही 83 रन बनाकर टीम को जीत के करीब पहुंचा दिया हालांकि वह उसे लक्ष्य तक नहीं पहुंचा पाये। आरसीबी ने 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 262 रन बनाए। इस प्रकार एक ही मैच में कुल 549 रन बने। अब तक चार बार आईपीएल में 500 से अधिक रन बने हैं। इस सत्र में सनराइजर्स और राजस्थान रॉयल्स के बची मैच में 529 रन बने थे जबकि पिछले सत्र में केकेआर और पंजाब किंग्स के मैच में एक बार 523 और सनराइजर्स व मुम्बई इंडियंस मैच में भी इतने ही रन बने थे।

धोनी ने बताया पिछले मैचों में सीएसके की हार का कारण

नई दिल्ली (एजेंसी)। लखनऊ (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के पांच मैच में मिली हार के बाद चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) को जीत मिली है। इस मैच में जीत के बाद कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी ने बताया है कि सीएसके किन कारणों से पिछले मैचों में हारी थी। लखनऊ ने इस मैच में सीएसके को जीत के लिए 167 रनों का लक्ष्य दिया था जिसे सीएसके ने 20 वें ओवर में हासिल कर लिया। इस सत्र की शुरुआत में सीएसके की कप्तानी ऋतुराज गायकवाड़ के पास थी पर वह कोहनी की चोट के कारण बाहर हो गये। इसके बाद एक बार फिर धोनी को कप्तानी संभालनी पड़ी है।

धोनी ने मैच के बाद कहा, ÷अगर आप पिछले मैचों को देखें तो पावरप्ले हो या वह टीम संयोजन हो या हालत में हम गेंद से संघर्ष कर रहे थे। इसी कारण हम बल्लेबाजी इकाई के रूप में वह शुरुआत नहीं कर पाए जो हम चाहते थे। साथ ही विकेटों का गिरना भी लगातार जारी था। हम कुछ हद तक गलत समय पर विकेट गंवाते रहे। इसका एक कारण यह हो सकता है कि हमारा घरेल विकेट थोड़ा धीमा हो। वहीं इस बार हम घर से बाहर खेल रहे थे। ऐसे में बल्लेबाजी इकाई ने थोड़ा बेहतर प्रदर्शन किया है। शायद हमें ऐसे विकेट पर खेलने की जरूरत है जो अधिक बेहतर हों जिससे बल्लेबाजों को अपने शॉट खेलने में आसानी हो। आप डर कर नहीं खेल सकते'।

उन्होंने आगे कहा, 'तब हम अनुभवी स्पिनर आर अश्विन पर बहुत ज्यादा दबाव डाल रहे थे। वह पहले छह ओवर में दो ओवर गेंदबाजी कर रहा था। हमने बदलाव किए और वह बेहतर गेंदबाजी करने लगे। एक गेंदबाजी इकाई के रूप में हमने अच्छा प्रदर्शन किया है। वहीं एक बल्लेबाजी इकाई के रूप में, हम बेहतर कर सकते हैं। अगर आप अच्छी शुरुआत करते हैं, और आप ऐसे खिलाड़ी हैं जो पारी के अंत तक खेल सकते हैं, तो क्यों नहीं। मुझे लगता है कि शेख रशीद ने आज अच्छी बल्लेबाजी की। वह काफी साल से हमारे साथ है। इस साल वह नेट्स में तेज गेंदबाजों और स्पिनरों दोनों के खिलाफ वास्तव में अच्छी बल्लेबाजी कर रहा है। यह तो बस शुरुआत है।'

रोहित के खराब फॉर्म का असर मुंबई इंडियंस की रणनीति पर पड़ रहा है : पूर्व महिला कप्तान

नई दिल्ली । भारतीय महिला टीम की पूर्व कप्तान अंजुम चोपड़ा का मानना है कि रोहित शर्मा के खराब फॉर्म के कारण मुंबई इंडियंस टीम आईपीएल के मौजूदा सत्र में अभी तक लय नहीं पकड़ सकी है। मुंबई के पूर्व कप्तान रोहित अब इस सत्र में हार्दिक पंड्या की कप्तानी वाली टीम में इंपैक्ट खिलाड़ी के रूप में ही खेल रहे हैं। उन्होंने पांच मैचों में 0, 8, 13, 17 और 18 रन बनाए हैं। मुंबई ने रविवार को दिल्ली कैपिटल्स को 12 रन से हराया और टीम चार हार तथा दो जीत के साथ सातवें स्थान पर है। अंजुम ने कहा, 'आप खराब फॉर्म में हो सकते हैं। यह कोई अपराध नहीं है। लेकिन इससे टीम को मदद नहीं मिल रही। इससे मुंबई को वह शुरूआत नहीं मिल सकी जो मिलनी चाहिए थी।' उन्होंने कहा, 'उनके पास विकल्प है। रोहित को बल्लेबाजी क्रम में नीचे भेज सकते हैं। ऐसा नहीं है कि रोहित शर्मा फॉर्म में नहीं हैं, कई बार आपको टूर्नामेंट में अच्छी शुरूआत नहीं मिल पाती जिससे बतौर बल्लेबाज या बतौर खिलाड़ी आप पर असर पड़ता है।' अंजुम ने कहा, 'खेल में यह होता है। हम टूर्नामेंट देख रहे हैं, आईपीएल हो या विश्व कप। लेकिन मुझे बताइए कि विश्व कप में क्या आप नहीं चाहेंगे कि आपका सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज फॉर्म में हो। इस तरह के प्रदर्शन में काफी ऊर्जा की जरूरत होती है।' उन्होंने कहा, 'कई लोग उससे उबर जाते हैं और अगले टूर्नामेंट में ढल जाते हैं। उसे उस तरह की शुरूआत आईपीएल में मिल नहीं सकी। लेकिन हमें पता है कि वह किस दर्जे का खिलाड़ी है और किस तरह से मैच जिता सकता है।'

गावस्कर ने पाटीदार के रवैये की प्रशंसा की

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के कप्तान रजत पाटीदार की जमकर प्रशंसा की है। गावस्कर ने कहा है कि पाटीदार ने काफी अच्छी कप्तानी की है। उनके सहज रवैए से टीम ने इस सत्र में अब तक अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया है। पाटीदार ने टीम में नया उत्साह जगह है जिससे वह बड़े हुए मनोबल से उतर रही है। इस बार आरसीबी ने 17 साल के बाद चेन्नई के चेपॉक में जीत हासिल करने के अलावा वानखेड़े स्टेडियम में भी जीत हासिल की है। वानखेड़े में ये जीत टीम को पिछले सत्रों में छह मैचों की हार के बाद मिली है।

गावस्कर ने कहा, ''कप्तान के रूप में पाटीदार काफी कुशल हैं। उनकी टीम ने पिछले 17 साल में खिताब नहीं जीता है और अब उसके खिलाड़ी समझ रहे हैं कि जीतने के लिए क्या करना चाहियेहै। एक सहज और संयमित कप्तान के साथ टीम के साथ जुड़े अन्य खिलाड़ी भी अपनी ओर से सवश्रेष्ठ प्रदर्शन का प्रयास कर रहे हैं।'' गावस्कर ने टीम मेंटर दिनेश कार्तिक के कामकाज को भी सराहा। उन्होंने कहा, ''आरसीबी के पास कई अनुभवी लोग हैं जो हमेशा सहायता करने के लिए तैयार रहते हैं। उसके पास मजबूत सहयोगी स्टाफ है। उसके सहयोगी स्टाफ में कार्तिक जैसा व्यक्ति है जिसके प्रभाव को लेकर लोगों को अधिक जानकारी नहीं है।''

गावस्कर ने कहा, '' कार्तिक ऐसे मेंटर हैं जो युवा खिलाड़ियों के साथ समय बिताते हैंहै। उनका मार्गदर्शन करते है और उन्हें जरुरी सलाह देते हैं। । पाटीदार की को एक ऐसी टीम मिली है जो जीत चाहती है। '' साथ ही कहा कि अनुभवी खिलाड़ी विराट कोहले के बड़े शॉट खेलने से भी काफी अलग प्रभाव पड़ा है। उन्होंने कहा, ''कोहली इस बार शुरू से ही लंबे शॉट खेलने का प्रयास कर रहे हैं जबकि पहले वह अपनी पारी में बाद में इस तरह के शॉट खेलते थे। इससे भी टीम के आक्रामक इरादों का अंदाज होता है। '' वहीं गावस्कर ने कहा कि खराब फार्म से जूझ रहे मुम्बई इंडियंस के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा अपने शॉट चयन पर ध्यान दें। उन्होंने कहा, ''जब वह पावर प्ले में आउट हो जाता है, तो दुख होता है। फिर चाहे वह मुंबई इंडियंस के लिए खेल रहा हो या भारत के लिए। ''

जम्पा चोटिल होने के कारण आईपीएल से बाहर हुए

हैदराबाद । सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से खेल रहे ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर एडम जम्पा चोटिल होने के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के बचे हुए सत्र से बाहर हो गये हैं। जम्पा के कंधे में खिंचाव आया है। इसी कारण राजस्थान रॉयल्स के साथ खेले गए मैच में उन्हें गेंदबाजी के दौरान परेशानी आई। इसके बाद वह स्वदेश लौट गये हैं। जम्पा ने इस टूर्नामेंट के पहले दो मैचों में इम्पैक्ट सब के रूप में खेलते हुए 48 और 46 रन देकर एक-एक विकेट लिया था। जंपा जैसे अनुभवी स्पिनर का बाहर होना खिलाड़ियों के खराब फार्म से जूझ रही सनराइजर्स के लिए भी करारा झटका है। पहले माना जा रहा था कि जम्पा थोड़े आराम के बाद आईपीएल में वापसी करेंगे पर अब इसकी संभावना समाप्त हो गये है क्योंकि सनराइजर्स ने उनकी जगह कर्नाटक के बल्लेबाज आर स्मरण को टीम में शामिल कर लिया है। जम्पा अब अगले कुछ माह नहीं खेल पायेंगे। इसी कारण वह वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज से भी बाहर रहेंगे।

आपको अब तक महसूस... विराट कोहली ने आरसीबी फैंस को किया ट्रोल, 18 नंबर की जर्सी वाली थ्योरी को लेकर कही ये बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। आरसीबी आईपीएल 2025 में अच्छा प्रदर्शन कर रही है। आरसीबी ने अब तक 6 मैचों में से चार में जीत हासिल की है। पिछले 17 सालों से आरसीबी खिताब के लिए तरह रही है। हालांकि, आरसीबी फैंस को 18वें सीजन में ट्रॉफी जीतने पर काफी भरोसा है। फैंस की नंबर-18 थ्योरी की इन दिनों काफी चर्चा हो रही है। दरअसल, फैंस ने 18वें सीजन और स्टार बल्लेबाज विराट कोहली की 18 नंबर जर्सी का कनेक्शन जोड़ा है। फैंस की ट्रॉफी की उम्मीदें पूरी होंगे या नहीं ये तो कुछ ही हफ्तों में साफ हो जाएगा लेकिन कोहली ने आरसीबी फैंस को ट्रोल कर दिया।

आरसीबी ने एक वीडियो शेयर किया, जिसमें कोहली मजेदार अंदाज में बातचीत करते हुए नजर आए। होस्ट ने जब कोहली से फैंस की 18 नंबर की थ्योरी पर विचार पूछे तो स्टार बल्लेबाज ने जवाब में कहा कि, क्या आपको अब तक ऐसा महसूस नहीं हुआ? इसे महसूस करने में 18 साल लग गए। 17, 16, 19 के बारे में क्या ख्याल है। बता दें कि कोहली 2008 में आईपीएल की शुरुआत के से ही आरसीबी का हिस्सा हैं। वह एक ही फ्रेंचाइजी के लिए 18 सीजन खेलने वाले इकलौते प्लेयर हैं। कोहली 2013 से 2021 तक आरसीबी की कमान संभाल चुके हैं। आरसीबी की कप्तानी अब रजत पाटीदार कर रहे हैं।

आरसीबी की बैटिंग यूनिट ने जारी सीजन में अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है। कोहली और फिल साल्ट बतौर ओपनर उतर रहे। कोहली 5 मैचों में 62.00 की औसत से 248 रन बना चुके हैं जिसमें दो अर्धशतक शामिल हैं। साल्ट ने 208 रन जोड़े हैं। रजत पाटीदार मध्यक्रम में अपनी क्लास दिख रहे हैं। जितेश शर्मा और टिम डेविड की ताबड़तोड़ बल्लेबाजी मदद कर रही है। धीरे-धीरे आरसीबी की बॉलिंग यूनिट भी मजबूत हो रही है।

कट्टर लोगों को न्यूक्लियर हथियार नहीं रखने देंगे: ट्रम्प

एजेंसी, वॉशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि ईरान को ये सोचना बंद कर देना होगा कि वह न्यूक्लियर हथियार रख सकता है। ये कट्टर लोग हैं और इन्हें न्यूक्लियर हथियार रखने नहीं दिया जा सकता है। ट्रम्प ने कहा कि अगर ईरान ऐसा नहीं करता है तो हम उसकी न्यूक्लियर फैसलिटी पर मिलिट्री स्ट्राइक करेंगे। ट्रम्प ने ईरान पर ये आरोप भी लगाया कि वह अमेरिका के साथ न्यूक्लियर डील साइन करने में जानबूझकर देरी कर रहा है। ट्रम्प की चेतावनी ऐसे समय में आई है जब अमेरिका और ईरान के बीच कुछ दिन पहले ही ओमान में बातचीत हुई है। अब अगले दौर की बातचीत 19 अप्रैल को रोम में होगी। इस महीने की शुरुआत में अमेरिका ने हिंदमहासागर के दूरदराज के द्वीप डिएगो गार्सिया में कम से कम छह B-2 स्टील्थ बॉम्बर तैनात किए थे। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, ऐसा करके अमेरिका ईरान को डराना-धमकाना चाहता है।

अमेरिका ने 2015 में न्यूक्लियर डील से खुद को बाहर किया था: कई मीडिया रिपोर्ट्स में सामने आया है कि ईरान हथियार बनाने लायक स्तर तक का यूरेनियम शुद्ध करने की प्रक्रिया तेज कर रहा है। 2015 में अपने पहले कार्यकाल में ट्रम्प ने ईरान और पांच अन्य बड़े देशों के साथ हुई न्यूक्लियर डील से अमेरिका को बाहर निकाल लिया था। नए परमाणु समझौते को लेकर ओमान में हुई पहले दौर की बातचीत में ट्रम्प के मध्य-पूर्व के दूत स्टीव विटकॉफ और ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराकची शामिल हुए। व्हाइट हाउस ने इन बातचीत को 'सकारात्मक और रचनात्मक' बताया। बातचीत को लेकर ट्रम्प ने कहा, 'मुझे लगता है कि ईरान हमें सिर्फ टाल रहा है। लेकिन फिर भी हमें उम्मीद है कि ईरान बहुत जल्द कोई समझौता करेगा।'

♦ ईरान पर न्यूक्लियर डील में देरी का आरोप लगाया, परमाणु फैसिलिटी पर एयरस्ट्राइक की धमकी दी

ओमान में हुई बैठक से पहले ट्रम्प ने ईरान को चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर उसने अपना न्यूक्लियर प्रोग्राम नहीं छोड़ा, तो उसे खामियाजा भुगतना पड़ेगा। ट्रम्प की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने पत्रकारों से कहा कि ट्रम्प की प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि ईरान कभी परमाणु हथियार न हासिल कर सके। ट्रम्प कूटनीति से निकाले गए हल का समर्थन करते हैं, लेकिन अगर कूटनीति विफल होती है तो वह कड़े कदम उठाने के लिए भी तैयार हैं। कैरोलिन लेविट ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रम्प पहले भी साफ कर चुके हैं कि इस मामले में सभी विकल्प खुले हैं। ईरान के पास दो विकल्प हैं- या तो ट्रम्प की मांगों को माने, या गंभीर परिणाम भुगतने को तैयार रहे। यही इस मुद्दे पर ट्रम्प की दृढ़ भावना है।

ईरान के पास 6 परमाणु बम बनाने के लिए पर्याप्त यूरेनियम: 2018 में ट्रम्प के ईरान से परमाणु करार रद्द करने के बाद ईरान की बम बनाने की क्षमता में इजाफा हुआ है। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के अनुसार ईरान ने 60% शुद्धता का 275 किलो यूरेनियम बना लिया है। यह छह परमाणु बम बनाने के लिए काफी है। अगर अमेरिका-ईरान के बीच कोई समझौता नहीं होता है तो इस साल के अंत तक अमेरिका या इजराइल या दोनों ईरान के परमाणु ठिकानों पर बमबारी का फैसला ले सकते हैं। अमेरिकी, इजराइली और अरब सूत्रों का कहना है कि ट्रम्प कुछ माह तक बातचीत की प्रक्रिया जारी रखेंगे।

चीन ने बोइंग जेट की डिलीवरी लेने से इनकार किया

बीजिंग। चीन ने अपनी एयरलाइन कंपनियों को अमेरिकी विमान निर्माता कंपनी बोइंग से नए विमानों की डिलीवरी नहीं लेने के आदेश दिए हैं। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक बीजिंग ने अमेरिका में बनने वाले विमान के पार्ट्स और डिवाइसेस की खरीद रोकने का आदेश भी दिया है। चीन ने यह आदेश अमेरिका के 145% टैरिफ के जवाब में जारी किया है। बोइंग एयरप्लेन एक अमेरिकी कंपनी है, जो एयरप्लेन, रॉकेट, सैटेलाइट, टेलीकम्युनिकेशन इक्विपमेंट और मिसाइल बनाती है। कंपनी की स्थापना 15 जुलाई 1916 को विलियम बोइंग ने की थी। कई देशों की एयरलाइंस कंपनियां बोइंग के बनाए गए प्लेन का इस्तेमाल करती हैं। बोइंग अमेरिका की सबसे बड़ी एक्सपोर्टर कंपनी है और यह दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी डिफेंस डील करने वाली कंपनी भी है। चीन ने अमेरिका के साथ बढ़ती ट्रेड वॉर के बीच 7 कीमती धातुओं (रेयर अर्थ मटेरियल) के निर्यात पर भी रोक लगा दी है। चीन ने कार, ड्रोन से लेकर रोबोट और मिसाइलों तक असेंबल करने के लिए जरूरी मैग्नेट यानी चुंबकों के शिपमेंट भी चीनी बंदरगाहों पर रोक दिए हैं।

संक्षिप्त समाचार

जिनेवा में नीलाम होगा भारत का गोलकोंडा ब्लू हीरा, कीमत 430 करोड़ रुपए आंकी गई

नई दिल्ली। भारत की शाही विरासत से जुड़ा हीरा 'गोलकोंडा ब्लू' पहली बार नीलामी में बिकने जा रहा है। यह 23.24 कैरेट का चमकदार नीला हीरा है, जिसे मशहूर पेरिस के ज्वेलरी डिजाइनर JAR ने एक खूबसूरत अंगूठी में जड़ा है। इसे 14 मई को जिनेवा में क्रिस्टीज नाम की नीलामी कंपनी नीलाम करेगी। इसकी कीमत 300 से 430 करोड़ रुपए (35 से 50 मिलियन डॉलर) के बीच आंकी गई है। क्रिस्टीज का कहना है कि इतने खास और शाही हीरे बहुत ही कम बार बिकने के लिए आते हैं। इसके पहले भी उन्होंने कुछ ऐतिहासिक गोलकोंडा हीरे नीलाम किए हैं, जैसे – अर्चड्यूक जोसेफ, प्रिंसी और विटेल्सबाख हीरे। नाशपाती के आकार का यह हीरा भारत की राजशाही से जुड़ा हुआ है। क्रिस्टीज के मुताबिक, यह हीरा महाराजा यशवंत राव होल्कर (इंदौर) के पास था। महाराज यशवंत राव होल्कर 1920-30 के दशक में अपनी लक्जरी और इंटरनेशनल लाइफस्टाइल के लिए जाने जाते थे। इस हीरे को यशवंत राव के पिता पेरिस के फेमस ज्वेलरी ब्रांड शॉमेट से इंदौर पियर्स हीरे खरीदे थे। 1923 में उन्होंने शॉमेट से अपने 23 कैरेट के नाशपाती के आकार वाले ब्लू डायमंड को जड़वाकर एक ब्रेसलेट बनवाया था। 1933 में महाराजा यशवंत राव ने मॉबूसेन को अपना आधिकारिक जौहरी नियुक्त किया। मॉबूसेन ने उनके गहनों को नए डिजाइन में ढाला। उसने एक लंबा हार बनाया, जिसमें गोलकोंडा ब्लू और इंदौर पियर्स दोनों शामिल थे।

बांग्लादेश में मॉडल मेघना आलम गिरफ्तार, सऊदी के राजदूत को ब्लैकमेल करने का आरोप

ढाका। बांग्लादेश में चर्चित मॉडल मेघना आलम को 9 अप्रैल को गिरफ्तार किया गया, जिसकी जानकारी अब सामने आई है। उन पर देश की सुरक्षा को खतरे में डालने और वित्तीय हितों को नुकसान पहुंचाने का आरोप है। मेघना (30 साल) 2020 में मिस अर्थ बांग्लादेश रह चुकी हैं। मेघना के पिता बदरूल आलम ने बताया कि पुलिस ने बिना किसी चार्जशीट के उनकी बेटी को हिरासत में लिया है। यह पूरी तरह से गैरकानूनी है। मेघना की गिरफ्तारी की अहम वजह उसका सऊदी अरब के राजदूत के साथ संबंध बताया जा रहा है। बदरूल आलम ने कहा कि, 'राजदूत और मेघना के बीच संबंध थे और मेरी बेटी ने उनके साथ शादी करने से मना कर दिया, क्योंकि वे पहले से ही शादी-शुदा हैं और उनके बच्चे भी हैं।' वहीं, पुलिस का आरोप है कि मेघना आलम ने राजदूत इस्सा आलम को ब्लैकमेल कर 5 मिलियन डॉलर (करीब 43 करोड़) रुपए लूटने की कोशिश की थी। हाल ही में मेघना ने फेसबुक पर दावा किया था कि राजदूत इस्सा गैर इस्लामिक कामों में लिप्त हैं। हालांकि, वे क्या काम कर रहे थे, इस बारे में मेघना ने नहीं बताया। मेघना आलम ने यह भी दावा किया था कि इस्सा यूसुफ पुलिस के जरिए डरा रहे हैं, ताकि वे सोशल मीडिया पर सच्चाई पोस्ट न करें।

मुर्शिदाबाद हिंसा में बाप-बेटे की हत्या के आरोपी अरेस्ट, बीरभूम और बॉर्डर से गिरफ्तारी

मुर्शिदाबाद। वक्फ कानून के विरोध में पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में 10-12 अप्रैल के बीच हुई हिंसा में पिता-पुत्र की हत्या करने वाले 2 आरोपी पकड़ लिए गए हैं। एक आरोपी बीरभूम और दूसरा बांग्लादेश बॉर्डर से पकड़ा गया है। इनके नाम कालू नदाब और दिलदार नदाब हैं। इन दोनों ने हरगोबिंद दास और चंदन दास की हत्या की थी। इधर, मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक हिंसा से जुड़ी शुरुआती जांच रिपोर्ट गृह मंत्रालय को सौंप दी गई है। इसमें बांग्लादेश से घुसपैठ और स्थानीय प्रशासन की लापरवाही का जिक्र है। वक्फ कानून के विरोध में पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद, नॉर्थ 24 परगना, हुगली और मालदा जिलों में हिंसक विरोध प्रदर्शन हुए। गाड़ियां जलाईं, दुकानों-घरों में तोड़फोड़ कर लूट भी की गई। 3 लोगों की मौत हुई। 15 पुलिसकर्मी घायल हुए। 300 से ज्यादा लोग गिरफ्तार किए गए। केंद्र सरकार ने हिंसाग्रस्त इलाकों में 1600 जवान तैनात किए हैं। इनमें 300 BSF जवान हैं। इधर, मुर्शिदाबाद में हिंसा के 4 दिन बाद हालात सामान्य हो गए हैं। प्रशासन ने कहा- हिंसा वाले शहर धुलियान में स्थिति नियंत्रण में है। लोग अब धीरे-धीरे काम पर लौट रहे हैं। धुलियान से पलायन कर चुके 500 से ज्यादा लोग अब वापस आ रहे हैं। हिंसा प्रभावित शमशेरगंज के एक निवासी हबीब-उर-रहमान ने न्यूज एजेंसी ANI से कहा- BSF और CRPF की तैनाती के बाद माहौल शांत है। प्रशासन ने हमसे दुकान खोलने और अनुशासन बनाए रखने को कहा है। कई लोगों ने BSF की स्थायी तैनाती की मांग भी की है। उनका कहना है कि अगर BSF हटी तो फिर से हालात खराब हो सकते हैं।

20 राज्यों में आंधी-बारिश का अलर्ट, राजस्थान में लू, बाड़मेर देश का सबसे गर्म शहर

नई दिल्ली। बारिश से 2 दिन की राहत बाद राजस्थान में फिर से लू ने दस्तक दी है। सोमवार को बाड़मेर जिले का तापमान देश में सबसे ज्यादा 45.4 डिग्री दर्ज किया गया। आज प्रदेश के 6 जिलों में हीटवेव का यलो अलर्ट है। मौसम विभाग के मुताबिक, राज्य में 19 अप्रैल तक राहत मिलने की कोई उम्मीद नहीं है। इधर, बिहार में बिजली गिरने से 4 लोगों की मौत हो गई। अरवल में सोमवार शाम शादीपुर गांव में बिजली की चपेट में आने से पिता अवधेश यादव (48), पत्नी राधिका देवी (45) और बेटी रिंकू कुमारी (18) ने मौके पर मौत हो गई। वहीं, गोपालगंज के कोटवा गांव में भी एक शख्स की मौत हुई है। मौसम विभाग ने आज मंगलवार को मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र समेत देश के 20 राज्यों में आंधी-बारिश का अनुमान जताया है। महाराष्ट्र के कुछ इलाकों में बिजली और झारखंड के कुछ इलाकों में ओले गिर सकते हैं। बिहार, पश्चिम बंगाल और ओडिशा के अलावा असम, मणिपुर, मेघालय समेत सभी उत्तर-पूर्वी राज्यों में भी अगले पांच दिनों तक इसी तरह का मौसम रहने की संभावना जताई है।

अमरनाथ यात्रा- रजिस्ट्रेशन आज से शुरू, 600 से ज्यादा बैंकों में ऑफलाइन फॉर्म मिलेंगे

श्रीनगर। अमरनाथ यात्रा-2025 के लिए रजिस्ट्रेशन आज (15 अप्रैल) से शुरू हो गए हैं। श्रद्धालु ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह से रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं। रजिस्ट्रेशन फीस 220 रुपए रखी गई है। ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन 600 से ज्यादा बैंकों में किया जा सकता है। इस साल अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से शुरू होकर 9 अगस्त (रक्षाबंधन) तक (39 दिन) चलेगी। यात्रा दो रूट- पहलगाम (अनंतनाग) और बालटाल (गांदरबल) से होगी। लगभग 6 लाख श्रद्धालु यात्रा पर आ सकते हैं। 5 मार्च को श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड (SASB) की 48वीं बैठक में उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने यात्रा की तारीखों की घोषणा की थी। बैठक में श्रद्धालुओं के लिए सुविधाएं बेहतर करने के कई प्रस्तावों पर चर्चा हुई। श्राइन बोर्ड ने e-KYC, RFID कार्ड, ऑन स्पॉट रजिस्ट्रेशन और दूसरी व्यवस्थाओं को भी बेहतर करने का निर्णय लिया है, ताकि यात्रा अधिक सुव्यवस्थित और सुरक्षित हो सके। बोर्ड का कहना है कि इस बार पिछली बार से ज्यादा श्रद्धालु आ सकते हैं, इसे ध्यान में रखते हुए जम्मू, श्रीनगर, बालटाल, पहलगाम, नुनवान और पंथा चौक पर रुकने और रजिस्ट्रेशन की व्यवस्था भी की जा रही है। श्रद्धालु रोहित ने बताया कि रजिस्ट्रेशन के दौरान हेल्थ चेकअप किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मैं बहुत उत्साहित हूं, यह मेरी दूसरी अमरनाथ यात्रा है। सभी यात्रियों का हेल्थ चेकअप अनिवार्य है। वहीं, श्रद्धालु सोनिया मेहरा ने कहा- यह मेरी दूसरी यात्रा है, मैं चाहती हूं कि हर साल इस पवित्र यात्रा पर जा सकूं।

ट्रम्प ने हार्वर्ड की 18 हजार करोड़ की फंडिंग रोकी

एजेंसी, वॉशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सोमवार को हार्वर्ड यूनिवर्सिटी की 2.2 अरब डॉलर (करीब 18 हजार करोड़ रुपए) की फंडिंग रोक दी है। यह कार्रवाई इसलिए हुई क्योंकि हार्वर्ड ने व्हाइट हाउस की उन मांगों को मानने से इनकार कर दिया जिनका मकसद कैंपस में यहूदी विरोधी गतिविधियों पर सख्ती करना था। ट्रम्प प्रशासन ने 3 अप्रैल को यूनिवर्सिटी के सामने मांग रखी थी कि यूनिवर्सिटी के गवर्नेंस, एडमिशन और हायरिंग प्रोसेस पर सरकार को नियंत्रण दिया जाए और इनमें बड़ा बदलाव किया जाए। इसके अलावा डाइवर्सिटी ऑफिस बंद करने और अंतरराष्ट्रीय छात्रों की जांच में इमिग्रेशन अफसरों की मदद करने की मांग भी रखी गई थी। हार्वर्ड ने इन मांगों को गैरकानूनी और असंवैधानिक बताते हुए खारिज कर दिया था। इसके बाद सोमवार रात को ट्रम्प प्रशासन ने हार्वर्ड को बताया कि उसकी 2 अरब डॉलर से ज्यादा की फेडरल फंडिंग रोका जा रहा है।

♦ अमेरिकी राष्ट्रपति यूनिवर्सिटी पर कंट्रोल चाहते थे, हार्वर्ड ने इसे गैरकानूनी और असंवैधानिक बताया

हार्वर्ड प्रेसिडेंट एलन गारबर ने छात्रों और फैकल्टी को लिखे पत्र में कहा कि यूनिवर्सिटी सरकार के आगे नहीं झुकेगी।

गाजा में इजराइली हमले में 6 भाइयों की मौत, विस्थापितों को खाना खिला रहे थे

एजेंसी, गाजा सिटी

गाजा के अल-बलाह में रविवार रात हुए इजराइली हमले में 37 लोगों की मौत हो गई है। इसमें 6 भाई हैं। इनकी उम्र 10 साल से 34 साल के बीच है। ये लड़के गाजा में विस्थापित परिवार के लोगों को खाना बांट रहे थे। मारे गए इन लड़कों के पिता जकी अबु महदी ने कहा कि उनके बेटे सिर्फ लोगों की मदद कर रहे थे, किसी भी सैन्य गतिविधि से उनका कोई संबंध नहीं था।

इस बीच इजराइली सेना ने दावा किया कि उनका निशाना एक मिलिट्री टार्गेट था। हालांकि गाजा की हेल्थ मिनिस्ट्री ने इसे गलत ठहराया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने इस हमले की निंदा की और गाजा में चिकित्सा सहायता की देरी से एक बच्चे की मौत की भी सूचना दी। गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, युद्ध शुरू होने से अब तक 50,944 से अधिक फिलिस्तीनी मारे जा चुके हैं।

हमास की नुखबा फोर्स के लीडर को भी मारा: इजराइल ने हमास की नुखबा फोर्स के एक लीडर हमजा वायल मुहम्मद असाफा मार गिराने की पुष्टि की है। हमजा इजराइल पर 7 अक्टूबर के हमले और बंधकों की रिहाई एक फेज में शामिल था। इजराइली डिफेंस फोर्सेस (IDF) के मुताबिक हमजा की मौत दो हफ्ते पहले सेंट्रल गाजा में एक हमले में हुई थी। हमजा ने इजराइल बंधक एलियाहु शाराबी, ओहद बेन-अमी और ओर लेवी की रिहाई के कार्यक्रम में हिस्सा लिया था

हमास की नुखबा फोर्स के लीडर को भी मारा

इजराइल ने 1000 सैनिकों को नौकरी से निकाला: इजराइल ने 1000 सैनिकों को नौकरी से निकाला है। इन्होंने गाजा जंग पर सवाल उठाया था, कहा था- ये जंग अब राजनीतिक मकसद पूरा कर रही। इजराइल डिफेंस फोर्सेज (IDF) ने अपने लगभग 1000 रिजर्व सैनिकों को बर्खास्त कर दिया है।

तमिलनाडु सरकार अपने अधिकार बढ़ाने के लिए बिल लाएगी, स्टालिन ने 3 सदस्यीय कमेटी बनाई

एजेंसी, चैन्नई

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने राज्य के अधिकारों को बढ़ाने के लिए मंगलवार को एक हाई लेवल कमेटी का गठन किया है। इस कमेटी की अध्यक्षता सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड चीफ जस्टिस कुरियन जोसेफ करेंगे। इस समिति को उन मामलो को फिर से स्टेट लिस्ट में लाने की सिफारिश करने का भी काम सौंपा है, जो पहले राज्य सरकार देखती थी, लेकिन अब केंद्र और राज्य सरकार दोनों के अधीन है। समिति में पूर्व अधिकारी अशोक शेट्टी और एमयू नागराजन भी शामिल होंगे। इस समिति की अंतरिम रिपोर्ट जनवरी 2026 तक और अंतिम रिपोर्ट 2028 तक पेश की जानी है। मुख्यमंत्री स्टालिन ने विधानसभा में कहा कि इसका मकसद तमिलनाडु सहित सभी राज्यों के अधिकारों की रक्षा करना और केंद्र सरकार के साथ बेहतर संबंध बनाना है। तमिलनाडु BJP अध्यक्ष नैनार नागेंथिरन ने मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के इस प्रस्ताव की आलोचना की है। नागेंथिरन ने कहा, 'मुख्यमंत्री का यह इस प्रस्ताव अलगाववादी मानसिकता को दिखता है। DMK चाहती है की सारी शक्तियां उसके हाथों में रहे।'

तमिलनाडु सरकार ने NEET से छूट की मांग की थी: यह निर्णय ऐसे समय में आया है जब राज्य सरकार और केंद्र सरकार के बीच शिक्षा जैसे मुद्दों को लेकर टकराव चल रहा है। विशेष रूप से NEET परीक्षा को लेकर। तमिलनाडु सरकार ने NEET से छूट की मांग की थी। दरअसल, तमिलनाडु सरकार मेडिकल (MBBS) में एडमिशन लेने के लिए NEET की जगह 12वीं के अंकों का इस्तेमाल करने की अनुमति मांगी थी। जिसे राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने अस्वीकार कर दिया था। स्टालिन ने कहा था - केंद्र सरकार ने भले ही हमारी मांग को ठुकरा दिया हो, लेकिन हमारी लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है। हम इस निर्णय को चुनौती देने के लिए कानूनी विशेषज्ञों से परामर्श करेंगे। इस पर BJP ने कहा था, नीट परीक्षा के लागू होने के बाद से, छात्रों को योग्यता के आधार पर मेडिकल प्रवेश मिल रहा है। पहले, एक सीट के लिए 2 करोड़ रुपए तक की रिश्वत देनी पड़ती थी। इंदिरा गांधी ने शिक्षा को राज्य सूची से समवर्ती सूची में स्थानांतरित कर दिया था।

भाजपा बोली- ये अलगाववादी मानसिकता

राज्यपाल के पावर को सीमित किया था: राज्यपाल आर.एन. रवि और राज्य सरकार के बीच भी लंबे समय से टकराव जारी है। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने राज्यपाल रवि को फटकार लगाई और कहा था कि उन्होंने तमिलनाडु विधानसभा के पारित 10 विधेयकों को बिना अधिकार के लंबे समय तक रोके रखा। कोर्ट ने इसे "मनमाना" और "अवैध" करार दिया था। इन विधेयकों में स्टेट यूनिवर्सिटी के कुलपतियों की नियुक्ति से जुड़े नियमों में बदलाव भी शामिल था। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने राज्यपाल के पावर को कम करते हुए विधानसभा की ओर से भेजे गए बिल पर निर्णय लेने के समय सीमा को 1 महीना कर दिया था।

दिल्ली एयरपोर्ट पर डोमेस्टिक फ्लाइट्स टर्मिनल-1 से उड़ान भरेंगी

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (IGI) पर डोमेस्टिक फ्लाइट्स के संचालन में बदलाव किया गया है। आज (15 अप्रैल) से इंडिगो और अकासा की फ्लाइट्स टर्मिनल-1 (T1) से संचालित होंगी। अभी तक दोनों एयरलाइंस टर्मिनल-2 (T2) से फ्लाइट्स संचालित कर रही थीं। टर्मिनल 2 को कन्स्ट्रक्शन के लिए बंद किया गया है। इंडिगो ने बताया कि यात्रियों को टर्मिनल बदलाव की जानकारी देने के लिए SMS, कॉल और ईमेल के जरिए संपर्क किया जा रहा है। यात्रियों को अपनी यात्रा से पहले PNR नंबर की जांच वेबसाइट या मोबाइल ऐप पर करने का सुझाव दिया गया है, ताकि उन्हें सही टर्मिनल की जानकारी मिल सके। वहीं, अकासा एयर ने भी सोशल मीडिया पर जानकारी साझा की है कि 15 अप्रैल से उसकी सभी उड़ानें टर्मिनल-1D से चलेंगी। एयरलाइन ने कहा कि उनकी टीमें यह सुनिश्चित करने में लगी हैं कि यह बदलाव यात्रियों के लिए सुगम और परेशानी मुक्त हो। T2 वर्तमान में रोजाना लगभग 270-280 फ्लाइट्स का संचालन करता है और 46 हजार से ज्यादा यात्रियों को सर्विस देता है। T1 को नया डेवलप किया गया है, इसमें यात्रियों के लिए बेहतर सुविधाएं हैं। दिल्ली एयरपोर्ट देश का सबसे बड़ा और व्यस्त हवाई अड्डा है, जिसके पास तीन टर्मिनल (T1, T2, T3) और चार रनवे हैं।

♦ टर्मिनल 2 कन्स्ट्रक्शन के लिए बंद, यात्रियों को निर्देश- यात्रा से पहले PNR जांच लें

गुरुग्राम जमीन घोटाला, रॉबर्ट वाड्रा पैदल ईडी ऑफिस पहुंचे

एजेंसी, गुरुग्राम

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा आज, मंगलवार को पैदल ही प्रवर्तन निदेशालय (ED) के ऑफिस पहुंचे। जहां उनसे गुरुग्राम के शिकोहपुर लैंड घोटाले में पूछताछ हुई। ED ने जमीन सौदे से जुड़ी मनी लॉन्ड्रिंग जांच में पूछताछ के लिए उन्हें दूसरा समन भेजा था। वाड्रा इससे पहले 8 अप्रैल को भेजे गए पहले समन पर पेश नहीं हुए थे। ED ऑफिस जाते हुए वाड्रा ने कहा कि ये कार्रवाई राजनैतिक मंशा से हो रही है। उन्होंने आगे कहा, "जब भी मैं लोगों की आवाज बुलंद करूंगा, या राजनीति में आने की कोशिश करूंगा, ये लोग मुझे दबाएंगे और एजेंसियों का दुरुपयोग करेंगे। मैं हमेशा सभी सवालों के जवाब देता हूं और देता रहूंगा। केस में कुछ है ही नहीं। 20 बार गया हूं, 15-15 घंटे बैठा हूं। मैंने 23 हजार डॉक्यूमेंट दिए हैं, फिर कहते हैं दोबारा डॉक्यूमेंट दो, ऐसे थोड़ी चलता है।" इस केस में वाड्रा के साथ हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा भी आरोपी हैं। उन पर आरोप है कि मुख्यमंत्री रहते हुए उन्होंने वाड्रा की कंपनी को मुनाफा पहुंचाया। फरवरी 2008 में रॉबर्ट वाड्रा की कंपनी स्काईलाइट हॉस्पिटैलिटी ने ओंकारेश्वर प्रॉपर्टीज से गुरुग्राम के शिकोहपुर गांव में 3.5 एकड़ जमीन 7.5 करोड़ रुपए में खरीदी थी। उसी साल, तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा की अगुआई वाली हरियाणा सरकार ने इस जमीन पर 2.7 एकड़ के लिए व्यवसायिक कॉलोनी विकसित करने का लाइसेंस दिया।

हॉस्पिटल से बच्चा चोरी हुआ तो लाइसेंस रद्द: सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी, नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को नवजात शिशु तस्करी के एक मामले में यूपी सरकार फटकार लगाई और राज्यों के लिए कुछ जरूरी नियम जारी किए। कोर्ट ने कहा- अगर किसी हॉस्पिटल से नवजात की तस्करी होती है तो उसका लाइसेंस तुरंत रद्द किया जाए।

डिलीवरी के बाद बच्चा गायब होता है तो हॉस्पिटल की जवाबदेही होगी। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की बेंच ने कहा- देशभर के सभी हाईकोर्ट अपने राज्यों में बच्चों की तस्करी से जुड़े लंबित मामलों की स्टेट्स रिपोर्ट मंगवाएं। सभी की सुनवाई छह महीने के भीतर पूरी करें। केस में हर दिन सुनवाई होनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट नवजात तस्करी के उस मामले की सुनवाई कर रहा था, जिसमें उत्तर प्रदेश के एक दंपती ने 4 लाख रुपए में तस्करी किया गया बच्चा खरीदा। क्योंकि उन्हें बेटा चाहिए था। इस मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने आरोपियों को अग्रिम जमानत दे दी थी, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने रद्द कर दिया।

हाईकोर्ट को फटकार: ऐसे आरोपी समाज के लिए खतरा हैं। बेल देते वक्त कम से कम इतना तो किया जा सकता था कि आरोपी को हर हफ्ते थाने में हाजिरी देने की शर्त लगाई जाती। पुलिस अब आरोपियों का पता नहीं लगा पा रही।

सरकार को फटकार: हम राज्य सरकार से बेहद निराश हैं। कोई अपील क्यों नहीं की गई? गंभीरता नहीं दिखाई गई।

लापरवाही को अवमानना माना जाएगा: किसी भी तरह की लापरवाही को गंभीरता से लिया जाएगा। अगर ऐसा नहीं होता है तो इसे अदालत की अवमानना माना जाएगा।

♦ सभी राज्य नवजात तस्करी के मामले 6 महीने में निपटाएं, UP सरकार को फटकार लगाई

दिल्ली पुलिस ने 8 अप्रैल को नवजात बच्चा तस्करी गैंग के 2 महिलाओं समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया था। पुलिस ने बताया- यह गैंग दिल्ली-NCR में निसंतान अमीर परिवारों को बच्चों की सप्लाई करते थे। राजस्थान और गुजरात से नवजात बच्चों को लाकर 5-10 लाख रुपए में बेचते थे। इनके पास से एक नवजात बच्चा भी बरामद किया। गैंग अब तक 30 से ज्यादा बच्चों को अमीर परिवारों को बेच चुका था।

सुप्रीम और हाईकोर्ट से फटकार के बाद ममता सरकार ने तैयार की 19 हजार योग्य शिक्षकों की सूची

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में चर्चित शिक्षक भर्ती घोटाले में सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी और हाईकोर्ट के फैसले के बाद ममता सरकार ने 19 हजार योग्य शिक्षकों की लिस्ट तैयार की है। इस लिस्ट को स्कूल सर्विस कमीशन (एसएससी) ने तैयार की है और शिक्षा विभाग को भेज दी गई है, इस ममता सरकार जल्द सार्वजनिक करेगी। 2016 में हुई शिक्षक और स्टाफ भर्ती प्रक्रिया को कोलकाता हाईकोर्ट ने अवैध करार देकर रद्द कर दिया था। इसमें 25,753 पदों पर भर्ती हुई थी। कोर्ट ने भर्ती में व्यापक स्तर पर भ्रष्टाचार और अनियमितताओं की बात कही थी, इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट ने भी 3 अप्रैल 2025 को बरकरार रखा। एसएससी ने कहा कि सूची सीबीआई द्वारा जांचे गए ओएमआर शीट्स की मिरर इमेज के आधार पर तैयार की गई है। सीबीआई ने जांच के दौरान ओएमआर शीट की स्कैन कॉपियों वाली एक हार्ड डिस्क गाजियाबाद से जब्त की थी। ये शीट्स 2016 की परीक्षा आयोजित करने वाली एजेंसी न्यासा कम्युनिकेशन के एक पूर्व कर्मचारी के पास से मिलीं। एसएससी के जब्त किए गए सर्वर में मौजूद डेटा से भी जांच में मदद मिली। योग्य शिक्षकों की सूची 21 तक सार्वजनिक करने की मांग को लेकर शिक्षक 16 अप्रैल से दिल्ली में धरना शुरू करने जा रहे हैं। आंदोलनकारी शिक्षकों की मांग है कि सभी ओएमआर शीट्स की मिरर इमेज सार्वजनिक की जाए, जिससे पारदर्शिता बनी रहे।

सुप्रीम कोर्ट ने फिर इलाहाबाद हाईकोर्ट को फटकारा, विवादित टिप्पणी करने से बचे

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट ने दूसरी बार इलाहाबाद हाईकोर्ट को सख्त हिदायत दी कि किसी भी केस में विवादित टिप्पणी करने से बचे। दरअसल हाईकोर्ट ने 10 अप्रैल को रेप के आरोपी को जमानत देकर कहा था, पीड़ित लड़की ने खुद मुसीबत बुलाई, रेप के लिए वहीं जिम्मेदार है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट इलाहाबाद हाईकोर्ट की 19 मार्च को की गई एक और टिप्पणी स्तन दबाना और पायजामे की डोरी तोड़ना रेप की कोशिश नहीं हो सकती पर सुनवाई कर रहा था। तभी सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट की 10 अप्रैल की टिप्पणी का जिक्र किया। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस एजी मसीह की बेंच ने कहा कि हाईकोर्ट जज को जमानत के बारे में फैसला केस से जुड़े फैक्ट्स के आधार पर करना चाहिए। पीड़ित लड़की के खिलाफ गैरजरूरी टिप्पणी से बचना चाहिए। इस पर एसजी तुषार मेहता ने कहा कि न्याय केवल होना ही नहीं चाहिए, बल्कि दिखाई भी देना चाहिए। इस तरह के आदेश को आम आदमी किस नजरिए से देखेगा, यह भी सोचना चाहिए।

अमरनाथ यात्रा के लिए पंजीकरण शुरू, ऑनलाइन और ऑफलाइन कर सकते

नई दिल्ली (एजेंसी)। वार्षिक अमरनाथ यात्रा के लिए पंजीकरण शुरु हो चुका है। यह पंजीकरण आप ऑनलाइन और ऑफलाइन कर सकते है। बता दें कि इस साल पवित्र अमरनाथ यात्रा तीन जुलाई को शुरू होकर 9 अगस्त 2025 तक चलेगी। आपको श्राइन बोर्ड की वेबसाइट पर जाना होगा। इस वेबसाइट पर आपको रजिस्ट्रेशन फॉर्म भरना होगा और एक पासपोर्ट साइज फोटो वाला आईडी प्रूफ जैसे आधार, वोटर आईडी या फिर पासपोर्ट अपलोड करना होगा। साथ ही एक मेडिकल सर्टिफिकेट भी अपलोड करना होगा, इस श्राइन बोर्ड द्वारा अनुमोदित डॉक्टर से बनवाना जरूरी है। इसके अलावा आपको रजिस्ट्रेशन फीस के तौर पर 150 रुपये भी जमा करने है। जब आप वेबसाइट पर दिया गया फॉर्म भर लेते हैं तब परमिट की एक सॉफ्ट कॉपी जेनरेट होगी जिसका प्रिंट आउट निकलवा कर यात्रा के दौरान अपने पास रखे। अगर आप ऑफलाइन आवेदन करना चाहते हैं, तब श्राइन बोर्ड की ओर से तय बैंकों की किसी भी शाखा में जाकर यात्रा के फॉर्म ले सकते है। हम आपको बता दें कि यह फॉर्म पंजाब नेशनल बैंक, जम्मू एंड कश्मीर बैंक, यस बैंक और एसबीआई बैंक की शाखाओं पर आसानी से प्राप्त किए जा सकते हैं। बैंक की शाखा पर ही आपको अपना मेडिकल सर्टिफिकेट भी दिखाना होगा। सारी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद आपको वहीं से यात्रा का परमिट मिल जायेगा। बता दें कि मेडिकल सर्टिफिकेट बनवाने के लिए आपको साइट पर अधिकृत डॉक्टरों और अस्पतालों की सूची भी मिल जाएगी।

सलमान को जान से मारने की धमकी देने वाला शख्स निकला मानसिक रोगी

-वडोदरा जिले के वाघोडिया तालुका का निवासी

मुंबई (एजेंसी)। अभिनेता सलमान खान को जान से मारने की धमकी देने वाला शख्स गुजरात के वडोदरा जिले के वाघोडिया तालुका का निवासी है। पुलिस के मुताबिक धमकी देने वाला शख्स मानसिक रोगी है। एफआईआर दर्ज होने के 24 घंटे के भीतर पुलिस ने संदेश भेजने वाले शख्स को वडोदरा से खोज है। पुलिस ने बताया कि वाघोडिया तालुका के एक गांव के निवासी 26 वर्षीय व्यक्ति का नाम मयंक पांड्या है, जो मानसिक रोगी है। उल्लेखनीय है कि वर्ली में परिवहन विभाग के नंबर पर धमकी भेजी गई, इसमें अज्ञात शख्स ने अभिनेता को जान से मारने के साथ ही उनकी कार को बम से उड़ाने की बात कही थी। अभिनेता को धमकी मिलने के बाद वर्ली पुलिस स्टेशन में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर गैलेक्सी अपार्टमेंट की सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। वडोदरा पुलिस ने बताया, तकनीकी खुफिया जानकारी का इस्तेमाल कर हम लोगों ने मयंक पांड्या को उसके घर से ट्रैक किया। चूंकि वह मानसिक बीमारी का इलाज करा रहा है, इसलिए पुलिस के द्वारा नोटिस भेजा है और जांच में शामिल होने को कहा गया है। मयंक के मोबाइल फोन और व्यवहार पर नजर रखने पर सामने आया कि वह मानसिक रूप से बहुत स्वस्थ नहीं है और उपचार करवा रहा है। वह सोशल मीडिया पर सक्रिय रहता है और लोकप्रियता पाने की उसकी चाह है।

यूपी-बिहार-महाराष्ट्र में वक्फ से बेफिक्र हैं मुसलमान, फिर दंगों के पीछे किसकी साजिश

कोलकाता (एजेंसी)। मुर्शिदाबाद के एक इलाके से फैली हिंसा की आग अब धीरे-धीरे फैलती जा रही है। पश्चिम बंगाल के कई इलाकों में हिंसक प्रदर्शन जारी हैं। वक्फ कानून के खिलाफ मुसलमान सड़कों पर हैं। उन्हें बरगलाया जा रहा है। इसकी वजह से सैकड़ों हिंदुओं का पलायन हो चुका है। तीन लोगों की जान भी जा चुकी है। अब सवाल है कि क्या पश्चिम बंगाल में ही सबसे अधिक मुसलमान हैं? क्या अन्य राज्यों के मुसलमानों को वक्फ कानून से कोई लेना-देना नहीं? आखिर यूपी-बिहार और महाराष्ट्र के मुसलमान क्यों बेफिक्र हैं? पश्चिम बंगाल में आखिर कौन दंगे की बार-बार साजिश रच रहा है?

सवाल है कि आखिर पश्चिम बंगाल में दंगे की साजिश कौन रच रहा? पश्चिम बंगाल में अगले साल विधानसभा चुनाव है। इस हिंसा के पीछे यह भी एक कारण है। सभी वोट बैंक की खातिर अपनी सियासी रोटी सेकने के चक्कर में इसे हवा दे रहे हैं। टीएमसी और भाजपा वक्फ मुद्दे पर आमने-सामने है। एक ओर टीएमसी बंगाल में लागू नहीं होने देने की बात कह रही है, दूसरी ओर कुछ नेता स्थानीय लोगों को भड़का रहे हैं कि वक्फ कानून से उनके अधिकार छीन लिए जाएंगे। खुफिया एजेंसियों की मानें तो बंगाल में वक?फ कानून के विरोध में फैली हिंसा का पैटर्न साल 2019 में सीएए के खिलाफ हुए हिंसक प्रदर्शनों की तरह है। मुर्शिदाबाद में हिंसा फैलाने के लिए उसी टूकिट का इस्?तेमाल किया जा रहा है, जिसका प्रयोग सीएए के खिलाफ हुए विरोध-प्रदर्शनों में किया गया था। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में वक्फ कानून के विरोध में 8 अप्रैल से ही प्रदर्शन और हिंसा का दौर जारी है। धुलियान, शमशेरगंज, सूती, जंगीपुर और निमतिता जैसे इलाकों में खूब हिंसा हुई है। हिंसा में तीन लोगों की मौत हुई, जिसमें एक पिता-पुत्र और एक नाबालिग शामिल हैं। अब तक 200 से अधिक लोग गिरफ्तार हुए हैं और कलकत्ता हाईकोर्ट ने केंद्रीय बलों की तैनाती का आदेश दिया है। अब साउथ 24 परगना में भी हिंसा हुई है। इसमें कोई शक नहीं कि मुर्शिदाबाद में मुस्लिमों की आबादी अधिक है। 2011 की जनगणना के अनुसार मुर्शिदाबाद जिले की कुल आबादी में करीब 66.3 फीसदी मुस्लिम हैं। मुर्शिदाबाद हिंसा के पीछे कई वजहों में एक वजह यह भी है। हालांकि, इस हिंसा को सियासी दाना-पानी मिल रहा है। भाजपा का आरोप है कि टीएमसी वाले ही इस कानून के खिलाफ लोगों को भड़का रहे हैं। इसका नतीजा है कि लोग सड़कों पर आ रहे हैं और प्रदर्शन कर रहे हैं। बीते कुछ समय से मुर्शिदाबाद में हिंसा, आगजनी और पत्थरबाजी ने यह साबित कर दिया है कि बगैर सियासी घी के यह हिंसा नहीं हो सकती थी। मुर्शिदाबाद हिंसा का टूलकिट भी सामने आया है, जिसमें टेलीग्राम, व्हाट्सऐप और सिग्नल ऐप जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से टूलकिट जारी किया जा रहा है।

राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि मामले में सुनवाई 28 अप्रैल तक टली

सुलतानपुर (ईएमएस)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और रायबरेली से सांसद राहुल गांधी के खिलाफ चल रहे मानहानि मामले में मंगलवार को सुनवाई होनी थी, लेकिन वादी की तरफ से गवाह पेश नहीं होने के कारण यह सुनवाई नहीं हो सकी। अदालत ने इस मामले में अगली सुनवाई के लिए 28 अप्रैल की तिथि नियत की है। राहुल गांधी के वकील काशी प्रसाद शुक्ला ने बताया कि मंगलवार को मानहानि मामले में सुनवाई होनी थी, लेकिन वादी की तरफ से गवाह न पेश होने पर कोई कार्रवाई नहीं हो सकी। अदालत ने अगली सुनवाई के लिए 28 अप्रैल की तिथि नियत की है। पिछली सुनवाई 3 अप्रैल को हुई थी। वादी के अधिवक्ता संतोष कुमार पांडेय ने बताया कि आज गवाह का बयान होना था। उन्होंने बताया कि गवाह आया था, लेकिन उसकी तबियत ठीक न होने के कारण बयान नहीं हो सका। यह मामला 2018 का है। भाजपा नेता विजय मिश्रा ने कर्नाटक चुनाव के दौरान राहुल गांधी की कथित अभद्र टिप्पणी को लेकर मानहानि का मुकदमा दर्ज कराया था। पांच साल की कानूनी प्रक्रिया के बाद दिसंबर 2023 में अदालत ने राहुल गांधी के खिलाफ वारंट जारी किया। राहुल ने फरवरी 2024 में अदालत में समर्पण किया। विशेष मजिस्ट्रेट ने राहुल को 25-25 हजार रुपये के दो मुचलकों पर जमानत दी। 26 जुलाई को राहुल ने अदालत में अपना बयान दर्ज कराया। उन्होंने खुद को निर्दोष बताते हुए कहा कि उनके खिलाफ राजनीतिक साजिश हो रही है। इस वर्ष की शुरुआत में वकीलों की हड़ताल और राहुल के अधिवक्ता की अस्वस्थता के कारण कई बार सुनवाई टली। 11 फरवरी को राहुल गांधी के अधिवक्ता काशी प्रसाद शुक्ला ने परिवादी से जिरह पूरी की थी।

राज्यपाल रवि ने छात्रों से लगवाए जय श्री राम' के नारे, विरोधी नाराज

मदुरै, (एजेंसी)। तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि को सुप्रीम कोर्ट से फटकार लगे अभी ज्यादा समय नहीं हुआ हैं कि एक नया विवाद खड़ा हो गया। 12 अप्रैल को मदुरै के कॉलेज में उन्होंने छात्रों से 'जय श्री राम' के नारे लगवा दिए। विरोधी दलों का कहना है कि किसी संवैधानिक पद पर बैठा व्यक्ति इसतरह के धार्मिक नारे नहीं लगवा सकता, उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए।

दरअसल राज्यपाल रवि 12 अप्रैल को मदुरै के एक कॉलेज के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे। राज्यपाल ने कम्ब रामायण लिखने वाले कवि चक्रवर्ती कम्बन के सम्मान में छात्रों से आग्रह किया, आइए हम उस व्यक्ति को श्रद्धांजलि अर्पित करें जो श्री राम का महान भक्त था। मैं कहूंगा और आप दोहराएंगे, जय श्री राम।

इसके बाद राज्यपाल रवि और छात्रों ने तीन बार जय श्री राम का नारा लगाया। तमिलनाडु गवर्नर का वीडियो सामने आने के बाद विवाद शुरू हो गया।

इस वीडियो पर तमिलनाडु के स्टेट प्लेटफॉर्म फॉर कॉमन स्कूल सिस्टम यानी एसपीसीएसएस-टीएन ने कहा कि राज्यपाल रवि ने अपने पद की शपथ का उल्लंघन किया है। राज्यपाल रवि ने भारतीय संविधान के अनुच्छेद 159 के तहत शपथ ली है और अपनी शपथ में उन्होंने प्रतिज्ञा ली कि वे अपनी पूरी क्षमता से संविधान और कानून का संरक्षण, सुरक्षा और बचाव करने वाले है। राज्यपाल को कॉलेज में मुख्य अतिथि के तौर पर बुलाया गया था। उन्हें किसी खास धर्म के प्रचारक के तौर पर आमंत्रित नहीं किया गया था। उन्हें धार्मिक उपदेश देने के लिए नहीं कहा गया था।

वहीं राज्यपाल के वीडियो पर वेलाचेरी से कांग्रेस विधायक जेएमएच हसन मौलाना ने कहा, आरएन रवि संवैधानिक पद पर हैं। उन्हें इसतरह के काम शोभा नहीं देते। रवि किसी धार्मिक नेता की तरह बोल रहे हैं। वे आरएसएस और भाजपा के प्रचार मास्टर बन गए हैं।

वहीं, डीएमके प्रवक्ता धरणीधरन ने कहा, यह देश के धर्मनिरपेक्ष मूल्यों के खिलाफ है। राज्यपाल बार-बार संविधान का उल्लंघन क्यों करना चाहते हैं? उन्होंने अभी तक इस्तीफा क्यों नहीं दिया है? वह आरएसएस के प्रवक्ता हैं।

हिंदू समाज में एकता के लिए आंबेडकर और हेडगेवार ने खपाया अपना जीवन-मोहन भागवत

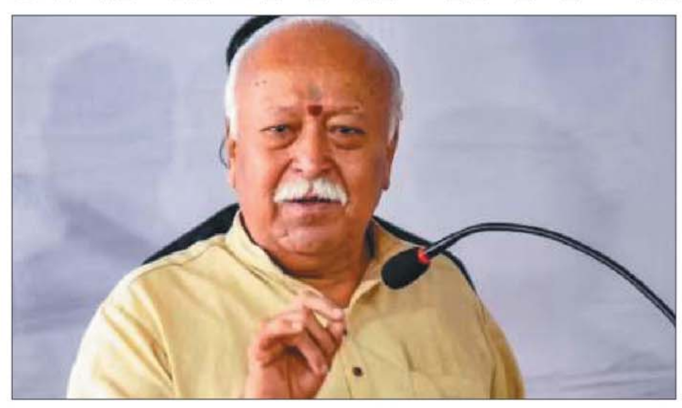

कानपुर (एजेंसी)। सरसंघचालक मोहन भागवत ने सोमवार को यहां कहा कि हिंदू समाज में एकता-समानता बनाने के लिये डॉ. बाबा साहब भीमराव आंबेडकर और डॉ. केशवराव बलिराम हेडगेवार ने अपना पूरा जीवन खपा दिया। काम दोनों का एक ही था। मगर दोनों ने प्रारम्भ अलग-अलग अवस्था में अलग-अलग दिशा से किया था। भागवत ने कहा कि जब 1934 में महाराष्ट्र में सतारा के पास कराड़ की शाखा में डॉ. आंबेडकर गये थे तो उसका समाचार छपा था। केसरी समाचार पत्र में डॉक्टर बाबा साहब आंबेडकर का शाखा पर जो भाषण हुआ उसका तीन पंक्तियों में वृतांत दिया गया था, जिसमें उन्होंने कहा था कि कुछ बातों में हमारे में मतभेद हैं तो भी मैं संघ को अपनत्व के भाव से देखता हूं।

संघ प्रमुख भागवत ने कहा कि यह अपनत्व दो बातों का परिणाम था। डॉ. हेडगेवार और डॉक्टर आंबेडकर दोनों में अपने समाज के लिए कूट-कूट कर अपार आत्मीयता भरी थी। दोनों का जो कार्य था वह समाज में उसी आत्मीयता को उत्पन्न कर सब स्वार्थ और भेदों को तिलांजलि देने का काम था। उस काम के लिए दोनों चले। सब कार्यकर्ता चले। आज भी हम चल रहे हैं। स्वतंत्रता और समता एक साथ लानी है तो बंधुभाव होना जरूरी है। संघ के संस्थापक डॉ. हेडगेवार ने कठिन परिस्थिति में अपनी शिक्षा पूरी की। उन्होंने भी बाबा साहब की तरह समाज में फैली विषमता को दूर कर एक सूत्र में पिरोने का काम किया। अपने लिये दोनों ही डॉक्टरों ने कुछ नहीं किया। बाबा साहब के जाने के बाद उनकी स्मृतियां पुस्तकालय था और डॉ. हेडगेवार के जाने के बाद उनकी स्मृतियां उनका पत्राचार था। दोनों ने ही अपने समाज के लिये कार्य किया और उनकी स्वतंत्रता बनी रहे इसके लिये अपना जीवन खपा दिया। उन्होंने कहा कि यह बड़ा संयोग है कि बाबा साहेब के जन्मदिवस पर ही यह कार्यक्रम हो रहा है।

उन्होंने कहा, बाबा साहब का काम था कि समाज से जणमूल से विषमता से हटाना। उन्होंने कहा कि जैसे संघ एक स्टार्टर है। वैसे बाबा साहब का कार्य भी स्टार्टर था। बाबा साहब का स्टार्टर किक वाला स्टार्टर था क्योंकि हिंदू समाज सुन नहीं रहा था। उन्होंने इस कार्य में अपना पूरा जीवन लगा दिया। उनका मानना था कि भारत देश को अच्छा बनना है तो विषमता, असमानता और एक दूसरे के प्रति प्रेम की कमी को भरने का प्रयास करना जरूरी है। संघ का कार्य भी जिन्होंने ने शुरू किया उनको सामाजिक विषमता का शिकार तो नहीं होना पड़ा लेकिन डायरेक्ट उपेक्षा का शिकार वह भी होते रहे। मोहन भागवत ने कहा कि इस प्रांत को जितनी जरूरत थी, उतना बड़ा कार्यालय बना है। संघ के मानक हैं। जहां जितनी जरूरत उनका ही निर्माण होता है। आवश्यकता से ज्यादा कुछ नहीं है। उन्होंने कहा कि इतना भी बनाने की स्थिति नहीं थी। जब डॉ. हेडगेवार अकेले चले थे तो संघ की बैठक घरों में होती थी। कभी कार्यालय इतने छोटे थे कि दिखते तक नहीं थे। उन्होंने कहा कि संघ और कार्यालय एक भाव है इसे संभालकर रखना जरूरी है।

सपा विधायक का विवादित बयान, देवी-देवताओं को मुसलमानों को श्राप देना चाहिए, वे मर जाते

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के विधायक इंद्रजीत सरोज ने अपने पुराने बयान का बचाव किया जिसमें सपा विधायक ने मुहम्मद गौरी जैसे ऐतिहासिक आक्रमणों के दौरान भारतीय देवी-देवताओं की भूमिका पर सवाल खड़े किए थे। अब विधायक सरोज ने कहा कि देवी-देवताओं को आक्रमणकारियों को श्राप देकर राख में बदल देना चाहिए था। सपा विधायक ने कहा कि हमारे देवी-देवता इतने शक्तिशाली नहीं थे। 712 ई. में मुहम्मद बिन कासिम अरब से देश में आया और देश को लूटा। गौरी इस देश को लूटने आया था। तब इस देश के देवी-देवताओं ने क्या किया? विधायक सरोज ने कहा कि देवी-देवताओं को मुसलमानों को श्राप देना चाहिए था। वे राख हो जाते, मर जाते और अंधे हो जाते। इसका मतलब है कि कुछ कमी है और हमारे देवी-देवता इतने शक्तिशाली नहीं हैं। सपा विधायक सरोज ने कहा था कि अगर भारत के मंदिरों में शक्ति होती, तब कासिम, महमूद गजनवी और मोहम्मद गौरी जैसे आक्रमणकारी देश में नहीं आते।

कांग्रेस ने बदली रणनीति, अब सवर्णों के बजाय ओबीसी, दलित और मुस्लिम पर नजर

पटना(एजेंसी)। कांग्रेस ने गुजरात में आयोजित अधिवेशन से साफ संकेत दे दिया है कि वह अब राजनीतिक पुनर्गठन की दिशा में बड़े बदलाव करने जा रही है। छह दशकों बाद बदली रणनीति के तहत पार्टी अब सवर्णों के बजाय ओबीसी, दलित और मुस्लिम समाज पर दांव लगाना चाहती है। इसका सीधा असर बिहार में लालू यादव की आरजेडी और यूपी में अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी पर पड़ सकता है, क्योंकि इन समाजों का पारंपरिक समर्थन इन क्षेत्रीय दलों के साथ रहा है।

कांग्रेस का मानना है कि बीजेपी ने सवर्णों के साथ स्थायी गठजोड़ बना लिया है, ऐसे में पार्टी के लिए बहुजन वर्ग का समर्थन हासिल करना ज्यादा लाभकारी होगा। कांग्रेस ने घोषणा की है कि सत्ता में आने पर वह जातीय जनगणना कराएगी और अनुसूचित जाति-जनजाति के लिए आबादी के अनुपात में बजटीय आवंटन तय करने के लिए केंद्रीय कानून बनाएगी।

विश्लेषकों की माने तो कांग्रेस की यह रणनीति अभी भी कई विरोधाभासों से घिरी है। एक तरफ पार्टी ओबीसी और दलित समाज को साधने की बात कर रही है तो दूसरी ओर उसे उन्हीं वर्गों के वोट बैंक पर कब्जा जमाए क्षेत्रीय दलों से चुनौती का सामना करना पड़ेगा। बिहार में आरजेडी और यूपी में सपा की ओबीसी विशेषकर यादव समाज पर मजबूत पकड़ है, जिसे तोड़ पाना कांग्रेस के लिए मुश्किल होगा। कांग्रेस कभी मुस्लिम, दलित और ब्राह्मणों की पसंदीदा पार्टी हुआ करती थी, लेकिन समय के साथ उसने इन समाजों का भरोसा खो दिया। आज वही समुदाय क्षेत्रीय दलों की छांव में सियासी सुरक्षा महसूस करते हैं। कांग्रेस की पिछली गलतियों जैसे मुस्लिम नेताओं की उपेक्षा और दंगों पर चुप्पी ने उसकी छवि को नुकसान पहुंचाया है। कुल मिलाकर कांग्रेस की नई रणनीति में आत्मनिर्भरता की झलक तो दिखती है, लेकिन वर्तमान सामाजिक और राजनीतिक समीकरणों को देखते हुए, यह राह बेहद कठिन और समयसाध्य होगी। कांग्रेस को न सिर्फ जनता का विश्वास जीतना होगा, बल्कि क्षेत्रीय दलों के साथ प्रतिस्पर्धा में भी खुद को साबित करना होगा।

किसानों को मौसम विभाग ने दी खुशखबरी, मानसून में सामान्य से अधिक होगी बारिश

पूरे मौसम के दौरान अल नीनो की स्थिति को खारिज किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर भारत में इनदिनों भीषण गर्मी लू का प्रकोप दिख रहा है। अप्रैल के माह में ही तापमान नए रिकॉर्ड बना रहा है। इस बीच मानसून को लेकर भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अच्छी खबर दी है।

आईएमडी ने बताया कि इस मानसून में भारत में सामान्य से अधिक बारिश होने की संभावना है। वहीं, विभाग ने पूरे मौसम के दौरान अल नीनो की स्थिति की संभावना को खारिज कर दिया। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के प्रमुख मृत्युंजय महापात्र ने कहा कि भारत में चार महीने के मानसून मौसम (जून से सितंबर) में सामान्य से अधिक वर्षा होने की संभावना है, तथा संचयी वर्षा दीर्घ अवधि औसत 87 सेमी का 105 प्रतिशत रहने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि भारतीय उपमहाद्वीप में सामान्य से कम मानसून वर्षा से जुड़ी अल नीनो की स्थिति इस बार विकसित होने की संभावना नहीं है।

दरअसल भारत एक किसान प्रधान देश है। इसलिए कृषि क्षेत्र के लिए मानसून महत्वपूर्ण है। कृषि देश की करीब 42.3 प्रतिशत आबादी की आजीविका का आधार है। देश के सकल घरेलू उत्पाद में 18.2 प्रतिशत का योगदान देता है। बता दें कि शुद्ध खेती वाले क्षेत्र का 52 प्रतिशत प्राथमिक बारिश प्रणाली पर निर्भर करता है। इसके अलावा देश भर में बिजली उत्पादन के अलावा पीने के पानी के लिए महत्वपूर्ण जलाशयों को फिर से भरने के लिए भी बारिश महत्वपूर्ण है। इसकारण मानसून के मौसम में सामान्य बारिश की भविष्यवाणी देश के लिए एक बड़ी राहत की बात है। जलवायु वैज्ञानिकों का कहना है कि बारिश के दिनों की संख्या घट रही है जबकि भारी बारिश की घटनाएं (थोड़े समय में अधिक बारिश) बढ़ रही हैं। यही वजह है कि लगातार सूखे और बाढ़ आ रही हैं।

भारत दूसरा सबसे बड़ा हथियार खरीददार बना, लेकिन रुस की हिस्सेदारी हुई कम

-मेक इन इंडिया के तहत अब स्वदेशी हथियारों पर जोर

नई दिल्ली (एजेंसी)। वर्ष 2020-24 के बीच भारत ने वैश्विक स्तर पर कुल हथियारों का 8.3 प्रतिशत आयात किया और दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा हथियार खरीदार बना। पहले स्थान पर यूक्रेन रहा, जो कि 2015-19 की तुलना में 100 गुना ज़्यादा हथियार खरीदे। भारत की हथियार खरीद में 2015-19 की तुलना में 9.3 प्रतिशत की गिरावट हुई, जबकि 2019-23 के दौरान यह आंकड़ा 10 प्रतिशत था। गिरावट के बावजूद रूस भारत का सबसे बड़ा हथियार आपूर्तिकर्ता बना रहा, लेकिन उसकी हिस्सेदारी कुछ कम हो गई। अब भारत के कुल आयात का 64 प्रतिशत हिस्सा स्वदेशी और पश्चिमी देशों से मिलकर आता है। रूस की वैश्विक हथियार बिक्री में भी 64 प्रतिशत की गिरावट आई है, जो 2022 में यूक्रेन युद्ध शुरू होने से पहले ही शुरू हो गई थी। भारत और चीन जैसे देशों से कम ऑर्डर मिलने के कारण रूस की हिस्सेदारी 7.8 प्रतिशत पर आ गई।

भारत लंबे समय से रूस का बड़ा हथियार खरीदार रहा है। 2000 से 2019 के बीच भारत ने अपने 62 प्रतिशत हथियार रूस से लिए थे और वह रूस के कुल हथियार निर्यात का 32 प्रतिशत हिस्सा था। लेकिन अब मोदी सरकार के आने के बाद स्वदेशी रक्षा निर्माण की ताकत बढ़ रही है। मेक इन इंडिया के तहत भारत रक्षा उत्पादन के मामले में रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच चुका है। वित्त वर्ष 2023-24 में यह 1.27 लाख करोड़ तक पहुंच गया, जबकि रक्षा निर्यात 23,622 करोड़ के शीर्ष पर पहुंचा।

अमेरिका, फ्रांस, इज़राइल और अन्य पश्चिमी देशों से सहयोग बढ़ने से भारत के पास विकल्प भी बढ़े हैं। भारत ने फ्रांस से राफेल और स्कॉर्पीन पनडुब्बी, अमेरिका से एमक्यू-9ए ड्रोन, अपाचे और चिनूक हेलिकॉप्टर, एम-777 तोपें खरीदी हैं। इज़राइल से भी भारत ने स्पाइक मिसाइल, फाल्कन सिस्टम और ड्रोन जैसी आधुनिक तकनीकें हासिल की हैं। रूस अब भी भारत को हथियार देने को तैयार है, लेकिन भारत एक देश पर निर्भर नहीं रहना चाहता और वैश्विक साझेदारियों के जरिए अपने रक्षा क्षेत्र को संतुलित कर रहा है।